



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 48] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 29, 1980/अग्राहायण 8, 1902
No. 48] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 29, 1980/AGRAHAYANA 8, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश, और अधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the
Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर, 1980

का० प्रा० 3246.—यद्यपि, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए तमिलनाडु विधान सभा के लिए साधारण उप निर्वाचन के लिए 171-मयूरम संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री एस० सन्थानम, 37, पश्चिम आर्या स्ट्रीट, थिरुविलान्दूर, मयूरम, थान्जावुर जिला (तमिल नाडु) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्घीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे है ;

और, यद्यपि, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्पर्क सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई प्रत्यक्ष कारण या न्यायचित्य नहीं है ;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री एस० सन्थानम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० तमिल० -वि० सं० /171/80(23)]

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDERS

New Delhi, the 21st October, 1980

S.O. 3246.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri S. Santhanam, 37, West Araya Street, Thiruvilander, Mayuram, Thanjavur District (Tamil Nadu), a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in May, 1980 from 171-Mayuram Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri S. Santhanam to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/171/80(23)]

का० प्रा० 3247—यत्, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए तमिलनाडु विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 229-नगर कोईल समदीय निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री एम० सुगानान्थम, कोडोट्टी पराक्काई, जिला कन्या कुमारी, पीन कोड-629601, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

और, यत्, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई प्रयाप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री एम० सुगानान्थम, को समद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० तमिल०-वि० सं०/229/80(24)]

S.O. 3247.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri M. Suganatham, Kadotti Parakkai District Kannyakumari, P.N Code-629601, a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in May, 1980 from 229-Nagercoil constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason of justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri M. Suganatham, to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA-229/80(24)]

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर, 1980

का० प्रा० 3248.—यत्, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए तमिल नाडु विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 112-धारापुरम समदीय निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री ए० के० बालाकृष्णन सपुत्र श्री कथुषाथ, बी० ओ० सी० स्ट्रीट, धारापुरम, धारापुरम तालुक (तमिलनाडु) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

और, यत्, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई प्रयाप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री ए० के० बालाकृष्णन को समद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० त० ना०-वि० सं०/112/80(25)]

New Delhi, the 27th October, 1980

S.O. 3248.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri A. K. Balakrishnan S/o Shri Karuppanan, V.O.C. Street, Alangiam, Bharapuram Taluk, (Tamil Nadu) a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in May, 1980 from 112-Dharapuram Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri A. K. Balakrishnan to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/112/80(25)]

का० प्रा० 3249—यत्, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए तमिल नाडु विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 117-कंगोयम समदीय निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री के० जे० सुब्रह्मण्यम, 9/87, बाजार स्ट्रीट, मजीद स्ट्रीट, कंगोयम, जिला पेरीयार (तमिल नाडु) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

और, यत्, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई प्रयाप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री के० जे० सुब्रह्मण्यम को समद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० त० ना०-वि० सं०/117/80(26)]

S.O. 3249.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri K. J. Subbaramaniam, 9/87, Bazar Street, Majeed Street, Kangayam, District Periyar (Tamil Nadu), a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in May, 1980 from 117-Kangayam assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri K. J. Subbaramaniam to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

[No. TN-LA/117/80(26)]

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर, 1980

का० प्रा० 3250—यत्, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए तमिलनाडु विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए

120-इरोडे संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री एम० एस० करुपन्नन, सपुत्र श्री सेंगोडन, मनाकतूर, मेट्टुना सुम्मयल्लायम, इरोडे, (तमिलनाडू) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा पद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रयत्न स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उनके पास इस असफलता के लिए कोई प्रयत्न कारण या व्यापारिक नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री एम० एस० करुपन्नन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० न०ना०-वि०स०/120/80(27)]

New Delhi, the 28th October, 1980

S.O. 3250.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri M. S. Karupannan, S/o Shri Sengodan, Manakattur, Mettunasuvampalayam, Erode, (Tamil Nadu), a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in May, 1980 from 120-Erode Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri M. S. Karupannan to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/120/80(27)]

का० प्रा० 3251.—अतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए तमिलनाडू विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 120-इरोडे संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री आर० चक्रवर्ती, सपुत्र श्री रामाराजुलु, नम्बर 1, पोसारी गौडेर, काडु सुरमपट्टे, नल रोड, इरोडे-9 (तमिलनाडू), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 तथा पद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रयत्न स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उनके पास इस असफलता के लिए कोई प्रयत्न कारण या व्यापारिक नहीं है

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री आर० चक्रवर्ती, को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० न०ना०-वि०स०/120/80(28)]

S.O. 3251.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri R. Chakkrapani, S/o Shri Ramarajulu, No. 1 Poosari Gounder, Kadu Surampatty, Nal Road, Erode-9 (Tamil Nadu), a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in May, 1980 from 120-Erode constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri R. Chakkrapani to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/120/80(28)]

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर, 1980

का० प्रा० 3252.—अतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1980 में हुए तमिलनाडू विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 191-पुडुक्कोट्टई संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री आर० चिदम्बरम, टी० एस० नम्बर-3849, दक्षिण दुमरा स्ट्रीट, पुडुक्कोट्टई (तमिलनाडू), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा पद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रयत्न स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उनके पास इस असफलता के लिए कोई प्रयत्न कारण या व्यापारिक नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री आर० चिदम्बरम, को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० न०ना०-वि०स०/191/80(30)]

वी० के० राव, अधर सचिव

New Delhi, the 29th October, 1980

S.O. 3252.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri R. Chidambaram, T.S. No. 3849, South 2nd Street, Pudukkottai (Tamil Nadu), a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in May, 1980 from 191-Pudukkottai Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri R. Chidambaram to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/191/80(30)]

V. K. RAO, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर, 1980

क्र० प्रा० 3253.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13ग की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और निर्वाचन आयोग का 30 अगस्त, 1979 की अधिसूचना सं० 429/दिल्ली/79(1) का अतिक्रमण करते हुए, निर्वाचन आयोग निम्नलिखित सारणी के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट सरकारी आफिसर को ऐसे आफिसरों के सामने उक्त सारणी के स्तम्भ 1 में यथा विनिर्दिष्ट दिल्ली मध्य राज्यक्षेत्र के संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण आफिसर की सहायता करने के लिए सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण के रूप में नियुक्त करता है :—

संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र का निर्वाचक सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण आफिसर

1	2
1. 1-नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र का निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण आफिसर	1. श्री टिक्का राम, प्रशासनिक अधिकारी, कार्यालय मुख्य अभियन्ता (सिचाई एवं बाढ़), प्रा० रा० ब० अ०, दिल्ली ।
	2. श्री के० एल० मेठी, निर्वाचन अधिकारी, 1, राजपुर रोड, दिल्ली ।
2. 2-दक्षिण दिल्ली संसदीय क्षेत्र का निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण आफिसर	1. श्री डी० वी० पुष्पा, भूमि अर्जन कलक्टर, दिल्ली ।
	2. श्री वी० के० झा, उप-प्रादेशिक रोजगार अधिकारी ।
	3. श्री ए० के० चतुर्वेदी, भवन सचिव (भूमि व भवन), विकास भवन, नई दिल्ली ।
	4. श्री शेर सिंह सेनी, स्टैम्प कलक्टर, दिल्ली ।
	5. श्री के० के० सरीन, निर्वाचन अधिकारी, 1, राजपुर रोड, दिल्ली ।
3. 3-बाह्य दिल्ली संसदीय क्षेत्र का निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण आफिसर	1. श्री आर० के० सेठी, जिला आबकारी अधिकारी, बी० भवन, नई दिल्ली ।
	2. श्री एस० आर० त्यागी, भूमि अर्जन कलक्टर, तीस हजारी, दिल्ली ।
	3. श्री जे० पी० गुप्ता, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षा निदेशालय, पुराना सचिवालय, दिल्ली ।
	4. श्री डी० आर० कपूर, निर्वाचन अधिकारी, 1, राजपुर रोड, दिल्ली ।

4. 4-पूर्व दिल्ली संसदीय क्षेत्र का निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण आफिसर

1. श्री हरि शंकर, उप-प्रादेशिक रोजगार अधिकारी, पुमा रोजगार कार्यालय, दिल्ली ।
2. श्री बी० एम० बनर्जी, नजरान अधिकारी, तीस हजारी, दिल्ली ।
3. श्री हनुमान प्रसाद, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षा निदेशालय, पुराना सचिवालय, दिल्ली ।
4. श्री बीरान चन्द, विक्री-कर अधिकारी, विकास भवन, नई दिल्ली ।
5. श्री आमिल मुर्तजा, निर्वाचन अधिकारी, 1, राजपुर रोड, तहसील भवन, दिल्ली ।
5. 5-चाँदनी चौक संसदीय क्षेत्र का निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण आफिसर

1. श्री सुयश प्रकाश, उप-प्रादेशिक रोजगार अधिकारी, दिल्ली ।
2. श्री के० आर० श्रृंखल, चक्रवर्ती अधिकारी, तीस हजारी, दिल्ली ।
3. श्री बी० डी० बट्टन, निर्वाचन अधिकारी, दिल्ली ।
6. 6-दिल्ली सबर संसदीय क्षेत्र का निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण आफिसर

1. श्री एम० एस० गौतम, जिला आबकारी अधिकारी, विकास भवन ।
2. श्री बी० एस० राणा, भूमि अर्जन कलक्टर, दिल्ली ।
3. श्री जे० सी० चौधरी, निर्वाचन अधिकारी, दिल्ली ।
7. 7-करोल बाग (अ० जा०) संसदीय क्षेत्र का निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण आफिसर

1. श्री बी० के० मोरार, भूमि अर्जन कलक्टर, दिल्ली । उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितियाँ, संसद मार्ग ।
2. श्री एम० ए० हाशमी, विक्री-कर अधिकारी, विकास भवन, नई दिल्ली ।
3. श्री बरकत राम, निर्वाचन अधिकारी, दिल्ली ।

[सं० 429/दिल्ली/79-(1)]

प्रादेश से,
के० गणेशन,
सचिव, भारत निर्वाचन आयोग

New Delhi, the 23rd October, 1980

S. O. 3253.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13C of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), and in supersession of the Commission's notification No. 429/DL/79(1), dated the 30th August, 1979, the Election Commission hereby appoints the officers of Government as specified in column 2 of the Table below, as assistant electoral registration officers to assist the electoral registration officer of the parliamentary constituency in the Union Territory of Delhi as specified in column 1 of the said Table against such officer :—

Electoral Registration officer of Parliamentary Constituency	Assistant Electoral Registration Officer
--	--

1	2
1. Electoral Registration Officer of 1-New Delhi Parliamentary Constituency.	1. Shri Tikka Ram, Administrative Officer, Office of the Chief Engineer (Irrigation & Floods), I.S.B.T, Delhi. 2. Shri K. L. Sethi, Election Officer, 1, Rajpur Road, Delhi.
2. Electoral Registration Officer of 2-South Delhi Parliamentary Constituency.	1. Sh. D. B. Kubba, Land Acquisition Collector, Delhi. 2. Shri V. K. Jha, Sub-Regional Employment Officer 3. Sh. A. K. Chaturvedi, Under Secretary (Land & Building), Vikas Bhawan, New Delhi. 4. Shri Sher Singh Saini, Collector of Stamps, Delhi. 5. Shri K. K. Sarin, Election Officer, 1-Rajpur Road, Delhi.
3. Electoral Registration Officer of 3-Outer Delhi Parliamentary Constituency	1. Shri R. K. Sethi, Distt. Excise Officer, V. Bhawan, New Delhi. 2. Shri S. R. Tyagi, Land Acquisition Collector, Tis Hazari Delhi. 3. Shri J. P. Gupta, Adm. Officer, Dte. of Education, Old Sectt., Delhi. 4. Shri D. R. Kapoor, Election Officer, 1-Rajpur Road, Delhi.
4. Electoral Registration Officer of 4-East Delhi Parliamentary Constituency	1. Shri Hari Shanker, Sub-Regional Employment Officer, Pusa Employment Exchange Delhi.

1	2
	2. Shri B. S. Banarjee, Nazarat Officer, Tis Hazari, Delhi. 3. Shri Hanu ma P ११९, Administrative Officer, Dte. of Education, Old Sectt., Delhi. 4. Shri Diwan Chand, Sales Tax Officer, Vikas Bhawan, New Delhi. 5. Shri Jamil Murtaza, Election Officer, 1-Rajpur Road, Tehsil Building, Delhi.
5. Electoral Registration Officer of 5-Chandni Chowk Parliamentary Constituency	1. Shri Suyash Parkash, Sub-Regional Employment Officer, Delhi. 2. Shri K. R. Shringhal, Consolidation Officer, Tis Hazari, Delhi. 3. Shri B. D. Buttan, Election Officer, Delhi.
6. Electoral Registration Officer of 6-Delhi Sadar Parliamentary Constituency.	1. Shri S. S. Gautam, District Excise Officer, Vikas Bhawan, New Delhi 2. Shri B. S. Rana, Land Acquisition Collector, Delhi. 3. J. C. Choudhary, Election Officer, Delhi.
7. Electoral Registration Officer of 7-Karol Bagh (SC) Parliamentary Constituency	1. Shri V. K. Worah, Land Acquisition Collector, Delhi. Deputy Registrar, Co-operative Societies, Parliament Street 2. Shri M. A. Hashmi, Sales Tax Officer, Vikas Bhawan, New Delhi 3. Shri Barkat Ram, Election Officer, Delhi.

[No. 429/DL/79-(1)]

By order.

K. GANESAN, S.cy.
to the Election Commission of India

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1980

क्र० आ० 3254—केन्द्रीय सरकार, नागरिक (भारतीय कौन्सिलों में रजिस्ट्रीकरण) नियम, 1956 के नियम 23 के उपनियम (2) के अनुसरण में अपनी पूर्वतर अधिसूचना सं० 2/1/67-आई सी, तारीख 15 अप्रैल, 1968 को विखंडित करती है, जिसके द्वारा केन्द्रीय सरकार ने 30 अप्रैल, 1970 को उस तारीख के रूप में विनिर्दिष्ट किया था

जिसको या जिसके पूर्व नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 5 की उप धारा (1) के खंड (ख) के अधीन भारतीय नागरिकता के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन, आमतौर से सीलोन में निवास करने वाले भारतीय उद्भव के व्यक्तियों द्वारा किए जाते थे।

[सं० 26011/4/80-आई सी]

राम मोहन अग्रवाल, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 6th November, 1980

S.O. 3254.—In pursuance of sub-rule (2) of Rule 23 of the Citizens (Registration at Indian Consulates) Rules, 1956, the Central Government hereby rescinds their earlier notification No. 2/1/67-IC dated 15th April, 1968, by which the Central Government had specified the 30th April, 1970, as the date on or before which applications for registration for Indian citizenship under clause (b) of sub-section (1) of section (5) of the Citizenship Act, 1955, were to be made by persons of Indian origin, ordinarily residing in Ceylon.

[No. 26011/4/80-IC]

R. M. AGRAWAL, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 13 नवम्बर, 1980

का० आ० 3255.—केन्द्रीय सरकार, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (समूह "ग" और "घ" अस्पताल कर्मचारिवृन्द) भर्ती नियम, 1980 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

- (1) इन नियमों का सक्षिप्त नाम केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (समूह ग और घ अस्पताल कर्मचारिवृन्द) संशोधन नियम 1980 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (समूह ग और घ अस्पताल कर्मचारिवृन्द) भर्ती नियम, 1980 की अनुसूची में, परिचर्या सहायक या प्राया पद से संबंधित क्रम सं० 16 के भाग में स्तंभ 12 में, विद्यमान प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि अंतः स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

"समूह "घ" विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्नलिखित होंगे —

- कमांडेंट या मुख्य चिकित्सा अधिकारी, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल —————अध्यक्ष
- साधारण ड्यूटी चिकित्सा अधिकारी श्रेणी-1 केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल —————सदस्य
- साधारण ड्यूटी चिकित्सा अधिकारी श्रेणी-1, भारत-विद्यमान सीमा पुलिस या सीमा सुरक्षा बल —————सदस्य।"

[सं० आर० IX-1/78-प्रोव/सी०आर० पी०एफ०/पर्स-II]

एन० सी० बक्शी, उप सचिव

New Delhi, the 13th November, 1980

S.O. 3255.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the Central Government hereby makes the following rules to amend the Central Reserve Police Force (Group C and D Hospital Staff) Recruitment Rules, 1980, namely :—

- (1) These rules may be called the Central Reserve Police Force (Group C and D Hospital Staff) Amendment Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Reserve Police Force (Group C and D Hospital Staff) Recruitment Rules, 1980, in the Schedule against serial number 16 relating to the post of Nursing Assistant or Ayah, in column 12, after the existing entry, the following entry shall be inserted, namely :—

"Group 'D' Departmental Promotion Committee Consisting of :

1. Commandant or Chief Medical Officer, Central Reserve Police Force — Chairman
2. General Duty Medical Officer Grade-I Central Reserve Police Force — Member
3. General Duty Medical Officer Grade-I Indo Tibetan Border Police or Border Security Force — Member.

[No. R-IX-1/78-Prov/CRPF/PERS. II]

H. C. BAKSHI, Dy. Secy.

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 10 नवम्बर, 1980

का० आ० 3256.—वण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 (1974 का अधिनियम 2) की धारा 24 की उप धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एन०आर०, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट इर्नाकुलम के न्यायालय में श्री बी० नटराजन तथा 8 अन्य के विरुद्ध दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना नियमित मामला संख्या 9/ई०ओ० डब्ल्यू/74/मद्रास में अभियोजन (सी० सी० 138/75) का संचालन करने के लिए श्री एन० वी० कुश्य, अधिवक्ता, इर्नाकुलम को विशेष लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० 225/63/80-ए० वी० डी० (II)]

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 10th November, 1980

S.O. 3256.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act 2 of 1974) the Central Government hereby appoints Shri M. B. Kurup Advocate, Ernakulum, as Special Public Prosecutor for conducting the prosecution of the Delhi Special Police Establishment Regular Case No. RC 9/EOW/74/Madras against Shri V. Natarajan and 8 others (CC 138/75) in the Court of the Chief Judicial Magistrate, Ernakulum.

[No. 225/63/80-AVD.II]

का० आ० 3257.—वण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 (1974 का अधिनियम 2) की धारा 24 की उप धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एन०आर०, सत्र न्यायालय, मद्रास शहर में श्री डी० गणेशन तथा 15 अन्य के विरुद्ध दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना नियमित मामला संख्या 10/ई०/76/मद्रास में अभियोजन का संचालन करने के लिए श्री पी० राजामानिकम, राज्य लोक अभियोजक मद्रास उच्च न्यायालय, को विशेष लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० 225/66/80-ए० वी० डी० (II)]

S.O. 3257.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act 2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri P. Rajamanikam, State Public Prosecutor Madras High Court, as Special Public Prosecutor for conducting the prosecution of the case No. RC. 10/E/76/Madras against Shri D. Ganeshan and 15 others, in the Sessions Court, Madras City.

[No. 225/66/80-AVD.II]

का० आ० 3258.—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का अधिनियम 2) की धारा 24 की उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा सत्र न्यायालय, मद्रास शहर में श्री डी० गणेशन तथा 15 अन्य के विरुद्ध विशेष पुलिस स्थापना नियमित मामला संख्या 10/ई/76/मद्रास में अभियोजन का संचालन करने के लिए श्री के० एम० दिनाकरन, अधिवक्ता, मद्रास उच्च न्यायालय को विशेष लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० 225/66/80-ए०बी०डी-(II)]

S.O. 3258.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act 2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri K. S. Dinakaran, Advocate Madras High Court, as Special Public Prosecutor for conducting the prosecution of the case No. RC.10/E/76/Madras against Shri D. Ganeshan and 15 others, in the Sessions Court, Madras City.

[No. 225/66/80-AVD(II)]

नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 1980

का० आ० 3259.—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट गोहाटी के न्यायालय में श्री मुरारी लाल अग्रवाल तथा अन्य के विरुद्ध दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के नियमित मामला संख्या 2/63-सी०आई०ए० (1) और मानिक चन्द बैद्य तथा अन्य के विरुद्ध नियमित मामला संख्या 3/63-सी० आई० ए० (1) में अभियोजन करने के लिए, श्री डी० के० हजारीका, अधिवक्ता, गोहाटी को एतद्वारा विशेष लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० 225/61/80-ए०बी०डी-(II)]

टी० के० मुन्नामनियन, धरर सचिव

New Delhi, the 12th November, 1980

S.O. 3259.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri D. K. Hazarika, Advocate, Gauhati, as a Special Public Prosecutor for the purposes of conducting the Delhi Special Police Establishment Regular Case No. 2/63-CIA(I) against Shri Murari Lal Agarwal and others and Regular Case No. 3/63-CIA(I) against Shri Manik Chand Baid and others in the Court of Special Magistrate, Gauhati.

[No. 225/61/80-AVD-II]

T. K. SUBRAMANIAN, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

आय कर

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1980

का० आ० 3260.—इस विभाग की अधिसूचना सं० 2400 (फा० सं० 203/80/78-आ०क०अ० II) तारीख 13 जुलाई, 1978 के अनुक्रम में सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली, ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम, 1962 के नियम 6(ii) के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में “वैज्ञानिक अनुसंधान संगम” प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

- (i) यह कि संगम चिकित्सा अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का पृथक हिसाब रखेगा।

- (ii) यह कि संगम प्रत्येक वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधित क्रियाकलापों की वार्षिक विवरणियां 31 मई तक ऐसे प्रारूप में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिषिक्त किया जाए और उसे सूचित किए जाएं।

- (iii) यह कि संगम प्रति वर्ष परिषद् को प्रत्येक वर्ष का संपरीक्षित वार्षिक लेखा विवरण 31 मई तक भेजेगा और साथ ही उसकी एक प्रति संबंध आयकर आयुक्त को भी भेजेगा।

संस्था

“वैज्ञानिक अनुसंधान संगम”

कर्नाटक कैंसर चिकित्सा और अनुसंधान संस्थान

हुबली (कर्नाटक)

यह अधिसूचना 2-6-1980 से 1-6-1983 तक की 2 वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी होगी।

[सं० 3543/एफ सं० 203/177/80 आ०टी०ए०-II]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

INCOME TAX

New Delhi, the 14th July, 1980

S.O. 3260.—In continuation of this Department's notification No. 2400 (F. No. 203/80/78-ITA.II) dated 13th July, 1978, it is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6(ii) of the Income-tax Rules, 1962 under the category of “Scientific Research Association” in the field of Medical Research subject to the following conditions :—

- (i) That the Association will maintain a separate account of the sums received by it for medical research.
- (ii) That the Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Council for each year by 31st May each year at the latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.
- (iii) That the Association will furnish a annual audited statement of accounts to the Council for each year by 31st May, each year and in addition send a copy of it to the concerned Income-tax Commissioner.

INSTITUTION**“SCIENTIFIC RESEARCH ASSOCIATION”**

The Karnatak Cancer Therapy and Research Institute Hubli (Karnatak).

The notification is effective for a period of 3 years from 2-6-1980 to 1-6-1983.

[No. 3543/F. No. 203/177/80-ITA.II]

का० आ० 3261.—इस विभाग की अधिसूचना सं० 2294 (फा० सं० 203/80/78-आ०क०अ० II) तारीख 15-5-1978 के अनुक्रम में सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम, 1962 के नियम 6(ii) के साथ पठित आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में “वैज्ञानिक अनुसंधान संगम” प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

- (i) यह कि संगम चिकित्सा अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का पृथक हिसाब रखेगा।
- (ii) यह कि संगम प्रत्येक वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की वार्षिक विवरणियां 31 मई तक ऐसे

प्ररूप में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिक्थित किया जाए और उसे सूचित किए जाए।

- (iii) यह कि संगम प्रति वर्ष परिषद् को प्रत्येक वर्ष का संपरीक्षित वार्षिक लेखा विवरण 31 मई तक भेजेगा और साथ ही उसकी एक प्रति संबद्ध आयकर आयुक्त को भी भेजेगा।

संस्था

“वैज्ञानिक अनुसंधान संगम”

भाटिया जनरल अस्पताल चिकित्सा अनुसंधान समिति, मुम्बई यह अधिसूचना 5-4-1980 से 4-4-1983 तक की 3 वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी होगी।

[सं० 3544/का० सं० 203/189/80-आई टी० ए० II]

S.O. 3261.—In continuation of this Department's notification No 2294 (F. No. 203/70/78-ITA. II) dated 15-5-1978, it is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6(ii) of the Income-tax Rules, 1962 under the category of “scientific research association” in the field of Medical Research subject to the following conditions :—

- (i) That the Society will maintain a separate account of the sums received by it for medical research.
- (ii) That the Society will furnish annual returns of its scientific research activities to the Council for each year by 31st May each year at the latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.
- (iii) That the Society will furnish an annual audited statement of accounts to the Council for each year by 31st May, each year and in addition send a copy of it to the concerned Income-tax Commissioner.

INSTITUTION

“SCIENTIFIC RESEARCH ASSOCIATION”

The Bhatia General Hospital Medical Research Society, Bombay.

The notification is effective for a period of 3 years from 5-4-1980 to 4-4-1983.

[No. 3544/F. No. 203/189/80-ITA II.]

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 1980

का० आ० 3262.—सामान्य जानकारी के लिये एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि आयकर अधिनियम, 1922 की धारा 10 (2) (xiii) के अन्तर्गत बी० बी० एण्ड सी० आई रेलवे वर्कशॉप, अजमेर को अधिसूचना सं० 21-आई० टी० द्वारा 10 अप्रैल, 1948 से दिया गया अनुमोदन निर्धारित प्राधिकारी सचिव, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली की सिफारिश पर 25 मई 1980 से वापस लिया जाता है।

[सं० 3595/का० सं० 203/198/80-आ० क० नि० (II)]

New Delhi, the 23rd July 1980

S.O. 3262.—It is hereby notified for general information that the approval given under section 10(2)(ii) of the Income-tax Act, 1922 to B.B. & C.I. Railway Workshop, Ajmer by notification on No. 21-I.T. with effect from 10th April, 1948 is withdrawn with effect from 25th May, 1980 on the recommendation of the prescribed authority, the Secretary, Department of Science & Technology, New Delhi.

[No. 3595/F. No. 203/198/80-ITA-II]

का० आ० 3263.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि प्राचीन वैज्ञानिक अध्ययन अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली को, अधिसूचना सं० का० आ० 605 [का० सं० 10(20)/65-II ए 1] द्वारा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (i) (ii) के अधीन दिया गया अनुमोदन विहित प्राधिकारी अर्थात् सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली की सिफारिश पर 25 मई, 1980 से प्रत्याहृत किया जाता है।

[सं० 3596/का० सं० 203/197/80-आई० टी० ए०-II]

S.O. 3263.—It is hereby notified for general information that the approval given under section 35(1)(ii) of the Income-tax Act, 1961 to the Research Institute of Ancient Scientific studies, New Delhi, by notification No. S. O. 605 (F. No. 10(20)/65-ITA.I with effect from 15th February, 1965, is withdrawn with effect from 25th May, 1980 on the recommendation of the prescribed authority, the Secretary, Department of Science & Technology, New Delhi.

[No. 3596/F. No. 203/197/80-ITA II]

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1980

का० आ० 3264.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली में निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम, 1962 के नियम 6(ii) के साथ पठित, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में “वैज्ञानिक अनुसंधान संगम” प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

- (1) यह कि न्यास, चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का हिमाव पृथक् रूप से होगा।
- (2) यह कि उक्त न्यास प्रत्येक वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की वार्षिक विवरणी परिषद् को प्रति वर्ष 31 मई तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिक्थित किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं।
- (3) यह कि उक्त न्यास प्रत्येक वर्ष के लिए लेखाओं का वार्षिक संपरीक्षित विवरण परिषद् को प्रति वर्ष 31 मई तक भेजेगा और इसके अतिरिक्त इसकी एक प्रति सम्बद्ध आयकर आयुक्त को भेजेगा।

संस्था

“वैज्ञानिक अनुसंधान संगम”

इंस्टीट्यूट आफ स्पीच एण्ड हियरिंग, बंगलूर

यह अधिसूचना 18-6-1980 से 17-6-1983 तक 3 वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं० 3597/का० सं० 203/198/80-आई० टी० ए०-II]

New Delhi, the 24th July, 1980

S.O. 3264.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6(ii) of the Income-tax Rules, 1962 under the category of “scientific research association” in the field of Medical Research subject to the following conditions :—

- (i) That the trust will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of Medical research.
- (ii) That the trust will furnish annual returns of its scientific research activities to the Council for each

year by 31st May each year at the latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.

- (iii) That the trust will furnish an annual audited statement of accounts to the Council for each year by 31st May, each year and in addition send a copy of it to the concerned Income-tax Commissioner.

INSTITUTION

(SCIENTIFIC RESEARCH ASSOCIATION)

INSTITUTE OF SPEECH AND HEARING, BANGALORE.

The notification is effective for a period of 3 years from 18-6-1980 to 17-6-1983.

[No. 3597/F. No. 203/296/80-ITA-II]

का० प्रा० 3265.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ने निम्नलिखित वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रम को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (2क) के प्रयोजनों के लिए नीचे विनिर्दिष्ट भवधि के लिए अनुमोदित किया है।

- | | |
|--------------------------------|---|
| 1. वैज्ञानिक अनुसंधान परियोजना | विकास आर्थिक साध्र मिश्रण जिसमें घेरी के पशुओं के लिए अन्य रूप में बड़े खाद्य संघटकों का प्रयोग किया जाएगा। |
| 2. प्रायोजक: | हिन्दुस्तान लीवर लिमिटेड |
| 3. प्रायोजन-स्थल | आंध्र प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद। |
| 4. अनुसंधान परियोजना की अवधि | 1-6-1980 से तीन वर्ष |
| 5. प्रोक्तित व्यय | 75,800 रु० |

2. आंध्र प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद, अधिसूचना सं० 878 [फा० सं० 203/39/75-आई०टी०ए II] तारीख 18 अप्रैल, 1975 द्वारा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) (ii) के अधीन अनुमोदित है।

[सं० 3598/फा० सं० 203/143/80-आई०टी०ए II]

S.O. 3265:—It is hereby notified for general information that the following scientific research programme has been approved for the period specified below for the purposes of sub-section (2A) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 by the Indian Council of Agricultural Research, New Delhi.

Scientific Research Project : Development Economic Concentrate Mixtures using exclusively unconventional food ingredients for dairy cattle.

- | | |
|-----------------------------------|--|
| 2. Sponsored (a) by : | Hindustan Lever Limited. |
| 3. Sponsored (b) at : | Andhra Pradesh Agricultural University, Hyderabad. |
| 4. Duration of research Project : | 3 years with effect from 1.6.1980 |
| 5. Estimated Expenditure : | Rs. 75,800 |

2. Andhra Pradesh Agricultural University, Hyderabad, stands approved under section 35(1)(ii) of the Income-tax Act, 1961 by Notification No. 878 (F.No. 203/39/75-ITA-II) dated 18th April, 1975.

[No. 3598/F. No. 203/143/80-ITA-II]

का० प्रा० 3266.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए सूचित किया जाता है कि विश्व, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रम को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा 2(क) के प्रयोजनों के लिए नीचे विनिर्दिष्ट भवधि के लिए अनुमोदित किया है।

- | | |
|-------------------------------------|--|
| वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रम का नाम | सौर ऊर्जा का उपयोग करने वाले विद्युत शक्तिजनिक का विकास। |
| प्रयोजक | मैसर्स अमानी प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई। |
| कार्यान्वित करने वाली प्रयोगशाला | मैसर्स हैदराबाद साइंस सोसाइटी, हैदराबाद। |
| प्रारम्भ करने की प्रस्तावित तारीख | जून, 1980 |
| पूरा करने की संभावित तारीख | फरवरी, 1982 |
| प्रोक्तित व्यय | 2,50,000 रुपये |

2. हैदराबाद साइंस सोसाइटी, हैदराबाद, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) (ii) के अधीन अनुमोदित है, देखिए वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 2933 (फा० सं० 203/38/79-आई०टी०ए II) तारीख 16-7-79।

[सं० 3599/फा० सं० 203/194/80-आई०टी०ए II]

S.O. 3266:—It is hereby notified for general information that the following scientific research programme has been approved for the period specified below for the purposes of sub-section (2A) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6(iv) of the Income-tax Rules, 1962 by the Secretary, Department of Science & Technology, New Delhi.

Name of the Scientific research programme : Development of Electrical arch generator using Solar Energy.

Name of the Sponsorer : M/s. Amandi Pvt. Ltd., Bombay
Implementing Laboratory : M/s. Hyderabad Science Society, Hyderabad.

Proposed date of commencement : June, 1980

likely date of completion : February, 1982.

Estimated outlay : Rs. 2,50,000

2. The Hyderabad Science Society, Hyderabad stands approved u/s. 35(1)(ii) of Income-tax Act, 1961 vide Ministry of Finance (Deptt. of Revenue) Notification No. 2933 (F. No. 203/38/79-ITA. II) dated 16.7.79.

[No. 3599/F.No. 203/194/80-ITA-II]

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1980

का० प्रा० 3267.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विज्ञान प्रविधारी, भवार्थ, सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम, 1962 के नियम 6(4) के साथ पठित, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए अथवा प्राकृतिक या अनुप्रयुक्त विज्ञान के क्षेत्र में "संस्था" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित धर्ती पर अनुमोदित किया है, अर्थात्:—

- (1) यह कि विकास अनुसंधान में प्रादेशिक पारिस्थितिक और विकास सम्बन्धन केन्द्र, कलकत्ता कृषि/वन्यजीव/मात्स्यिकी और जीवविज्ञान से निम्न प्राकृतिक और अनुप्रयुक्त विज्ञानों के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का हिसाब पुस्तक से रखेगा।

- (2) यह कि उक्त केन्द्र प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की एक वार्षिक विवरणी विहित प्राधिकारी को प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्रारूपों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकृत किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं।

- (3) यह कि उक्त केन्द्र आयकर प्रायुक्त, कलकत्ता को प्रति वर्ष वार्षिक विवरणी और लेखाओं का विवरण भेजेगा।

संस्था

विकास अनुकूली में प्रादेशिक पारिस्थितिक और विज्ञान अध्ययन केन्द्र, कलकत्ता।

यह अधिसूचना 15-7-80 से 14-7-83 तक की तीन वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं० 3637/फा०सं० 203/183/80-आई० टी० ए०-II]

New Delhi, the 25th August, 1980

S.O. 3267.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Secy. Department of Science & Tech. New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (I) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6(vi) of the Income-tax Rules 1962 under the category "Institution" in the area of other natural or applied sciences, subject to the following conditions :—

- That Centre for Regional Ecological and Science Studies in Development Alternatives Calcutta will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of natural and applied sciences other than Agriculture/animal husbandry/fisheries and medicines.
- That the said Centre will furnish Annual Return of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- That the said centre will submit Annual Return and Statement of accounts to the Commissioner of Income-tax, Calcutta for every year.

INSTITUTION

Centre for Regional Ecological and Science Studies in Development Alternatives, Calcutta.

This notification is effective for a period of 3 years from 15th July, 1980 to 14th July, 1983.

[No. 3637/F. No. 203/183/80-ITA-II]

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1980

का० भा० 3268—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ने निम्नलिखित वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रम को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (2-क) के प्रयोजनों के लिए नीचे निर्दिष्ट अवधि के लिए अनुमोदित किया है।

- वैज्ञानिक अनुसंधान परियोजना। नीची हरी काई में नाइट्रोजन स्थिरीकरण का आनुवंशिक विज्ञान और फील्ड के जीव उर्वरक के रूप में उसका उपयोग।
- प्रायोजक। हिन्दुस्तान लीवर लिमिटेड, नई दिल्ली।
- प्रायोजन-स्थल। मडुरई कामराज विश्वविद्यालय, मडुरई।
- अनुसंधान परियोजना की अवधि। 1-8-1980 से 3 वर्ष तक।
- प्राकृतिक व्यय। 1,36,400 रु०।

2. मडुरई कामराज विश्वविद्यालय, मडुरई अधिसूचना सं० 337 [फा०सं० 203/12/74-आई० टी० ए० II] तारीख 11-2-1975 द्वारा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(i) (ii) के अधीन अनुमोदित है।

[सं० 3651/फा०सं० 203/167/80-आई० टी० ए०-II]

New Delhi, the 8th September, 1980

S.O. 3268.—It is hereby notified for general information that the following Scientific research programme has been approved for the period specified below for the purposes of sub-section 2A of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 by the Indian Council of Agricultural Research, New Delhi

Scientific research Project. Genetics of Nitrogen fixation in blue green algae and their use as biofertilizer to the field.

- Sponsored (a) by : Hindustan Lever Ltd New Delhi.
- Sponsored (b) at : Madurai Kamraj University, Madurai.
- Duration of Research Project 3 years with effect from 1-8-1980.
- Estimated expenditure. Rs. 1,36,400.

2. Madurai Kamraj University Madurai stands approved under section 35(I)(ii) of the Income-tax Act, 1961 vide notification No. 837/F.No. 203/12/74-ITA-II dated 11-2-1975.

[No. 3651/F. No. 203/167/80-ITA-II]

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1980

का० भा० 3269.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम, 1962 के नियम 6(vi) के साथ पठित, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए अल्प प्राकृतिक या अनुप्रयुक्त विज्ञान के क्षेत्र में "विश्वविद्यालय" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

- यह कि जवाहर लाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हैदराबाद प्राकृतिक या अनुप्रयुक्त (कृषि/पशुपालन/मात्स्यिकी) और प्रौद्योगिकी विभाग के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का हिसाब पृथक् रूप से रखेगा।
- यह कि उक्त विश्वविद्यालय प्रत्येक वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की वार्षिक विवरणी विहित प्राधिकारी को प्रतिवर्ष 30 अप्रैल, तक ऐसे प्रारूपों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकृत किए जाएं और उसे सूचित किया जाए।
- यह कि उक्त विश्वविद्यालय वार्षिक विवरणी और लेखाओं का वार्षिक विवरण प्रति वर्ष आयकर प्रायुक्त को भेजेगा।

संस्था

जवाहर लाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हैदराबाद

यह अधिसूचना 28-6-80 से 27-6-1983 तक 3 वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं० 3658/फा०सं० 203/180/80-आई० टी० ए०-II]

हरिनारायण, भवर सचिव

New Delhi, the 17th September, 1980

S.O. 3269.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Secretary, Department of Science & Technology, New Delhi, the prescribed authority for the purpose of clause (ii) of sub-section (I) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, read with Rule 6(vi) of the Income-tax Rules, 1962 under the category "University" in the area of other natural or applied sciences, subject to the following conditions :—

- That the Jawaharlal Nehru Technological University, Hyderabad will maintain a separate account of the

sums received by it for scientific research in the field of natural or applied sciences (other than agriculture/animal/fisheries and medicines).

2. That the said University will furnish the annual return of its scientific research activities to the prescribed authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April, each year.
3. That the said University will submit the annual return and statement of accounts to the Commissioner of Income-tax every year.

INSTITUTION

Jawaharlal Nehru Technological University, Hyderabad.

This notification is effective for a period of 3 years from

28-6-1980 to 27-6-1983

[No. 3658/F. No. 203/180/80-ITA-II]

HARI NARAIN, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1980

का० प्रा० 3270--आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (41) के उप-खंड (iii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री रामचरण को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना, श्री रामचरण द्वारा कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 3666 (फा०सं० 398/26/80-आ०का०सं०क०)]

New Delhi, the 18th September, 1980

S.O. 3270.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri Ram Charan being a gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Ram Charan takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 3666/F. No. 398/26/80-ITCC II]

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1980

का० प्रा० 3271--आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उप-खंड (iii) का अनुसरण करते हुए तथा भारत सरकार के राजस्व विभाग की 12 सितम्बर, 1978 की अधिसूचना सं० 2607 (फा०सं० 404/101/78-आ०का०सं०क०) का अधिलेखन करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री बलराज चौपड़ा को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री बलराज चौपड़ा द्वारा कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 3697 (फा०सं० 398/3/80-आ०का०सं०क०)]

New Delhi, the 14th October, 1980

S.O. 3271.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), & in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 2607 (F. No. 404/101/78-ITCC) dated 12-12-78, Central Government hereby au-

thorises Shri Balraj Chopra, being a gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Balraj Chopra takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 3697/F. No. 398/3/80-ITCC]

का० प्रा० 3272--आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उप-खंड (iii) का अनुसरण करते हुए तथा भारत सरकार के राजस्व विभाग की 12 जनवरी, 1979 की अधिसूचना सं० 2661 (फा० सं० 404/3/79-आ०का०सं०क०) का अधिलेखन करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री दर्शन कुमार को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री दर्शन कुमार द्वारा कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 3699/फा०सं० 398/3/80-आ०का०सं०क०]

S.O. 3272.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and the supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 2661 (F. No. 404/3/79-ITCC) dated 12-1-79, the Central Government hereby authorises Shri Darshan Kumar, being a gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer, under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Darshan Kumar takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 3699/F. No. 398/3/80-ITCC]

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर, 1980

का० प्रा० 3273--आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उप-खंड (iii) का अनुसरण करते हुए तथा भारत सरकार के राजस्व विभाग की 13 सितम्बर, 1978 की अधिसूचना सं० 2499 (फा०सं० 404/89/78-आ०का०सं०क०) का अधिलेखन करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री एस० खुसर को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना, श्री एस० खुसर द्वारा कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 3707 (फा०सं० 398/28/80-आ०का०सं०क०)]

New Delhi, the 16th October, 1980

S.O. 3273.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 2499 (F. No. 404/89/78 ITCC) dated 13-9-78 the Central Government hereby authorises Shri S. Khusr, being a gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri S. Khusr takes over charge as Tax-Recovery Officer.

[No. 3707/F. No. 398/28/80-ITCC]

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर, 1980

का० प्रा० 3274--आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उप-खंड (iii) का अनुसरण करते हुए तथा भारत सरकार के राजस्व विभाग की 30 जून, 1979 की अधिसूचना सं० 2908 (फा०सं० 404/73/क०व०प्र०-नृजरात/79-आ०

क.सं.क०) का अधिनियम करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री एम० डी० सोयान्तर की, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री एस० डी० सोयान्तर द्वारा कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 3709/क.सं० 398/1/80-आ.क.सं.क०]

New Delhi, the 23rd October, 1980

S.O. 3274.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 2908 (F. No. 404/73 (TRO-Guj)/79-ITCC) dated 30-6-79, the Central Government hereby authorises Shri M. D. Soyantar, being a gazetted officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri M. D. Soyantar takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 3709/F. No. 398/1/80-ITCC]

नई दिल्ली, 3 नवम्बर, 1980

क्र० आ० 3275. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उप-खंड (III) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री जे० आर० जैन को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री जे० आर० जैन द्वारा कर वसूली अधिकारी के पद में कार्यभार संभालने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 3716/क.सं० 398/3/80-आ.क.सं.क०]

New Delhi, the 3rd November, 1980

S.O. 3275.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri J. R. JAIN being a gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri J. R. JAIN takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 3716/F. No. 398/3/80-ITCC]

क्र० आ० 3276.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उप-खंड (III) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार के राजपत्रित विभाग की दिनांक 13-8-1979 की अधिसूचना सं० 2969[409/3 (क.सं.सं० दिल्ली)/79-आ.क.सं.क०] में निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात् उक्त अधिसूचना में "श्री पी०पी० भटनगर-II और श्री एस०एल० कुबा" शब्दों और अक्षरों के स्थान पर "श्री पी०पी० भटनगर-II" शब्द और अक्षर प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[सं० 3716/क.सं० 398/3/80-आ.क.सं.क०]

एच० वेंकटरामन, उप-सचिव

S.O. 3276.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the

Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 2969(404)/3(FRQ-DLI)/79-ITCC, dated 13-8-79 namely: in the said notification for the words and letters "S/Shri P. P. Bhatnagar-II and S. L. Kuba" the words and letters "Shri P. P. Bhatnagar-II" shall be substituted.

[No. 3716/F. No. 398/3/80-ITCC]

H. VENKATARAMAN, Dy. Secy.

(आयकर)

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 1980

क्र० आ० 3277.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80-छ की उपधारा 2(ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "कन्ननूर श्री थोदाकुक्किन दैवस्थान, बालेपुनी ग्राम, दक्षिण कन्नड़ जिला" को, उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए कर्नाटक में सर्वत्र विख्यात लोक पूजा का स्थान अधिसूचित करती है।

[सं० 3694/क.सं० 176/47/80-आ.क.सं.क० (ग1)]

बी० डी० श्रीनिवासन, उप-सचिव

New Delhi, the 9th October, 1980

S.O. 3277.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2)(b) of Section 80-G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Kannanthur Sri Thodakukkin Daiwasthana, Balepuni Village, Dakshina Kannada District" to be a place of public worship of renown throughout the State of Karnataka for the purposes of the said section.

[No. 3694/F. No. 176/47/80-IT(AD)]

V. B. SRINIVASAN, Deputy Secy.

(आयकर विभाग)

(वित्त विभाग)

नई दिल्ली, 3 नवम्बर, 1980

क्र० आ० 3278.—राष्ट्रियकृत बैंक (प्रबंध और विविध उपबन्ध) योजना, 1970 के खंड 3 के उप-खंड (ग) के अनुसरण में रिजर्व बैंक के परामर्श से केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री जी० सी० कठरानी, प्रबंधक, आश्रम रोड शाखा, बैंक आफ इंडिया, अहमदाबाद, गुजरात को श्री सी० एस० दीवे के स्थान पर 2 नवम्बर, 1980 से आरम्भ तथा 2 नवम्बर, 1983 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए बैंक आफ इंडिया के निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० 9(26)/80-बी०प्रो०-1]

क० आ० मोरचंदानी, उप-सचिव

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 3rd November, 1980

S.O. 3278.—In pursuance of sub-clause (c) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank, hereby appoints Shri G. C. Kathrani, Manager, Ashram Road Branch, Bank of India, Ahmedabad (Gujarat) as a Director of Bank of India for the period commencing on 3rd November, 1980 and ending with 2nd November, 1983, vice Shri C. S. Digha.

[No. F. 9/26/80-BOI.]

C. W. MIRCHANDANI, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 1980

क्र.सं. 3279.—अध्यक्षीय औद्योगिक विकास बैंक अधिनियम, 1964 (1964 का 18) की धारा 6 की उपधारा (1) के खंड (घ) के उपखंड (ii) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री टी. तिवारी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, भारतीय पुनर्निर्माण निगम को एवं एतद्वारा श्री. रमण को स्थान पर तत्काल भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. एक. 10(82)/आई.एन.डी.]

New Delhi, the 5th November, 1980

S.O. 3279.—In pursuance of sub-clause (ii) of clause (c) of sub-section (1) of Section 6 of the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964) the Central Government hereby nominates Shri T. Tiwari, Chairman and Managing Director, Industrial Reconstruction Corporation of India as a director of the Industrial Development Bank of India with immediate effect vice Shri R. V. Raman.

[No. F. 10(83)IF. I/80]

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 1980

क्र.सं. 3280.—भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अधिनियम, 1964 (1964 का 18) की धारा 6 की उपधारा (1) के खंड (ग) के उपखंड (i) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री एस. एम. घोष, सचिव, औद्योगिक विकास विभाग को श्री एस. एम. मराठे के स्थान पर तत्काल भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के निदेशक के रूप में नामित करती है।

विनोद डाल, [सं. एक. 10(109)आई.एन.डी./80]

निदेशक, (औद्योगिक वित्त)

New Delhi, the 11th November, 1980

S.O. 3280.—In pursuance of sub-clause (i) of clause (c) of sub-section (1) of Section 6 of the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964), the Central Government hereby nominates Shri S. M. Ghosh, Secretary, Department of Industrial Development as a director of the Industrial Development Bank of India with immediate effect vice Shri S. S. Marathe.

[No. F. 10(109)IF. I/80]

VINOD DHALL, Director (Industrial Finance)

वणिज्य संवर्धन

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर, 1980

क्र.सं. 3281.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में निम्नलिखित कार्यालयों को, निम्नलिखित कर्मचारीमण्डल ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है—

1. मूल रसायन, भेषजीय तथा सौंदर्य प्रसाधन निर्यात संवर्धन परिषद, बम्बई।
2. रसायनिक पदार्थ तथा संश्लेष उत्पाद निर्यात संवर्धन परिषद (उत्तरी क्षेत्र), नई दिल्ली।
3. निर्यात संवर्धन के संयुक्त संचालक का कार्यालय, बम्बई।
4. रसायनिक पदार्थ तथा संश्लेष उत्पाद निर्यात परिषद, लखनऊ।
5. वि. स्टेट ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन लि., बॉम्बे लि., नई दिल्ली।
6. संयुक्त मुख्य निर्यात, आयात-निर्यात का कार्यालय (केन्द्रीय साहससिग लक्ष), नई दिल्ली।
7. उपनिदेशक (निर्यात संवर्धन) का कार्यालय, एर्नाकुलम।

8. हि. हिन्दी-इंग्लिश क्लब, इंग्लिश-हिन्दी एकादशों का अधीक्षण माफ हाउस) लि., नई दिल्ली।

[क्र.सं. ई-11011/12/76-हिन्दी]

जोगिन्दर सिंह, निदेशक

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 16th October, 1980

S.O. 3281.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the Official Languages (Use for official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following offices, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi:—

1. Basic Chemicals, Pharmaceuticals and Cosmetics Export Promotion Council, Bombay.
2. Chemicals and Allied Products Export Promotion Council, (Northern Region), New Delhi.
3. Office of the Joint Director (Export Promotion), Bombay.
4. Chemicals and Allied Products Export Promotion Council, Calcutta.
5. The State Trading Corporation of India Ltd., New Delhi.
6. Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports (C.L.A.), New Delhi.
7. Office of the Deputy Director (Export Promotion), Ernakulam.
8. The Handicrafts and Handlooms Exports Corporation of India Ltd., New Delhi.

[F. No. E-11011/12/76-Hindi]

JOGINDER SINGH, Director

मुख्य निदेशक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आदेश

नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 1980

क्र.सं. 3282.—संश्लेषी हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लि., नासिक संभाग, फ़ोर्जर दाउनशिप-यो. आ., जिसमें नासिक को स्वतन्त्र विदेशी मुद्रा के अन्तर्गत कोन्सर्न कन्ट्रोल आर्डि के साथ एक होरीजेंटल मशीनिंग सेंटर मशीन माहल के दो एम 1500 का आयात करने के लिए 32,62,000 रूपए (बत्तीस लाख बासठ हजार रूपए मात्र) के लिए एक आयात लाइसेंस सं. आईसी/जीसी/2034281/सी/एक्सएक्स/70/एच/78/सी जी-2/एच. एस. दिनांक 22-1-1979 को जारी किया गया था। पार्टी ने उक्त लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की अनुमति प्रति न लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि लाइसेंस की मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति को गई अथवा अस्थानस्थ हो गई है। आगे यह भी बताया गया है कि लाइसेंस बम्बई पत्तन के प्राधिकारी के पास पंजीकृत किया गया था और यह अभी तक उपयोग में नहीं लाया गया है।

2. अपने तर्क के समर्थन में लाइसेंसधारी ने कार्यकारी मैजिस्ट्रेट, नासिक के समक्ष विधिबद्ध शपथ लेते हुए स्टाम्प कागज पर एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। तबनुसार, मैं संतुष्ट हूँ कि आयात लाइसेंस सं. आईसी/जी/2034281/सी/एक्सएक्स/70/एच/78/सी जी-2/एच. एस. दिनांक 22-1-79 की मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति पार्टी द्वारा की गई अथवा अस्थानस्थ हो गई है। यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की उप-धारा 9 (सी सी) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए संश्लेषी हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लि. के नाम में जारी किए गए आयात लाइसेंस सं. आईसी जी/2034281, दिनांक 22-1-79 की उक्त मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति एतद्वारा रद्द की जाती है।

3. उक्त लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की एक प्रतिलिपि प्रति पार्टी को अलग से जारी की जा रही है।

[सं. सी. जी. 2/डीईएफ/एच.ए.ए.एल/33/78-79/932]

जी. एस. ग्रेवाल,

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

कुल मध्य निवेशक, आयात-निर्यात

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

New Delhi, the 12th November, 1980

3.O. 3282.—M/s. Hindustan Aeronautics Ltd, Nasik Division, Ojhar Township, P.O., District Nasik were granted an import licence No. I/CG/2034281/C/XX/70/H/78/CGII/LS dated 22nd January, 1979 for Rs. 32,62,000 (Rupees Thirty two lakhs and sixty two thousand only) for import of One Horizontal Machining Centre Machine Model KTM 1500 with Kongsberg Control etc. under free foreign exchange. The firm has applied for issue of Duplicate Copy of Exchange Control

Purposes copy of the above mentioned licence on the ground that the original Exchange Control Purposes copy of the licence has been lost or misplaced. It has further been stated that the licence was registered with Bombay Customs Authority and that it has not been utilized so far.

2. In support of their contention, the licensee has filed an affidavit on stamped paper duly sworn in before Executive Magistrate, Nasik. I am accordingly satisfied that the original Exchange Control Purposes copy of the import licence No. I/CG/2034281/C/XX/70/H/78/CGII/LS dated 22nd January, 1979 has been lost or misplaced by the firm. In exercise of the powers conferred under sub-clause 9(cc) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7th December, 1955 as amended the said original Exchange Control Purposes a copy of the import licence No. I/CG/2034281 dated 22nd January, 1979 issued to M/s. Hindustan Aeronautics Ltd. is hereby cancelled.

3. A duplicate Exchange Control Purposes copy of the said licence is being issued to the party separately.

[No. CGII/DEF/HAL/33/78-79/932]

G. S. GREWAL, Dy. Chief Controller
of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports

नागरिक प्रति मंत्रालय

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 1980-10-30

क्र० आ० 3283—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विभाग) विनियम 1955 के विनियम 4 के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि उक्त विनियम (3) के उपविनियम (1) के अनुसार प्राप्त अधिकारों के अधीन यहाँ अनुसूची में दिए भारतीय मानकों के संशोधन जारी किए गए हैं :

		अनुसूची			
क्रम संख्या	संशोधित भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	जिस राजपत्र में भारतीय मानक के तैयार होने की सूचना छपी थी उसकी संख्या और तिथि	संशोधित मानक की संख्या और दिनांक	संशोधन का संक्षिप्त विवरण	संशोधन होने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	IS: 325-1970 तीन फेज प्रेरण मोटर की विशिष्टि (तीमरा पुनरीक्षण)	एसओ 1107 दिनांक 1971-03-20	नं० 6 दिसम्बर 1976	(संशोधन सं० 4 जून 1975 और सं० 5 जनवरी 1976) इन संशोधनों को रद्द कीजिए।	1976-12-31
2.	IS: 580-1973 हाथेस बमटे की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एसओ 1750 दिनांक 1976-06-07	सं० 1 मई 1977	[पृष्ठ 5, सारणी 2 क्रम सं० (III) खाना 4] एलसी: 5 के स्थान पर एलसी: 6 कीजिए।	1977-05-31
3.	IS: 900-1965 प्रेरण मोटरों के संस्थापन और रखरखाव की रीति संहिता (पुनरीक्षण)	एसओ 664 दिनांक 1966-03-05	सं० 2 अगस्त 1977	खण्ड 11.2.1 के अधीन वर्तमान नोट के स्थान पर नया नोट दिया गया है।	1977-08-31
4.	IS: 933-1976 फेन वाले सुवाह्य रसायनिक अग्नि शामक की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	—	संख्या 1 मई 1977	(1) खंड 4.1, 4.4, 7.1.2, 7.7.2, 13.1, 13.2 और 13.3 के स्थान पर नए खण्ड दिए गए हैं। (2) खंड 4.2, 7.3, 7.4, 7.5, 7.7, 11.1, 1, 12.1, 12.2, 12.3.1, 1 और बी-1.1 का संशोधन किया गया है। (3) (पृ० 6 पाद टिप्पणी)—क चिह्नित पाद टिप्पणी हटा दीजिए। (4) शक्ति 1 के स्थान पर नई शक्ति दी गई है। (5) (पृ० 10 चिह्नित टिप्पणी) वर्तमान पाद टिप्पणी के स्थान पर निम्नलिखित कीजिए संशिलिष्ट हर्नेमल, बहिरंग	1977-05-31

*संशोधन संस्था प्रमाणन योजना के लिए वे संशोधन 1977-01-01 से लागू होंगे।

1	2	3	4	5	6
				(क) निम्नलिखित परम देने का (ख) फिनिश देने का (पहला पुनरीक्षण)	
				(6) खंड 4.1 के बाद एक टिप्पणी जोड़ी गई है।	
				(7) खंड 4.6 और 7.5 के बाद खंड 4.7 और 7.5.1 जोड़े गए हैं।	
				(8) पृ० 4 के अंत में टिप्पणी जोड़ी गई है।	
				(9) पृ० 8 खंड 7.5—अंत में निम्नलिखित वाक्य जोड़िए "प्लास्टिक कैप की कार्य-कारिता का 7.5.1 के अनुसार परीक्षण किया जाए।"	
				(10) खंड 15.1.1 के बाद खंड 16 जोड़ा गया है और खंड 15.1.1 के बाद परिशिष्ट ए और बी जोड़े गए हैं।	
5.	IS: 996-1964 एक कभी छोटे एसी—बिजली के मोटरों की विशिष्टि (पुनरीक्षण)	एसओ 469 दिनांक 1967-02-11	*संख्या 10 दिनांक 1976	(संशोधन सं० 8 जून 1975 और सं० 9 जनवरी 1976)—ये संशोधन रद्द कीजिए।	1976-12-31
6.	IS: 1231-1974 तीन फेजी पायों पर चढ़े प्रेरण मोटरों के माप (भीषरा पुनरीक्षण)	एसओ 3494 दिनांक 1976-10-02	*सं० 3 दिनांक 1976	(संशोधन सं० 1 मिनम्बर 1975 और सं० 2 जनवरी 1976) ये संशोधन रद्द कीजिए।	1976-12-31
7.	IS: 1294-1974 घरेलू कार्यों की सिलाई मशीन की बाबियों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एसओ 3494 दिनांक 1976-10-02	सं० 1 जून 1977	(पृ० 3, खंड ए-2.2 और ए-2.2.1)—वर्तमान खंड हटा दीजिए।	1977-06-30
8.	IS: 1724-1971 रेबेध तकूओ के लिए लकड़ी की ताने की बाबियों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एसओ 1549 दिनांक 1973-06-02	सं० 2 जुलाई 1977	(1) (पृ० 4 खंड 2 और 2.1)—हटा दीजिए और शेष की गिनती शीक कीजिए। (2) खंड 3.4.1 (नई संख्या 2.4.1) और 4.2 (नई संख्या 3.2) के स्थान पर नए खंड दिए गए हैं। (3) (पृ० 9 परिशिष्ट ए)—परिशिष्ट ए के अधीन वर्तमान संवर्ध 1 के स्थान पर निम्नलिखित कीजिए "(खण्ड 3.2, 3.3, 3.4 और 3.5) (4) (पृ० 9 खंड ए-1.1)—ए 1.1.1 और ए-1.1 को हटा दीजिए और क्रमांक ठीक कीजिए। (5) (पृ० 9 खंड ए-1.2, ए-1.2.1 और ए-1.2.2) हटा दीजिए।	1977-07-31
9.	IS: 1795-1974 जलवितरण कार्यों के लिए पिलर टोटियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एसओ 1597 दिनांक 1976-05-08	*सं० 2 जुलाई 1977	(1) (पृ० 14 खंड 6.7, पक्ति 4 और 5) "IS: 1385-1968" के ग्रेड PBZ3 या PBZ6 के स्थान पर IS: 7814-1975 के ग्रेड I, II, या III कर लीजिए। (2) (पृ० 14 तारांकित पादटिप्पणी)—वर्तमान पादटिप्पणी के स्थान पर निम्नलिखित कर लें। "कास्कर कोसा बहर पत्ती और पत्ती की विशिष्टि"	1977-08-31

1	2	3	4	5	6
10.	IS 2071 (भाग 1)—1974 उच्च एसपी 1596 बोल्डता परीक्षण की पद्धतियाँ भाग 1 सामान्य परिभाषाएँ और परीक्षण प्रक्रियाएँ (पहला पुनरीक्षण)	सं० 1 दिनांक 1978-05-08 जुलाई 1977		(1) खंड 3.3.1, 3.3.2, 3.5.3, ए-2 1. बी-1.1 और बी-1.2 संशोधित किए गए हैं। (2) (पृ० 9, आकृति 1ए और 1बी शीर्षक)— दोनों आकृतियों के शीर्षक बदल कर निम्न- लिखित कर लें। “1ए टोटी टाइप I” “1बी टोटी टाइप II” (3) आकृति 1सी के स्थान पर नई आकृति दी गई है। (4) (पृ० 10 आकृति 1 डी)—हटा बीजिए (5) आकृति 1 की वर्तमान सारणी के स्थान पर नई सारणी दी गई है। (6) सारणी 1 और 2 में संशोधन किया गया है। (7) (पृ० 12 आकृति 2ए शीर्षक)—वर्तमान शीर्षक के स्थान पर निम्नलिखित कर लें। नोट—संशोधन 20 से० पर किए जाने पर प्रत्येक प्रति मिटर में व्यक्त की जाती है। (8) आकृति 2बी और 5 में संशोधन किया गया है। (9) खंड 3.5.3 में दिए समीकरण के स्थान पर नया समीकरण दिया गया है। (10) सारणी 3, 4, और 5 में संशोधन किया गया है। (11) खंड बी-1.3 के नोट के स्थान पर नया खंड दिया गया है। (12) (पृ० 26 पंक्ति 2)—सारणी 5 के स्थान पर सारणी 4 कर लें। (13) पृ० 27 पंक्ति 3 और समीकरण में “R _s . 20” के स्थान पर PS 20 कर लें। (14) पृ० 27 बी (एक्स) की व्याख्या पंक्ति (O < X < L) के स्थान पर (O < X < L) कर लें। (15) खंड 2.14 के बाद खंड 2.14 जोड़ा गया है। (16) खंड 3.2.2 के बाद नोट जोड़ा गया है। (17) आकृति 2बी के बाद आकृति जोड़ी गई है। (18) (पृ० 15, खंड 3.4.4.1)—इस खंड के प्रारम्भ में यह वाक्य जोड़ लें— “परीक्षण वस्तु को एक विशेष बीम्बर में रखा जाता है जिसको ममकीन कोहरे से भर दिया जाता है। कोहरे बनाने की एक पद्धति परिशिष्ट “ए” में दी गई है। (19) (पृ० 21 परिशिष्ट ए खंड संवर्ध)—खंड “3.4.2.1” के बाद खंड 3.4.4.1 का संवर्ध जोड़ दें।	1977-07-31

1	2	3	4	5	6
				(20) (पृ० 21 खंड ए-2.1 तीसरा पैरा)— अंत में निम्नलिखित वाक्य जोड़ें— “सभी स्त्री टोटियों में कुल बहाव में छूट सांकेतिक मान का ± 5 प्रतिशत है।”	
11. IS : 2113-1972 रजत और रजतमिश्र	एसओ 751	सं० 1	(पृ० 7 खंड 5.4.1)—हटा वे और वाद के	1977-07-31	
में रजत की मात्रा की परख पद्धति	दिनांक 1974-03-16	जुलाई 1977	खंडों की ख्याती कर दें।		
(पहला पुनरीक्षण)					
12. IS : 2191 (भाग 1)-1973 लकड़ी	एसओ 3069	सं० 1	(1) खंड 5.1.5, 6.5 और 9.3.1 का		
के समतल किवाड़ (खानेवार प्रयुक्त	दिनांक 1975-09-13	फरवरी 1977	संशोधन किया गया है।		
खोखले मध्य भाग वाले) की विशिष्ट			(2) खंड 6.3 के स्थान पर नया खंड दिया		
भाग 1 ऊपर प्लाईवुड के तख्ते वाले			गया है।		
(दूसरा पुनरीक्षण)			(3) (पृ० 11 खंड 6.6)—अंत में निम्नलिखित		
			जोड़ें :—		
			Lipping में जोड़ों की अनुमति नहीं होगी।		
13. IS : 2202 (भाग 1)-1973 लकड़ी	एसओ 4690	सं० 1	(1) खंड 5.1.5 और 6.1.1 का संशोधन	1977-02-28	
के समतल किवाड़ (ठोस मध्यभाग वाले)	दिनांक 1975-11-01	फरवरी 1977	किया गया है।		
की विशिष्ट भाग 1-ऊपर प्लाईवुड के			(2) (पृ० 12, खंड 6.6)—अंत में निम्न-		
तख्ते लगे (दूसरा पुनरीक्षण)			लिखित जोड़ें।		
			Lipping में जोड़ों की अनुमति नहीं है।		
14. IS : 2320-1963 आयात माहुलित	एसओ 2160	सं० 2	(1) (पृ० 6 खंड 2.3.1 दूसरा वाक्य) हटा	1977-08-31	
रेडियो आधुनिक जनित्र के लिए मापन	दिनांक 1963-08-03	अगस्त 1977	बीजिए।		
पद्धतियां (130 किगा/से से 30 मेगा/से)			(2) (पृ० 10 खंड 4.3 पंक्ति 2)—4.2 के		
			स्थान पर 4.1.1 कीजिए।		
			(3) खंड 10 के स्थान पर नया खंड दिया गया		
			है।		
			(4) (पृ० 16 खंड 11)—हटा बीजिए।		
			(5) (पृ० 12 खंड 12)—हटा बीजिए।		
15. IS : 2321-1963 सामान्य कार्य वाले	एसओ 2038	सं० 1	खंड 7.3 के स्थान पर नया खंड दिया गया है।	1977-08-31	
आयात माहुलित रेडियो आधुनिक	दिनांक 1963-07-20	अगस्त 1977			
जनित्र सम्बन्धी अपेक्षाएं (30 किगा/					
से से 30 मेगा/से)					
16. IS : 2556 (भाग 3)-1973 कांचाभ	एसओ 2557	सं० 2	[पृ० 10 सारणी 1 क्रम सभ्य (X) खाना 2]—“खून”	1977-05-31	
सेनीटरी साधन (कांचाभ बीनी के)	दिनांक 1975-08-09	मई 1977	शब्द हटा दीजिए।		
भाग 3 पांचवान वाले पैन सम्बन्धी					
विशिष्ट अपेक्षाएं					
(दूसरा पुनरीक्षण)					
17. IS : 2556 (भाग 4)-1972 कांचाभ		*सं० 1	(1) (खंड 2.3.2 और 2.3.7 के स्थान पर	1977-07-31	
सेनीटरी साधन (कांचाभ बीनी के)		जुलाई 1977	नए खंड दिए गए हैं।		
भाग 4 बॉथ बेसिन की विशिष्ट अपेक्षाएं			(2) (पृ० 4 ‘+’ अंकित पाठटिप्पणी कर		
(दूसरा पुनरीक्षण)			लीजिए।		
			“+जल वितरण कार्यों के लिए पिपर		
			टोटियां		
			(पहला पुनरीक्षण)		
18. IS : 2556 (भाग 6/अनुभाग 1)-	एसओ 2547	सं० 1	आकृति 1 और 2 के स्थान पर आकृतियां दो गई हैं।	1977-04-30	
1974 कांचाभ सेनीटरी साधन	दिनांक 1977-08-13	अप्रैल 1977			
(कांचाभ बीनी के) भाग 6 मूलदायी					
सम्बन्धी विशिष्ट अपेक्षाएं अनुभाग 1					
बाउलबुमा (दूसरा पुनरीक्षण)					

*नोट : भाषा संस्था प्रमाणन सुदूर योजना के लिए यह संशोधन 1977-01-01 से लागू होगा।

1	2	3	4	5	6
19.	IS : 2556 (भाग 6/अनुभाग 6)- 1974 कांचाभ सेनीटरी साधन (कांचाभ चीनी के) भाग 6 मूल- दानियों की विशिष्ट अपेक्षाएं अनुभाग 6 हाफ स्टाल मूलदानियों के लिए जल प्रसारण (दूसरा पुनरीक्षण)	एसओ 2547 दिनांक 1977-08-13 मार्च 1977	सं० 1	प्राकृति 1 के स्थान पर नई प्राकृति दी गई है।	1977-03-31
20.	IS : 2556 (भाग 8)-1973 कांचाभ सेनीटरी साधन (कांचाभ चीनी के) भाग 8 साइकल वाले निम्न प्रवाही डब्ल्यू.सी (दूसरा पुनरीक्षण)	एसओ 2557 दिनांक 1975-08-09 मई 1977	सं० 2	(पृ० 4 खंड 2.3)--खंड के अंत में निम्नलिखित जोड़ लीजिए। "स्त्राव दर परीक्षण" लागू नहीं होगा।	1977-05-31
21.	IS : 2556 (भाग II)-1972 कांचाभ सेनीटरी साधन (कांचाभ चीनी के) भाग II शॉवर नोज सम्बन्धी विशिष्ट अपेक्षाएं	— मई 1977	सं० 1	(1) (पृ० 4 खंड 2.2.3 और 2.2.4)-- खंड हटा दीजिए और अगले खंड की संख्या 2.2.3 कर लीजिए। (2) (पृ० 4 खंड 2.2.5 नई संख्या 2.2.3) —नये खंड हटा दीजिए और अगले खंडों की गिनती ठीक कर लीजिए।	1977-05-31
22.	IS : 2720 (भाग II)-1971 मृत्ति- काष्ठों की परीक्षण पद्धतियां भाग II छिद्र जल दाब के माप किए बिना अनपवाहित त्रिपक्षी संपीड़न के अधीन परीक्षण किए गए नमूने की कर्तन सामर्थ्य ज्ञात करना	एसओ 398 दिनांक 1972-02-05 अगस्त 1977	सं० 1	(1) खंड 5.1.1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है। (2) खंड 5.1.1.2 के वर्तमान सूत्र के स्थान पर नया सूत्र दिया गया है।	1977-08-31
23.	IS : 2950 (भाग I)-1973 रैफ्ट सोव की डिजाइन और निर्माण की रीति संहिता भाग 1 डिजाइन (पहला पुनरीक्षण)	एसओ 2557 दिनांक 1975-08-09 मई 1977	सं० 1	(पृ० 8, खंड 4.6.2 पैरि 1)--"बीम" की जगह "लीन" कर लीजिए।	1977-05-31
24.	IS : 2994-1965 विद्युत स्टेव की विशिष्ट	एसओ 3059 दिनांक 1965-10-02 जुलाई 1977	सं० 1	(1) खंड 6.2 (ए) और 10.3.4 में संशो- धन किया गया है। (2) खंड 10.3.1 और 10.3.5.2 के स्थान पर नए खंड दिए गए हैं।	1977-07-31
25.	IS : 3347 (भाग 1/अनुभाग 2)-- 1967 ट्रांसफार्मर की पोर्सलेन बुश- बंदियों के माप भाग I; 1.1 किवो तक बुशबंदी अनुभाग 2 धातु के पुर्जों	एसओ 287 दिनांक 1968-01-20 अप्रैल 1977	सं० 1	(1) खंड 2.1 के नीचे एक नोट जोड़ा गया है। (2) पृ० 5 पर वर्तमान पाद टिप्पणी के बाद एक पाद टिप्पणी जोड़ी गई है। (3) खंड 2.2 का संशोधन किया गया है।	1977-04-30
26.	IS : 3347 (भाग 2/अनुभाग 2)- 1967 ट्रांसफार्मर की पोर्सलेन बुश- बंदियों के माप भाग 2; 3.6 किवो बुशबंदियां अनुभाग 2 धातु के पुर्जों	एसओ 287 दिनांक 1968-01-20 अप्रैल 1977	सं० 1	(1) खंड 2.1 के नीचे एक नोट जोड़ा गया है। (2) पृ० 5 पर वर्तमान पाद टिप्पणी के बाद एक पाद टिप्पणी जोड़ी गई है। (3) खंड 2.2 का संशोधन किया गया है।	1977-04-30
27.	IS : 3347 (भाग 4/अनुभाग 2)- 1967 ट्रांसफार्मर की पोर्सलेन बुश- बंदियों के माप भाग 4, 24 किवो बुश बंदियों अनुभाग 2 धातु के पुर्जों	एसओ 2766 दिनांक 1968-08-10 मई 1977	सं० 2	(1) खंड 2.1 के नीचे एक नोट जोड़ा गया है। (2) पृ० 5 पर वर्तमान पाद टिप्पणी के बाद एक पाद टिप्पणी जोड़ी गई है। (3) खंड 2.2 का संशोधन किया गया है।	1977-05-31
28.	IS : 3514-1966 बिजली के कॉफी परकोलेटर (बिना रेग्युलेटर वाले) की विशिष्ट	एसओ 1241 दिनांक 1967-01-21 जून 1977	सं० 3	खंड 3.3, 10.3.1 और 10.3.9 के स्थान पर नये खंड दिए गए हैं।	1977-06-30
29.	IS : 4055-1966 मक्का तेल की विशिष्ट	एसओ 3673 दिनांक 1967-10-14 जन 1977	सं० 2	[पृ० 5, सारणी 1 क्रसं (6) खाता 3 और 4]—दोनों खातों में 110 से 128 के स्थान पर "103 से 128" कर लीजिए।	1977-06-30

1	2	3	4	5	6
30.	IS : 4060-1967 स्वचल बाहनों एसमो 2654 विशालूचकों के प्लैशरी की विशिष्टि दिनांक 1967-08-05	सं० 3 जुलाई 1977	(1) खंड 5.1.5 के स्थान पर नया खंड दिया गया है। (2) खंड 2.4 और 5.2 के बाद क्रमशः खंड 2.5 और 5.3 दिए गए हैं।	1977-07-31	
31.	IS : 4467-1967 कैरामेल की विशिष्टि एसमो 1720 दिनांक 1968-05-18	सं० 1 मई 1977	(1) (पृ० 5, खंड 2.3.1) -- 2.3.1 के बाद निम्नलिखित नोट जोड़िए :-- "नोट-स्पिरिट विनैटा कैरामेल के लिए उपर्युक्त परीक्षण लागू नहीं है।" (2) [(पृ० 5 खंड 3.2 (डो) "(डो)"] के बाद निम्नलिखित जोड़े :-- "ई (स्पिरिट विनैटा कैरामेल के लिए "स्पिरिट विनैटा")"	1977-05-31	
32.	IS : 4721-1968 पनबिजली केन्द्रों एसमो 368 की सतह के पानी की निकासी और नाली संव की रीति संहिता दिनांक 1968-01-25	सं० 1 जुलाई 1977	(1) [पृ० 5 खंड 5.2.1 (ए) पंक्ति 1] "खुलाव" के स्थान पर "आंशिक खुलाव" कर लें। (2) [पृ० 6 खंड 5.2.1.1 (ए) पंक्ति 1 और 2] "निकास कुंडों के स्थान जल निकालने का कुंड" कर लें। (3) [पृ० 6 खंड 5.2.1.1 बी)---वर्तमान सामग्री के स्थान पर निम्नलिखित कर लें : (बी) हर यूनिट से जल निकास कुंड तक निःस्त्राव ले जाने के लिए हेडर देकर, हेडर हर एक यूनिट से फीडर पाइप द्वारा जुड़ा होगा, जिसमें पृथक्कारी गेट वाल्व लगा होगा।	1977-07-31	
33.	IS : 4722-1968 बिजली की पूर्णक मशीन की विशिष्टि एसमो 3929 दिनांक 1969-09-27	सं० 7 दिसम्बर 1976	(संशोधन सं० 4 जनवरी 1976 और सं० 5 जन० 1976) ये संशोधन रद्द कर दीजिए।	1976-12-31	
34.	IS : 4754-1968 बूटेन गैस के साथ प्रयुक्त दाब रेग्युलेटर की विशिष्टि एसमो 593 दिनांक 1969-02-15	सं० 1 अप्रैल 1977	(1) (पृ० 5 खंड 3.2.7) -- IS : 3400 (भाग 1) -- 1965 के स्थान पर IS : 3400 भाग 4) -- 1965 कर लीजिए। और तारांकित पाव टिप्पणी हटा दीजिए। (2) खंड 4.4 और 4.3 के स्थान पर नए खंड दिए गए हैं। (3) (पृ० 6 अंकित पाद टिप्पणी) -- वर्तमान पाव टिप्पणी के स्थान पर निम्नलिखित कर लीजिए संपीकृत गैस सिलिंडर के लिए वाल्व फिटिंग की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) (4) [पृ० 8 परिशिष्ट ए (सी) -- (सी)] के बाद निम्नलिखित नया वाक्य जोड़ लीजिए। "विकल्प रूप में वाणिज्य द्रवित पेट्रोलियम गैस के परीक्षण गैस के रूप में प्रयोग कर सकते हैं।"	1972-04-30	
35.	IS : 4989-1974 भाग बुझाने के लिए यांत्रिक फेन बनाने के लिए यौगिक की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) एसमो 987 दिनांक 1976-03-06	सं० 1 जनवरी 1976	(1) (पृ० 4 खंड 0.6.1 पंक्ति) तारा बिहून हटा दीजिए। (2) [पृ० 4 पाद टिप्पणी (iii)] हटा दीजिए (3) (पृ० 24 खंड एम० 1.2 पंक्ति 2) 175 लि० के स्थान पर 120 लि० कर लीजिए। (4) सारणी 1 का संशोधन किया गया है। (5) परिशिष्ट "टी" परिशिष्ट "एस" के बाद जोड़ा गया है।	1977-01-31	

*नोट : --भाषा संस्था प्रकाशन योजना के लिए यह संशोधन 1977-01-01 से लागू होगा।

1	2	3	4	5	6
36.	IS : 5000 (भो बी 1)-1969 एक विशालक युक्ति आधार रूपरेखा भोबी 1 के माप	एसओ 4114 दिनांक 1969-10-11	सं० 1 जून 1977	(1). (पृ० 1 टाइटल भी की-आकृति) एल के स्थान पर 1 कर लीजिए । (2) (पृ० 1, सारणी, पहला खाना, पांचवी पंक्ति ऐच के भागे)—वर्तमान सामग्री के स्थान पर निम्नलिखित कर लीजिए । “ऐच 0.15 —1.00	1977-06-30
37.	IS : 5000 (भोबी 6)-1969 एक विशालक युक्ति, युक्ति रूपरेखा भोबी 6	एसओ 4311 दिनांक 1969-10-25	सं० 1 अगस्त 1977	(1) पृ० 1 पर सारणी में संशोधन किया गया है । (2) पृ० 2 नोट 7 पंक्ति (1) 13.0 के स्थान पर 13.5 कर लीजिए । (3) पृ० 2 पर नोट 7 के बाद नोट 8 जोड़ा गया है ।	1977-08-31
38.	IS : 5000 (भोबी 7)-1969 एक विशालक युक्ति युक्ति रूपरेखा भोबी 7	—	संख्या 1 जून 1977	(1) (पृ० 1 सारणी पहला स्तम्भ पंक्ति 12, डब्ल्यू के भागे)—वर्तमान सामग्री के स्थान पर निम्नलिखित कर लीजिए । डब्ल्यू एम 20—6 (2) पृ० 2 नोट 6 पंक्ति (1)—“17.0” के स्थान पर “21.0” कर लीजिए ।	
39.	IS : 5161-1969 बरेल इस्तेमाल के लिए बिजली के सेक्रे के पैड की विशिष्ट	एसओ 4959 दिनांक 1969-12-20	सं० 2 जून 1977	(1) खंड 9.1.1 का संशोधन किया गया है । (2) खंड 12.4 के स्थान पर नया खंड दिया गया है ।	1977-08-30
40.	IS : 5528-1969 तांबा स्वरित एसी-टिक ग्रन्थ लक्षण स्ने-परीक्षण द्वारा विद्युत्लेपित और एनोडीकृत एलु-मिनियम लेपों की संक्षारण प्रतिरोधिता की परीक्षण पद्धतियाँ	एसओ 3015 दिनांक 1971-08-04	सं० 1 अगस्त 1977	खंड 3.1 की वर्तमान सामग्री के स्थान पर नयी सामग्री दी गई है ।	1977-08-31
41.	IS : 5921 (भाग 1)-1970 इलेक्ट्रॉनिक एवं दूरसंचार उपस्कर में उपयोग वाले प्रिंटेड सर्किटों के लिए धातु चढ़ी आधार सामग्री की विशिष्ट भाग 1 सामान्य अपेक्षाएँ और परीक्षण	एसओ 398 दिनांक 1972-03-05	सं० 2 मार्च 1977	खंड 5.3.13.3 के बाद खंड 5.3.14 जोड़ा गया है ।	1977-03-31
42.	IS : 6015-1970 बेरियम हाइड्रा-आक्साइड की विशिष्ट	एसओ 3318 दिनांक 1972-10-21	सं० 2 जून 1977	[पृ० 4, सारणी 1 क्रम संख्या (1) खाना 4] “98.0” के स्थान पर 99.0 कर लीजिए ।	1977-06-30
43.	IS : 6133 (भाग 1)-1971 दूर संचारण और माप उपस्कर में प्रयुक्त वायु विद्युत फिल्टरों की विशिष्ट भाग 1 सामान्य अपेक्षाएँ और परीक्षण	एसओ 120 दिनांक 1973-01-13	सं० 1 जुलाई 1977	(1) खंड 6 के स्थान पर नया खंड दिया गया है । (2) (पृ० 4 खंड 7.1.1 पंक्ति 4)—“क्रिस्टल फिल्टर” के स्थान पर ‘वायु विद्युत फिल्टर’ कर ले । (3) खंड 7.3.13 में नोट 2 के बाद नोट 3 जोड़ा गया है । (4) परिशिष्ट ए के बाद परिशिष्ट बी जोड़ा गया है ।	1977-07-31
44.	IS : 6446-1972 अशक्त रोडिज ताप एलीमेंटों की विशिष्ट	एसओ 423 दिनांक 1976-02-15	सं० 2 जून 1977	खंड 10.4 और 10.5 में संशोधन किया गया है ।	1977-06-30
45.	IS : 7503 (भाग 1)-1974 रबर उद्योग में प्रयुक्त गम्भाबली भाग 1	एसओ 3279 दिनांक 1976-09-11	सं० 1 जून 1977	खंड 2.5 के बाद खंड 2.6 जोड़ा गया है ।	1977-06-30

1	2	3	4	5	6
46.	IS : 7594 (भाग 2)—1975 ध्वनि टेप भरने और फिर बजाने वाले चुम्बकीय उपकरण (सुवाह्य कैसेट) की विशिष्टि भाग 2 बरेलू प्रकार	एसओ 1892 विनाक 1977-06-11	सं० 1 मई 1977	(पृ० 7 खड्ड 8.9) हटा दीजिए ।	1977-05-31
47.	IS : 7603—1975 कम गति वाली खाद्य पीसने की सुवाह्य मशीनों की विशिष्टि	—	संख्या 1 जून 1977	(1) सारणी 2 और 3 में संशोधन किया गया है । (2) खड्ड 11.3.1 के स्थान पर नया खड्ड दिया गया है । (3) (पृ० 16, खड्ड 11.3, 10.2 प्रतिम पैरा पंक्ति 2)—“1.5 मिमी छलनी” के स्थान पर “1.4 मिमी छलनी कर लीजिए ।	1977-06-30
48.	IS : 7606—1975 सादे समंजयनीय स्नैप की विशिष्टि	—	सं० 1 जून 1977	(पृ० 4 सारणी 3 आकृति और पृ० 5 सारणी 4 की आकृति)—“0° से 30' टेपर” के स्थान पर “0° 30' टेपर” कर लीजिए ।	1977-06-30
49.	IS : 7610 (भाग 2)—1975 मशीनबद्ध के ऊनी कपड़े की विशिष्टि भाग 2 किलयरर कपड़ा	एसओ 1892 विशेष 1977-06-11	सं० 1 जुलाई 1977	यह संशोधन बुनियादी धागों के सांकेतिक नम्बर सम्बन्धी भ्रमभ्रान्त और प्रति डेसीमीटर धागों की संख्या सारणी 1 में रखने के उद्देश्य से किया गया है । क्योंकि ये व्योरे निर्माताओं के मार्गदर्शन के लिए है ।	1977-07-31
50.	IS 7774 (भाग 1)—1975 परि-बहन टुकटों और ट्रेलरों सम्बन्धी शब्दावली भाग 1 बुनियादी शब्दावली	—	संख्या 1 जून 1977	(पृ० 7 खड्ड 2.4 2 शीर्षक) “टोहंग हुक (पिटल हुक)” के स्थान पर “पिटल हुक” कर लीजिए	1977-06-30
51.	IS : 7777—1975 मुहें सिरे वाली सूती बैबिंग की विशिष्टि	—	सं० 1 जून 1977	सारणी 1 और 2 का संशोधन किया गया है ।	1977-06-30
52.	IS : 7950—1976 फेथियान तकनीकी की विशिष्टि	—	संख्या 1 जून 1977	खंड ए-2.2 1 और ए-2.3 में संशोधन किया गया है ।	1977-06-30

*इस संशोधन की प्रतियां भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से तथा शाखा कार्यालय भद्रमबाबाद, बगलौर, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, हैदराबाद, कानपुर, मद्रास, पटना और त्रिवेन्द्रम से प्राप्त की जा सकती हैं ।

[सं० सी एम डी/13. 5]
ए० पी० बनर्जी, प्रपरमहानिदेशक

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES
INDIAN STANDARDS INSTITUTION
New Delhi, the 1980-10-30

S.O. 3283. — In pursuance of regulation 4 of the Indian Standard Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that amendment(s) to the Indian Standard(s) given in the schedule hereto annexed have been issued under the powers conferred by the sub-regulation (1) of Regulation 3 of the said Regulations.

SCHEDULE

Sl. No. and title of the Indian Standard amended	No. and Date of Gazette notification in which the establishment of the Indian Standard was notified	No. and Date of the Amendment	Brief particulars of the Amendment	Date from which the amendment shall have effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. IS:325-1970 Specification for three phase induction motors (third revision)	S.O. 1107 dated 1971-03-20	*No. 6 Dec. 1976	(Amendments No. 4 June 1975 and No. 5 January 1976)—Cancel these amendments	1976-12-31

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
2. IS : 580-1973 Specification for harness leather (second revision)	S.O. 1750 1975-06-07	No. 1 May 1977	(Page 5, Table 2, Sl No. (iii), col (4) substitute 'LC : 6' for 'LC : 5'	1977-05-31	
3. IS : 900-1965 Code of practice for installation and maintenance of induction motors (Revised)	S.O. 664 dated 1966-03-05	No 2 Aug 1977	Existing note under clause 11.2.1 has been substituted by a new one.	1977-08-31	
4. IS : 933-1976 Specification for portable chemical fire extinguisher, foam type (second revision)	—	No. 1 May 1977	(i) Clauses 4.1, 4.4, 7.1.2., 7.7.2, 13.1, 13.2 and 13.3 have been substituted by new ones. (ii) Clauses 4.2, 7.3, 7.4, 7.5, 7.7, 11.1.1, 12.1, 12.2, 12.3.1.1 and B. 1.1 have been amended. (iii) (Page 6, foot-note) Delete the foot-note with mark. (iv) Fig 1. has been substituted by new one (v) (Page 10, foot-note with * mark)—Substitute the following for the existing foot-note; *Specification for enamel, synthetic, exterior, (a) undercoating, (b) finishing (first revision). (vi) A note has been added after clause 4.1 (vii) Clause 4.7 and 7.5.1 have been added after clauses 4.6 and 7.5 respectively; (viii) Foot-notes have been added at the the end of page 4 (ix) (Page 8, clause 7.5)—Add the following sentence at the end : 'The plastic cap shall be tested for the performance repuirement given in 7.5.1' (x) Clause 16 has been added after clause 15.1.1 and Appendixes 'A' and 'B' have also been added after clause 15.1.1	1977-05-31	
5. IS : 996-1964 Specification for single phase small AC and universal electric motors (revised)	S.O. 469 dated 1976-02-11	*No 10 Dec 1976	(Amendments No. 8 June 1975 and No 9 January 1976)—Cancel these amendments.	1976-12-31	
6. IS 1231-1974 Dimensions of three-phase foot-mounted induction motors (third revision)	S.O. 3494 dated 1976-10-2	*No. 3 Dec 1976	(Amendments No. 1 September 1975 and No. 2 January 1976)—Cancel these amendments.	1976-12-31	
7. IS : 1294-1974 Specification for bobbins for sewing machines for household purposes (second revision)	S.O. 3474 dated 1976-10-02	No 1 June 1977	(Page 3 clauses A-2.2 and A-2.2.1)—Delete the existing clauses.	1977-06-30	
8. IS : 1724-1971 Specification for wooden warp-bobbins for rabbeth spindles (second revision)	S.O. 1549 dated 1973-06-02	No. 2 Jul 1977	(i) (Page 4, clauses 2 and 2.1)—Delete and renumber, the subsequent clauses. (ii) Clauses 3.4.1 (renumbered as 2.4.1 and 4.2 (renumbered as 3.2) have been substituted by new one (iii) Fig. 10 has been substituted by a new one. (iv) (Page. 10, Fig. 1D)—Delete.	1977-07-31	

*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendments shall come into force w.e.f. 1977-01-01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
				(v) Existing table in Fig. 1 has been substituted by a new one.	
				(vi) Tables 1 and 2 have been amended.	
				(vii) (Page 12, Fig. 2A, caption)—Substitute the following for the existing caption : Note : The salinity is expressed in grams per litre as determined nominally as a temperature of 20°C.	
				(viii) Fig. 2B and 5 have been amended.	
				(ix) Equation of clause 3.5.3. has been substituted by a new one.	
				(x) Tables 3, 4 and 5 have been amended.	
				(xi) Note of clause B-1.3 has been substituted.	
				(xii) (Page 26, line 2)—Substitute Table 4 for Table 5.	
				(xiii) (Page 27, line 3; and in equation)—Substitute 'Ps20' for 'Rs 20'.	
				(xiv) [Page 27, explanation of b(x), line 2]—Substitute ' $(0 \leq x \leq L)$ ', for ' $(0 \leq x \leq L)$ '	
				(xv) Clause 2.14 has been added after clause 2.13	
				(xvi) A note has been added after clause 3.3.2	
				(xvii) A figure has been added after Fig. 2B.	
				(xviii) (Page 15, clause 3.4.4.1)—Add the following sentences in the beginning of this clause : 'The test object is placed in a special chamber which can be filled by a saline fog. An example of a method for producing the fog is described in Appendix A.'	
				(iii) (Page 9, Appendix A)—Substitute the following for the existing reference under Appendix A : '(Clauses 3.2, 3.3, 3.4 and 3.5)'	
				(iv) (Page 9, clause A-1.1)—Delete and re-number 'A-1.1.1' as 'A-1.1'.	
				(v) (Page 9, clauses A-1.2, A-1.2.1 and A-1.2.2)—Delete.	
9. IS : 1975-1974 Specification for pillar taps for water supply purposes (first revision)	S.O. 1975 dated 1976-05-08	*No. 2 May 1977		(i) (Page 14, clause 6.7, lines 4 and 5) — Substitute 'Grade I, II or III of IS : 7814-1975* for 'grade PBz 3 or PBz 6 of IS : 1385-1968*.	1977-05-31
				(ii) (Page 14, foot-note with mark "**" substitute the following for the existing foot-note : ** Specification for phosphor bronze sheet, strip and foil.'	
10. IS : 2071 (Pt I)—1974 Methods of high voltage testing Pt-I general definitions and test requirements (first revision)	S.O. 1596 dated 1976-05-08	No 1 July 1977		(i) Clauses 3.3.1, 3.3.2, 3.5.3, A-2.1, B-1.1 and B.1.2 have been amended	1977-07-31
				(ii) (Page 9, Fig. 1A and 1B, captions)—Substitute the following for the existing of both the figures : '1A Nozzle Type 1' '1B Nozzle Type II'	
				(xix) (Page 21, Appendix A, clause references Add reference to clause '3.4.4.1' after Clause '3.4.2.1'	
				(xx) (Page 21, clause Z-2.1, third paragraph)—Add the following sentence at the end : 'The tolerance on the total flow to all spray jets is ± 5 percent of the nominal value'.	

*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1977-10-01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
11. IS : 2113—1972 Methods for Assaying of silver in silver and silver Alloys (first revision)	S.O. 751 dated 1974-03-16	No 1 Jul 1977	(Page 7, clause 5.4.1)—Delete and re-number the subsequent clauses accordingly	1977-07-31	
12. IS : 2191(Pt I)—1973 Specification for Wooden Flush Door Shutters (Cellular and Hollow Core type) Part I Plywood Face Panels (second revision)	S.O. 3069 dated 1975-09-13	No 1 Feb 1977	(i) Clauses 5.1.5., 6.5 and 9.3.1 have been amended ; (ii) Clause 6.3 has been substituted by a new one and (iii) (Page 11, clause 6.6)—Add the following at the end : 'Joints shall not be permitted in the lipping.'	1977-02-28	
13. IS : 2202 (Pt I)—1973 Specification for Wooden Flush Door Shutters (Solid Core Type) Part I Plywood Face Panels (second revision)	S.O. 4690 dated 1975-11-01	No 1 Feb 1977	(i) Clauses 5.1.5. and 6.1.1 have been amended and (ii) (Page 12, clause 6.6)—Add the following at the end : 'Joints shall not be permitted in the lipping.'	1977-02-28	
14. IS : 2320—1963 Methods of Measurements for amplitude modulated radio frequency signal generators (40Kc/s To 30Mc/s)	S.O. 2160 dated 1963-08-03	No 2 Aug 1977	(i) (Page 6, clause 2.3.1, second sentence)—Delete. (ii) (Page 10, clause 4.3, line 2)—Substitute '4.1.1' for '4.2'. (iii) Clause 10 has been substituted by a new one. (iv) (Page 16, clause 11)—Delete. (v) (Page 16, clause 12)—Delete.	1977-08-31	
15. IS : 2321—1963 Requirements for General purpose amplitude modulated radio frequency signal generators (30Kc/s To 30 Mc/s)	S.O. 2038 dated 1963-07-20	No 1 Aug 1977	Clause 7.3 has been substituted by a new one	1977-05-31	
16. IS : 2556 (Part III)—1973 Specification for vitreous sanitary appliances (vitreous china) Part III specific requirements of squatting pans (second revision).	S.O. 2557 dated 1975-08-09	No 2 May 1977	(Page 10, Table 1, Sl No. (x), col 2)—Delete the word 'Min'.	1977-05-31	
17. IS : 2556 (Pt IV)—1972 Specification for vitreous sanitary appliances (vitreous china) Part IV Specific requirements of wash basins (second revision)	..	*No 1 Jul 1977	(i) Clauses 2.3.2 and 2.3.7 have been substituted by new one. (ii) (Page 4, foot-note with mark '+')—Substitute the following foot-note for the existing : 'Specification for pillar taps for water supply purposes (first revision)'	1977 07-31	
18. IS : 2556(Pt VI/Sec 1)—1974 Specification for vitreous sanitary appliances (vitreous china) Part VI specific requirements of urinals section 1 Bowl type (second revision)	S.O. 2547 dated 1977-08-13	No 1 Apr 1977	Fig 1 and 2 have been substituted by new ones	1977-04-30	
19. IS : 2556 (Pt VI/Sec 6)—1974 Specification for vitreous sanitary appliances (vitreous china) Part VI specific requirements of urinals section 6 water spreaders for half stall urinals (second revision)	S.O. 2547 dated 1977-08-13	No 1 Mar 1977	Fig. 1 has been substituted by new one	1977-03-31	
20. IS : 2556 (Pt VIII)—1973 specification for vitreous sanitary appliances (vitreous china) Part VIII specific requirements of siphonic wash-down water-closets (second revision)	S.O. 2557 dated 1974-08-09	No 2 May 1977	(Page 4, clause 2.3)—Add the following at the end of the clause : 'Discharge rate test shall not be applicable.	1977-05-31	

*For purpose of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force w.e.f. 1977-10-01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
21. IS: 2556 (Pt XI)—1972 Specification for vitreous sanitary appliances (vitreous china) Part XI specific requirements for shower rose.	—	No 1 May 1977	(i) (Page 4, clauses 2.2.3 and 2.2.4)—Delete these clauses and renumber the subsequent clause as 2.2.3. (ii) [Page 4, clause 2.2.5 (renumbered as 2.2.3)]—Add the following at the end of the clauses : ‘The distance of farthest hole from the centre of the shower rose shall not be less than 40 mm.’	1977-05-31	
22. IS: 2720 (Pt XI)—1971 Methods of test for soils Part XI Determination of the shear strength parameters of a specimen tested in unconsolidated undrained triaxial compression without the measurement of pore water pressure	S.O. 398 dt. 1972-02-05	No 1 Aug 1977	(i) Clause 5.1.1 has been substituted by a new one. (ii) Existing formula of clause 5.1.1.2 has been substituted by new one.	1977-03-31	
23. IS: 2750 (Part I)—1973 Code of practice for design and construction of raft foundations Part 1 design (first revision)	S.O. 2557 dated 1975-08-09	No 1 May 1977	(Page 8, clause 4.6.2, line 1)—Substitute ‘lean’ for ‘beam’.	1977-05-31	
24. IS: 2994—1965 Specification for Electric stoves	S.O. 3059 dated 1965-10-02	No 6 Jul 1977	(i) Clauses 6.2 (a) and 10.3.4. have been amended (ii) Clauses 10.3.1 and 10.3.5.2 have been substituted by new ones	1977-07-31	
25. IS: 3347(Pt I/Sec 2)—1967 Dimensions for porcelain transformer bushings Part I upto 1.1 Kv bushings Section 2 Metal Parts	S.O. 287 dated 1968-01-20	No 1 Apr 1977	(i) A note has been added under clause 2.1 (ii) A foot-note has been added at page 5 after the existing foot-note. (iii) Clause 2.2 has been amended	1977-04-30	
26. IS: 3347 (Pt II/Sec 2)—1967 Dimensions for porcelain transformer bushings Part II 3.6 Kv bushings section 2 Metals Parts.	S.O. 287 dated 1968-01-20	No 1 Apr 1977	(i) A note has been added under clause 2.1 (ii) A foot-note has been added at page 5 after the existing clause (iii) Clause 2.2 has been amended	1977-04-30	
27. IS: 3347 (Pt IV/Sec 2)—1967 Dimensions for porcelain transformer bushings Part IV 24Kv bushings section 2 Metal Parts	S.O. 2766 dated 1968-08-10	No 2 May 1977	(i) A note has been added after clause 2.1 (ii) A foot-note has been added at page 5 after the existing foot-note (iii) Clause 2.2 has been amended.	1977-05-31	
28. IS: 3514—1966 Specification for Electric coffee percolators (Non-regulator type)	S.O. 241 dated 1967-01-21	No 3 Jun 1977	Clauses 3.3, 10.3.1 and 10.3.9 have been substituted by new ones	1977-06-03	
29. IS: 4055—1966 Specification for maize (Corn) Oil	S.O. 3673 dated 1967-10-14	No 2 Jun 1977	[Page 5, Table 1, Sl No. (vi), col 3 and 4]—Substitute ‘103 to 128’ for ‘110 to 128’ in both the columns.	1977-06-30	
30. IS: 4060—1967 Specification for flashers for direction indicators for Automobiles	S.O. 2654 dated 1967-08-05	No 3 Jul 1977	(i) Clause 5.1.5 has been substituted by a new one (ii) Clauses 2.5 and 5.3 have been added after clauses 2.4 and 5.2 respectively.	1977-07-31	
31. IS: 4467—1967 Specification for caramel	S.O. 1720 dated 1968-05-18	No 1 May 1977	(i) (Page 5, clause 2.3.1)—Add the following note after 2.3.1 : ‘Note—The above tests is not applicable in case of spirit soluble caramel.’ (ii) [Page 5, clause 3.2(d)] Add the following after (d) : “(e) Words ‘spirit soluble’, in case of spirit soluble caramel.”	1977-05	
32. IS: 4721—1968 Code Practice for drainage and dewatering of surface hydel power stations.	S.O. 368 dated 1968-01-25	No 1 Jul 1977	(i) [Page 5, clause 5.2.1 (a) line 1]—Substitute ‘partial opening’ for ‘opening’. (ii) [Page 6, clause 5.2.1.1(a) lines 1 and 2] Substitute ‘dewatering sump’ for ‘drainage sump’.	1977-07-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)				
				(iii) [Page 6, clause 5.2.1.1 (b)]—Substitute the following for the existing matter '(b) by providing a common header carrying discharge from each unit to the dewatering sump, the header being connected to the individual units by feeder pipes provided with isolating gate valves or'.					
33. IS: 4722-1968 Specification for rotating electrical Machines	S.O. 3929 dated 1969-09-27	*No. 7 Dec. 1976		(Amendments No. 4 January 1976 and No. 5 January 1976)—Cancel these amendments	1976-12-31				
34. IS: 4784-1968 Specification for low pressure regulators for use with butane gas.	S.O. 593 dated 1969-02-15	No. 1 Apr 1977		(i) (Page 5, clause 3.2.7)=Substitute 'IS:3400 (Part IV)—1965†' for IS:3400 (Part I)—1965*' and delete the foot-note with asterisk(*) mark. (ii) Clauses 4.4 and 4.5 have been substituted by new ones. (iii) (Page 6, foot-note with § mark)—Substitute the following for the existing foot-note'. 'Specification for valve fittings for compressed gas cylinders (first revision)'. (iv) [Page 8, Appendix A (c)] Add the following new sentence after (c): 'Alternatively, commercial liquefied petroleum gas (LPG) may be used as the test gas.'	1977-04-30				
35. IS: 4989-1974 Specification for foam compound for producing mechanical foam for fire fighting (first revision)	S.O. 987 dated 1976-03-06	No. 1 Jan 1977		(i) (Page 4, clause 0.6.1, line 1)—Delete the asterisk '**' mark. (ii) (Page 4, foot-note)—delete (iii) (Page 24, clause M-1.2 line 2) Substitute '120 litres' for '175 litres' (iv) Table 1 has been amended (v) Appendix 'T' has been added after appendix 'S'.	1977-01-31				
36 IS: 5000 (OB 1)—1969 Dimensions of semiconductor devices base outline OB 1	S.O. 4114 dated 1969-10-11	No. 1 June 1977		(i) (Page 1, figure for type B)—Substitute '1' for '1s'. (ii) (Page 1, table, first col, first row, against h)—Substitute the following for the existing matter: <table><tr><td>'h</td><td>0.15</td><td>—</td><td>1.00</td></tr></table>	'h	0.15	—	1.00	1977-06-30
'h	0.15	—	1.00						
37 IS: 5000 (OD 6)—1969 Dimensions of semiconductor devices device outline OD 6	S O 4311 dated 1969-10-25	No. 1 Aug. 1977		(i) Table at page 1 has been amended (ii) (Page 2, Note 7, line 1)—Substitute '13.5' for '13.0' (iii) Note 8 has been added after note 7 at page 2	1977-08-31				
38 IS: 5000 (OD 7)—1969 Dimensions of Semiconductor Devices Device outline OD 7	..	No. 1 Jun 1977		(i) (Page 1, table, first col, row 12, against w)—substitute the following for the existing matter under the respective columns : 'W. M 20—6' (ii) (Page 2, Note 6, line 1)—Substitute '21.0' for '17.0'	1977-06-30				
39 IS: 5161 1969 Specification for flexible electric heating pad for domestic use.	S O 4959 dated 1969-12-20	No. 2 Jun 1977		(i) Clause 9.1.1 has been amended (ii) Clause 12.4 has been substituted) by a new one	1977-06-30				

*For purpose of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force w.e.f. 1977-01-01.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
40. IS:5528—1969 Method of testing corrosion resistance of electroplated and anodized aluminium coatings by copper-Accelerated Acetic acid salt spray (cass) Test	S.O. 3015 dated 1971-08-14	No. 1 Aug. 1977	Existing matter of clause 3.1 has been substituted	1977-08-31	
41. IS: 5921 (Pt I)—1970 Specification for Metal-clad base materials for printed circuits for use in electronic and telecommunication equipment Part I General Requirement and Tests	S.O. 398 dated 1972-03-05	No. 2 Mar. 1977	Clause 5.3.14 has been added after clause 5.3.13.3	1977-03-31	
42. IS: 6015—1970 Specification for Barium Hydroxide	S.O. 3318 dated 1972-10-21	No. 2 June 1977	[Page 4, Table 1, Sl. No. (i), col. 4] Substitute '99.0' for '98.0'	1977-06-30	
43. IS: 6133 (Part I)—1971 Specification for Piezo-Electric Filters for use in Telecommunication and measuring equipment Part I General requirements and tests	S.O. 120 dated 1973-01-13	No. 1 Jul. 1977	(i) Clause 6 has been substituted by a new one (ii) (Page 4, clause 7.1.1, line 4)—Substitute 'Piezo-electric filters' for 'crystal filters'. (iii) Note 3 has been added after Note 2 in clause 7.3.1.3 (iv) Appendix 'B' has been added after Appendix 'A'.	1977-07-31	
44. IS: 6446—1972 Specification for Mica Insulated Heating Elements	S.O. 423 dated 1976-02-15	No. 2 Jun. 1977	Clauses 10.4 and 10.5 have been amended	1977-06-30	
45. IS: 7503(Pt I)—1974 Glossary of terms used in the rubber industry, Pt I	S.O. 3279 dated 1976-09-11	No. 1 Jun, 1977	Clause 2.6 has been added after clause 2.5	1977-06-30	
46. IS: 7594(Pt II)—1975 Specification for magnetic sound tape recording and reproducing equipment (Portable cassette) Part II Domestic type	S.O. 1892 dated 1977-06-11	No. 1 May 1977	(Page 7, clause 8.9)—Delete	1977-05-31	
47. IS: 7603—1975 Specification for Portable low speed food grinding machines	..	No. 1 Jun. 1977	(i) Table 2 and 3 have been amended (ii) Clause 11.3.1 has been substituted by a new one (iii) (Page 16, clause 11.3.10.2, last para, line 2)—Substitute '1.4 mm sieve' for '1.5—mm sieve'.	1977-06-30	
48. IS: 7606—1975 Specification for Plain Adjustable snap gauges	..	No. 1 Jun. 1977	(Page 4, Fig. in Table 3 and Page 5, Fig. in Table 4)—Substitute "0°30' Taper" for "0° to 30' Taper".	1977-06-30	
49. IS:7610(Pt II)—1975 Specification for machinery fabrics, wool Part II Clearer cloth	S.O. 1892 dated 1977-06-11	No. 1 Jul. 1977	This amendment is being issued to transfers for the requirements in respect of nominal count of basic yarn and threads base decimetre to Table 1 since these are the particulars meant as a guide the manufacturers.	1977-07-31	
50. IS: 7774 (Part I)—1975 Glossary of Terms relating to transport tractors and trailers Part I Basic terms	..	No. 1 Jun. 1977	(Page 7, clause 2.4.2, heading)—Substitute 'Towing Hook (Pintle Hook)' for 'Pintle Hook'.	1977-06-30	
51. IS: 7777—1975 Specification for Cotton Webbing coiled edge	..	No. 1 June 1977	Table 1 and 2 have been amended	1977-06-30	
52. IS: 795019—76 Specification for fenthion, technical	..	No. 1 June 1977	Clauses A-2.2.1 and A-2.3 have been amended	1977-06-30	

Copies of these amendments are available with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Kanpur, Madras, Patna, and Trivandrum.

नई दिल्ली, 1980-11-10

का० प्रा० 3284.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिहान) विनियम, 1955 के विनियम, 3 के उपविनियम (4) के अधीन प्राप्त अधिकारों के अनुसार नीचे अनुसूची में जिस IS : 3589-1966 के अग्रे दिए गए हैं, उसके उपबन्धों में मानक बिहान के उपयोग में गति बाने के उद्देश्य से परीक्षात्मक रूप में संशोधन किए गए हैं। इन संशोधनों के द्वारा भारतीय मानक के अनुरूप बने माल की गुणता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। यह अधिसूचना तुरन्त ही लागू हो जाएगी।

अनुसूची

क्रम संख्या	भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक जिसके उपबन्धों में संशोधन किया गया है	उपबन्ध में किए गए संशोधनों का विवरण
1	2	3
1.	IS : 3589—1966 जल, गैस और मल निकास के लिए विजली द्वारा वेल्डकृत इस्पात पाइप (200 मिमी से 2000 मिमी तक के नामांकित व्यास वाले) की विशिष्टि	(पृष्ठ 9 और 10, खण्ड 14, 14.1 और 14.2)—ई आर डब्ल्यू पाइपों के लिए वर्तमान वेल्ड परीक्षण के स्थान पर फ्लैटनिंग परीक्षण और ई एफ डब्ल्यू पाइपों के लिए सडिस्ट मोड परीक्षण कर लीजिए जो अधिक उपयुक्त माने गए थे।

[सं० सी एम डी/13.4]

ए० के० गुप्ता, महा निदेशक

New Delhi, the 1980-11-10

S.O. 3284.—In exercise of the powers conferred on me under sub-regulation (4) of regulation 3 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, modifications to the provisions of IS: 3589-1966 details of which are mentioned in the Schedule given hereafter, have tentatively been made with a view to expediting the use of the Standard Mark, without in any way affecting the quality of goods covered by the relevant Standard. This notification shall come into force with immediate effect.

SCHEDULE

Sl. No. and Title of Indian Standard the provisions of which have been modified	Particulars of the modifications made to the provisions
1	2
1. IS : 3589 -1966 Specification for electrically welded steel pipes for water, gas and sewage (200 mm to 2000 mm nominal diameter)	(Pages 9 and 10, Clauses 14, 14.1 and 14.2) —Replace the existing Weld Test by Flattening Test for ERW pipes and Guided Bend Test for EFW pipes which were felt more appropriate.

[No. CMD/13:4]

A. K. GUPTA, Director General

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 10 नवम्बर 1980

का० प्रा० 3285 —केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिकारियों की देखरेख) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे दी गई सारणी के स्तंभ (1) में उल्लिखित अधिकारी को, जो कि सरकार के राज-पत्रित अधिकारी की पंक्ति के समस्त चण्डीगढ़ लघु उद्योग विकास निगम लि०, चण्डीगढ़ से नियमित प्राधिकरण का अधिकारी है उसका अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा अधिकारी नियुक्त करती है और प्रागे निदेश देती है कि उक्त सम्पदा अधिकारी उक्त सारणी के स्तंभ (2) में विशिष्ट सांकेतिक स्थानों के प्रयोगों की बाधत अपनी अधिकारिता की सीमाओं के भीतर उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन उसे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और अधिनियमित कृत्यों का पालन करेगा :

सारणी

अधिकारी का पदनाम	सरकारी स्थानों के प्रयोग और अधिकारिता की स्थानीय सीमाएं
(1)	(2)
मन्त्रि और प्रशासनिक अधिकारी चण्डीगढ़ लघु उद्योग विकास निगम लि०, चण्डीगढ़।	चण्डीगढ़ जिले की राजस्व सीमाओं के भीतर स्थित चण्डीगढ़ लघु उद्योग विकास निगम लि० से संबंधित या उनके द्वारा गठबा उसके निमित्त पट्टे पर लिए गए, या उसके प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन सभी परिसर।

[पा० सं० 16(13)/80-एम० एस० आई० (II)]

धार० श्रीनिवासन, संयुक्त मन्त्रि

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 10th November 1980

S.O. 3285.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the Table below, being an officer of the corporate authority of the Chandigarh Small Industries Development Corporation Limited, Chandigarh equivalent in rank to a gazetted officer of Government, to be estate officer for the purposes of the said Act, and further directs that the said estate officer shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on, estate officers by or under the said Act, within the limits of his jurisdiction in respect of the categories of public premises specified in column (2) of the said Table.

THE TABLE

Designation of the Officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
1	2
The Secretary-cum-Administrative Officer, Chandigarh Small Industries Development Corp. Ltd., Chandigarh.	All premises belonging to, or taken on lease by, or on behalf of or under the Administrative control of the Chandigarh Small Industries Development Corporation Ltd., situated within the revenue limit of Chandigarh District.

[File No. 16(13)/80-SSI(II)]
R. SRINIVASAN, Jt. Secy.

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर 1980

क्र. 3286.—यह पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का प्रश्न) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अन्तर्गत भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना क्र. 2127 तारीख 22-7-80 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना प्राण्य घोषित कर दिया था;

और यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देनी है;

और अतः, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है;

अब यतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है;

और अतः उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में

उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विशिष्ट होने के पश्चात् तब और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से सिद्ध होगा।

अनुसूची

एन० कड़ी, जी० जी० एम० से एन० कड़ी सी० जी० एफ० तक पाइप लाइन बिछाने के लिए 15 मीटर अधिक चौड़ाई

राज्य-गुजरात		जिला-मेहसाणा		तालुका-कडी
गांव	सर्वे नं०	हैक्टेयर	एयार्स्	सेन्टीयर
चालामन	95	0	2	30
	कार्ट ट्रैक	0	0	35
	110/2	0	3	70
	87	0	6	60
	86/3	0	2	90
	111/2	0	0	08
	111/1	0	2	85
	112	0	3	70
	कार्ट ट्रैक	0	0	20
	118/2	0	1	35
	117/पी	0	2	70
	121/2	0	4	15
	117/पी	0	3	70

[सं० 12016/34/80-मो०]

किरण चड्ढा, जवर सचिव

MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZER

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 31st October, 1980

S.O. 3286.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 2127 dated 22nd July, 1980 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted the report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

R.O.U. For Extra 5 Meters for N. Kadi		GGs to N. Kadi CTF		
State : Gujarat	District : Mehsana	Taluka : Kadi		
Village	Survey No.	Hec-tare	Arc	Centi-are
Chalasan	05	0	2	30
	Cart track	0	0	35
	110/2	0	3	70

87	0	6	60
86/3	0	2	90
111/2	0	0	08
111/1	0	2	85
112	0	3	70
Cart track	0	0	20
118/2	0	1	35
117/P	0	2	70
121/2	0	4	15
117/P	0	3	70

[No.12016/34/80-Prod.]

KIRAN CHADHA, Under Secy.

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 1980

क्रा० आ० 3287.—इस मंत्रालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 25 अक्टूबर, 1979 के प्रांशिक संशोधन में और तेल उद्योग (विकास) अधिनियम, 1974 (1974 का 47) की धारा 3 की उप-धारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री पी० सी० सेठी, पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री को श्री बीरेन्द्र पाटिल के स्थान पर तेल उद्योग विकास बोर्ड का अध्यक्ष तत्काल नियुक्त करती है।

2. केन्द्रीय सरकार उपर्युक्त धारा 3 की उपधारा (3) के खण्ड (ग) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए, श्री के० एस० शर्मा, अध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक फर्टिलाइजर (योजना और विकास) इंडिया लिमिटेड, को उनके पद के कारण निगमों का प्रतिनिधित्व करने के लिये श्री के० सी० शर्मा के स्थान पर तेल उद्योग विकास बोर्ड का भी सदस्य नियुक्त करती है।

[सं० 7/4/79-वित्त-II]

राजेश्वर सेन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th November, 1980

S.O. 3287.—In partial modification of this Ministry's Notification of even number dated, the 25th October, 1979 and in exercise of powers conferred by sub-section (4) of section 3 of the Oil Industry (Development) Act, 1974 (47 of 1974), the Central Government hereby appoints, with immediate effect, Shri P. C. Sethi, Minister of Petroleum, Chemicals & Fertilizers, as the Chairman of the Oil Industry Development Board, vice Shri Veerendra Patil.

2. The Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (c) of sub-section (3) of section 3 of the Act referred to above, also appoints, with immediate effect, Shri K. S. Sharma, Chairman & Managing Director Fertilizer (Planning and Development) India Limited, as a Member of the Oil Industry Development Board by virtue of his office to represent the Corporations, vice Shri K. C. Sharma.

[No. 7/4/79-Fin.II]

RAJESHWAR SEN, Desk Officer

नई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1980

क्रा० आ० 3288.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना क्र० आ० सं० 2125, तारीख 22-7-80 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस

अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जन करने का अपना अधिकार प्राप्त कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) में अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करते के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जन करने का विनिश्चय किया है।

अथ अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) द्वारा प्रवृत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जन किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, बाधना के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

एन० कडी जी० जी० एस० से एन० कडी सो० टी० एफ० तक पाइप लाइन बिछाने के लिए 5 मीटर अधिक चौड़ाई

राज्य—गुजरात जिला—अहमदाबाद तालुका—विरमगाम

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एअरई	सेन्टीयर
तेलावी	रेलवे	0	0	75
	227	0	0	43
	226/43	0	4	70
	226/55	0	1	40
	226/42	0	0	40
	226/27/पी	0	5	65
	226/28	0	1	85
	गर्ट ट्रेक	0	0	20
	209/59	0	5	10
	209/57	0	1	50
	209/55	0	1	30
	209/49	0	2	70
	209/50	0	1	20
	209/47	0	3	20
	209/26	0	6	30
	209/23	0	1	60

[सं० 12016/33/80-प्राइ-I]

New Delhi, the 6th November, 1980

S.O. 3288.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 2125, dated 22nd July, 1980 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And, whereas, the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And, further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

R.O.U. for extra 5 Meters for N. Kadi GGS to N. Kadi CTF

State : Gujarat District : Ahmedabad Taluka : Viramgam

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centiare
Telavi	Railway	0	0	75
	227	0	0	45
	226/43	0	4	70
	226/55	0	1	40
	226/42	0	0	40
	226/27/P	0	5	65
	226/28	0	1	85
	Cart track	0	0	20
	209/59	0	5	10
	209/57	0	1	50
	209/55	0	1	30
	209/49	0	2	70
	209/50	0	1	20
	209/47	0	3	20
	209/26	0	6	30
	209/23	0	1	60

[No. 12016/33/80-Prod.-I]

का० भा० 3289—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० भा० सं० 2129, तारीख 22-7-80 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और धतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, ओषणा के प्रकाशन की इस तारीख को विहित होगी।

अनुसूची

नॉर्थ कडी जी० जी० एम० में नॉर्थ कडी सी टी एक तक पाइप लाइन बिछाने के लिए 5 मीटर अधिक चौड़ाई

राज्य—गुजरात	जिला—अहमदाबाद	तालुका—विरमगाम		
गाँव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एयारर	सेन्टीयर
भटारीया	41/पी	0	7	55
	40/1	0	0	60
	42/2/पी	0	5	75
	42/2/पी	0	0	25
	38	0	6	80
	48/1/2/3/	0	9	35
	143	0	0	45

[सं० 12016/33/80-प्रोड-II]

S.O. 3289.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 2129, dated 22nd July, 1980 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And, whereas, the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And, further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

R.O.U. for extra 5 Meters for N. Kadi GGS to N. Kadi CTF

State : Gujarat District : Ahmedabad Taluka : Viramgam

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centiare
Bhataria	41/P	0	7	55
	40/1	0	0	60
	42/2/P	0	5	75
	42/2/P	0	0	25
	38	0	6	80
	48/1/2/3/	0	9	35
	143	0	0	45

[No. 12016/33/80 Prod.-II]

नई दिल्ली, 10 नवम्बर, 1980

का० भा० 3290.—पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की

अधिसूचना का० भा० सं० 1379 तारीख 21-4-80 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाहप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाहपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

डी० एस० सी० बी० बी० (एस० एस०) से डी एस० 24 तक पाहप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य—गुजरात	जिला—खेडा	तालुका—छम्भात		
गाँव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एअरर्ई	सेन्टियर
नगरा	1447	0	14	04
	1450	0	05	33
	1451	0	08	19
	1453	0	10	98
	1454	0	06	69
	1455	0	00	97
	1437 और			
	1456	0	13	58
	1457	0	05	72
	1458	0	02	99
	1460	0	06	70
	1461	0	16	51
	1467	0	04	29
	1468	0	05	46
	1425	0	09	88
	1391	0	00	78
	1397	0	11	98
	1399	0	04	84
	1400	0	08	84
	1404	0	05	49
	1405	0	06	82
	1407	0	07	83
	1377	0	11	98
	1376	0	07	80

[स० 12016/22/80-प्र०.]

New Delhi, the 10th November, 1980

S.O. 3290.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 1319 dated 21st April, 1980 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of

User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

R.O.U. for D.S. CBB (SS) to D.S. 24

State : Gujarat	Distt : Kaira	Taluka : Cambay		
Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Centiare
Nagra	1447	0	14	04
	1450	0	05	33
	1451	0	08	19
	1453	0	10	98
	1454	0	06	69
	1455	0	00	97
	1437 & 1456	0	13	58
	1457	0	05	72
	1458	0	02	99
	1460	0	06	70
	1461	0	16	51
	1467	0	04	29
	1468	0	05	46
	1425	0	09	88
	1391	0	00	78
	1397	0	11	98
	1399	0	04	94
	1400	0	08	84
	1404	0	05	49
	1405	0	06	82
	1407	0	07	83
	1377	0	11	98
	1376	0	07	80

[No. 12016/22/80-Prod.]

का० भा० सं० 3291.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाहपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० भा० सं० 1323 तारीख 23-4-80 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाहप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और प्रागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और प्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

कूप नं० एम० टी० एक से कूप नं० डब्ल्यू० एम० बी० तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

गांव	ब्लॉक नं०	हेक्टेयर	ए आर ई	सेन्टी-यर
कलम	158	0	09	75
	163	0	19	50
	164	0	16	90
	178	0	14	30
	168	0	02	60
	173	0	15	60
	201	0	03	90

[सं० 12016/19/80-प्रो०-1]

S.O. 3291.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 1323 dated 23rd April, 1980 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And, further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

940 GI/80—5.

SCHEDULE

Pipeline from well No. MTF to well No. WMB				
State : Gujarat	District : Broach	Taluka : Hansot		
Village	Block No.	Hec-tare	Are	Centiare
Kalam	158	0	09	75
	163	0	19	50
	164	0	16	90
	178	0	14	30
	168	0	02	60
	173	0	15	60
	201	0	03	90

[No. 12016/19/80-Prod. II]

का० प्रा० 3292—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० प्रा० सं० 1322 तारीख 23-4-80 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और प्रागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और प्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

कूप नं० एम० टी० एक० से कूप नं० डब्ल्यू० एम० बी० तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

गांव	ब्लॉक नं०	हेक्टेयर	ए आर ई	सेन्टी-यर
रोहिद	48	0	30	55
	49	0	07	80
	55	0	09	75
	51	0	09	75
	52	0	16	90
	78	0	28	60
	81	0	18	20
	82	0	02	60
	83	0	15	60
	84	0	02	60
	71	0	02	60

[सं० 12016/19/80-प्रो०-II]

S.O. 3292.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 1322, dated 23-4-80 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And, whereas, the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And, further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And, further in exercise of power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

R.O.U. for laying Pipeline from Well No. MTF to Well No.

WMB

State : Gujarat	District : Broach	Taluka : Hansot			
Village	Block No.	Hec-tare	Are	Centiare	
Rohid	48	0	30	55	
	49	0	07	80	
	55	0	09	75	
	51	0	09	75	
	52	0	16	90	
	78	0	28	60	
	81	0	18	20	
	82	0	02	60	
	83	0	15	60	
	84	0	02	60	
	71	0	02	60	

[No. 12016/19/80-Prod. II]

का० प्रा० 3293—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कृप नं० एन के बी प्रो से जी बी एम कम सी टी एफ कडी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाईप-लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यह यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों के बिछाने के प्रयोजन के लिए एनएफएन अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 का उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

अतः कि उक्त भूमि में हितवश कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सहम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चित यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुसबाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

कप नं० एन० के० बी० प्रो० से जी० जी० एस० कम सी० टी० एफ० मडी तक

पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिला और तालुक : मेहसाणा			
गांव	सं० नं०	हेक्टेयर	ए. आर. ई.	सेन्टी-यर
मेमबपुरा	162	0	03	72
	410	0	15	00
	32	0	14	40

[सं० 12016/59/80-प्रो०]

किरण चड्ढा, अधीक्षक सचिव

S.O.3293.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from MCBO to GGS-Cum-CTF heads in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

R.O.U. From Well No. KNBO to GGS-Cum-CTF Kadi
State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centiare
Mehmadpura	162	0	03	72
	410	0	15	00
	32	0	14	40

[No. 12016/59/80-Prod.]

KIRAN CHADHA, Under Secy.

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 10 नवम्बर, 1980

का० प्रा० 3294.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्ज और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० का० प्रा० 1395, तारीख 28 अप्रैल, 1979 द्वारा

इस अधिसूचना से उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिच्छेद में 755.00 एकड़ (लगभग) या 305.53 हेक्टेयर (लगभग) भूमि में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी,

केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त भूमि में कोयला प्राप्त है;

अतः, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 की 20) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,—

(क) इससे उपाखण्ड अनुसूची "क" में वर्णित 6.25 एकड़ (लगभग) या 2.52 हेक्टेयर (लगभग) माप वाली भूमि, और

(ख) इससे उपाखण्ड अनुसूची "ख" में वर्णित 748.75 एकड़ (लगभग) या 303.00 हेक्टेयर (लगभग) माप वाली भूमि के खनन, खदान, बेघन, खोदने और उपर्युक्त वर्णितों की तलाश करने, प्राप्त करने, उतार कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकारों, का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना देती है।

टिप्पण—1. इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण अरर जिला मजिस्ट्रेट, घेनकावात (उड़ीसा) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता-700001 के कार्यालय में अथवा सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, राजस्व अनुभाग दरभंगा हाउस, रांची-834001 के कार्यालय में किया जा सकता है।

टिप्पण—2 कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 8 के उपबंधों की धारा इससे द्वारा श्यान प्राकषित किया जाता है, जिसमें निम्नलिखित उपबन्ध किया गया है, अर्थात् :—

"अर्जन की बाधक प्राप्ति :-

8 "(1) कोई व्यक्ति जो किसी भूमि में जिसकी बाधक धारा 7 के अधीन अधिसूचना निकाली गई है, हितबद्ध है, अधिसूचना के निकाले जाने से तोस दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उस पर के किन्हीं अधिकारों का अर्जन किए जाने के बारे में अतिरिक्त कर सकेगा।

स्पष्टीकरण—इस धारा के अध्यात्मगत यह आपत्ति नहीं मानी जाएगी कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कृषि उत्पादन के लिए स्वयं खनन सक्रियण करना चाहता है और ऐसी सक्रियण केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को सही करनी चाहिए।

(2) उपधारा (1) के अधीन प्रत्येक प्राप्ति, सक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में की जाएगी और सक्षम प्राधिकारी आपत्तिकर्ता को स्वयं सुने जाने का या विधि व्यवसायी द्वारा सुनवाई का प्रक्रम देगा और ऐसी सभी आपत्तियों को सुनने के पश्चात् और अनतिरिक्त जान यदि कोई हो, करने के पश्चात् जो वह आवश्यक समझता है वह या तो धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न टुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में आपत्तियों पर अपनी सिफारिशों और उसके द्वारा की गई कार्यवाही के अभिलेख सहित विभिन्न रिपोर्टें केन्द्रीय सरकार को उसके विचारण के लिए देगा।

(3) इस धारा के प्रयोजनों के लिए वह व्यक्ति किसी भूमि में हितबद्ध समझा जाएगा जो प्रतिकार में हित का दावा करने का हकदार होता, यदि भूमि या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकार इस अधिनियम के अधीन अर्जित कर लिए जाते।"

टिप्पण—3 केन्द्रीय सरकार ने कोयला नियंत्रक, 1, काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता को अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी के रूप में नियुक्त किया है।

अनुसूची "क"

देउलबेरा दक्षिण-पूर्व विस्तारण ब्लॉक

(नवंबर कोयला क्षेत्र)

जिला घेनकावात, उड़ीसा

रेखांक राजस्व/81/79, तारीख 6-11-79

(जिसमें अर्जित की जाने वाली भूमि दर्शित की गई है)

सभी अधिकार

क्र.सं.	ग्राम	पाना	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियाँ
1.	निजोगढ़ जैमे	तलबेर (नगर) सदर	घेनकावात		भागतः
					कुल क्षेत्र : 6.25 एकड़ (लगभग) या 2.52 हेक्टेयर (लगभग)

ग्राम निजोगढ़ जैमे में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक :

791 (भाग), 794 (भाग), 795 (भाग), 796 (भाग), 797 (भाग), 835 (भाग), 837 (भाग), 991 (भाग), और 992 (भाग)।

सीमा विवरणः

आ-आ	रेखा ग्राम निजोगढ़ जैमे में प्लॉट सं० 795, 794, 791 (जो खनन अधिकार क्षेत्र के साथ जैमे सामान्य सीमा बनाती है) से होती हुई जाती है।
आ-ट	रेखा ग्राम निजोगढ़ जैमे से प्लॉट सं० 791 और 992 (जो खनन अधिकार क्षेत्र के साथ सामान्य सीमा बनाती है) से होती हुई जाती है।
ट-ट	रेखा ग्राम निजोगढ़ जैमे में प्लॉट सं० 992, 991, 794 से होती हुई और प्लॉट सं० 835 और 838 की भागतः सामान्य सीमा के साथ-साथ (जो खनन अधिकार क्षेत्र के साथ सामान्य सीमा बनाती है) जाती है।
ट-आ	रेखा ग्राम निजोगढ़ जैमे में प्लॉट सं० 835, 837, 797, 796 और 795 (जो खनन अधिकार क्षेत्र के साथ सामान्य सीमा बनाती है) से होती हुई जाती है और आरंभिक बिन्दु पर मिलती है।

अनुसूची "ख"

देउलबेरा दक्षिण-पूर्व विस्तारण ब्लॉक

(नवंबर कोयला क्षेत्र)

जिला घेनकावात, उड़ीसा

रेखांक राजस्व/81/79, तारीख 6-11-79

(जिसमें वह भूमि दर्शित की गई है जिसमें खनन, खदान, बेघन, खोदने और उसमें से

खनिज की तलाश करने, प्राप्त करने, उनपर कार्य करने और उन्हें से जाने के अधिकार अर्जित किए जाने हैं)

खनिज अधिकार

क्र.सं.	ग्राम	थाना	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियाँ
1.	निजीगढ़ जैमे	तलवेर (नगर)	घेनकानाल		भागतः
2.	निजीगढ़ (तलवेर नगर)	तलवेर (नगर)	घेनकानाल		भागतः
3.	गोपीनाथपुर	तलवेर (नगर)	घेनकानाल		भागतः
4.	रेमूआ	तलवेर (नगर)	घेनकानाल		भागतः
कुल क्षेत्र: 523.75 एकड़ (लगभग) या 211.95 हेक्टेयर (लगभग)					

ग्राम निजीगढ़ जैमे में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक :

139 (भाग), 140 (भाग), 145 (भाग), 146 (भाग), 147 (भाग), 148 से 160, 161 (भाग), 164 (भाग), 175 (भाग), 181 (भाग), 183 (भाग), 184 (भाग), 185 से 215, 216 (भाग), 217, 218 (भाग), 219 (भाग), 220 (भाग), 221 (भाग), 305 (भाग), 306 (भाग), 307 (भाग), 308 से 452, 453 (भाग), 454, 455 (भाग), 456 (भाग), 547 (भाग), 548 (भाग), 549 से 553, 554 (भाग), 555 (भाग), 621 (भाग), 622 (भाग), 623 (भाग), 624 (भाग), 625 (भाग), 633 (भाग), 634, 635, 636, 637 (भाग), 638 से 662, 663 (भाग), 664 से 737, 738 (भाग), 739 (भाग), 758 (भाग), 759 (भाग), 760 (भाग), 761 से 790, 791 (भाग), 792, 793, 794 (भाग), 795 (भाग), 796 (भाग), 797 (भाग), 798, 799, 800 (भाग), 801 से 834, 835 (भाग), 836, 837 (भाग), 838 से 902, 903 (भाग), 904 से 990, 991 (भाग), 992 (भाग), 993 से 1015, 1016 (भाग), 1024 (भाग), 1033 (भाग), 1034 (भाग), 1035 से 1074, 1075 (भाग), 1076 (भाग), 1079 (भाग), 1080 से 1140, 1141 (भाग), 1142 (भाग), 1143 से 1159, 1160 (भाग), 1161 (भाग), 1172 (भाग), 1173 (भाग), 1174 (भाग), 1176 (भाग), 1177 (भाग), 1178 (भाग), 1179 (भाग), 1180 (भाग), 1181 से 1278, 1279 (भाग), 2480 (भाग), 2857 (भाग), 2858 (भाग), 2859, 2865 (भाग), 3026 (भाग), 3029, 3032, 3033, 3034, 3041, 3044, 3048, 3049 (भाग), 3063 से 3067, 3069, 3070, 3071, 3084, 3085, 3086, 3087, 3088, 3089, 3100, 3102, से 3104, 3105 (भाग), 3106 (भाग), 3121, 3128, 3129, 3144, 3185, 3186, 3194, 3195, 3196, 3209, 3213, 3215, 3218.

ग्राम निजीगढ़ (तलवेर नगर) में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक :

118 (भाग), 127 (भाग), 128 (भाग), 129 (भाग), 130 (भाग), 416 (भाग), 417 (भाग), 418 (भाग), 419 (भाग), 420 (भाग), 421 (भाग), 422 (भाग), 423 (भाग), 426 (भाग), 427 (भाग), 428 (भाग), 429 (भाग), 430 (भाग), 431 से 455, 456 (भाग), 457 (भाग), 458 से 462, 463 (भाग), 464, 465, 466, 467, 468 (भाग), 469, 470, 471, 472 (भाग), 473 (भाग), 474, 475, 476, 477 (भाग), 478 (भाग),

479 से 482, 483 (भाग), 484 487 और 488 के बीच असंख्यांकित प्लॉट (भाग), 498 और 494, 495 और 496, 499 और 500, 501 (भाग), 507 (भाग), 553 (भाग), 554 (भाग), 556 (भाग), 560, 561, 562 (भाग), 565 (भाग), 566, 567, 568, 569, 570 (भाग), 572, 573 (भाग), 574, 575, 576 (भाग), 577 (भाग), 578 से 581, 582 (भाग), 583 से 820, 821 (भाग), 822 (भाग), 829 (भाग), 830 (भाग), 831 (भाग), 834 (भाग), 835 (भाग), 838 (भाग), 839 (भाग) 840 से 1059, 1060 (भाग), 1061 (भाग), 1062 (भाग), 1063 से 1070, 1071 (भाग), 1072, 1073 (भाग), 1074 (भाग), 1075 (भाग), 1077 (भाग), 1104 (भाग), 1106 (भाग), 1107 (भाग), 1108, 1109 (भाग), 1110 (भाग), 1111, 1112, 1113 (भाग), 1114, 1115 (भाग), 1116 (भाग), 1104 और 1101 के बीच असंख्यांकित प्लॉट (भाग), 1104 और 1113, 1104 और 1114, 1117, 1118, 1119, 1120, 1121, 1122, 1123, 1124, 1125, 1126 (भाग), 1127 (भाग), 1128 से 1191, 1192 (भाग), 1193 (भाग), 1194 (भाग), 1196 (भाग), 1197 से 1203, 1204 (भाग), 1205 से 1208, 1209 (भाग), 1210 (भाग), 1211 (भाग), 1212 से 1217, 1218 (भाग), 1227 (भाग), 1228 (भाग), 1229 (भाग), 1230 (भाग), 1231 (भाग), 1232 (भाग), 1233 (भाग), 1234 से 1242, 1243 (भाग), 1244 (भाग), 1245, 1246 (भाग), 1247, 1248 (भाग), 1249, 1250, 1251 (भाग), 1252 (भाग), 1253, 1254, 1255 (भाग), 1256 (भाग), 1257, 1258, 1259 (भाग), 1260 (भाग), 1261, 1262, 1263 (भाग), 1264 (भाग), 1265, 1266, 1267 (भाग), 1268 (भाग), 1269, 1270, 1271 (भाग), 1272 (भाग), 1273, 1274, 1275 (भाग), 1276 (भाग), 1277, 1278, 1279 (भाग), 1280, 1291 (भाग), 2392 (भाग), 2393 (भाग), 2394 (भाग), 2401 (भाग), 2402 (भाग), 2403 (भाग), 2404 (भाग), 2405 (भाग), 2406 (भाग), 2407 से 2411, 2412 (भाग), 2413 (भाग), 2414, 2415, 2416, 2417, 2418 (भाग), 2422 (भाग), 2423 (भाग), 2424 (भाग), 2425 (भाग), 2426 (भाग), 2427, 2428 (भाग), 2429, 2430 (भाग), 2431 से 2454, 2455 (भाग), 2456, 2457 (भाग), 2459 (भाग), 2460 (भाग), 2467 (भाग), 2468 (भाग), 2469 (भाग), 2470, 2471, 2472, 2473 (भाग), 2474 (भाग), 2475, 2476, 2477, 2478 (भाग), 2479 (भाग), 2480, 2481 (भाग), 2482 (भाग), 2499 (भाग), 2500 (भाग), 2501 (भाग), 3085 (भाग), 3089 (भाग), 3090, 3091 (भाग), 3096 (भाग), 3112 (भाग), 3113 (भाग), 3114 (भाग), 3115 (भाग), 3116 (भाग), 3119 (भाग), 3120 (भाग), 3121 (भाग), 3122 (भाग), 3123 (भाग), 3124 (भाग), 3125 से 3128, 3129 (भाग), 3130 (भाग), 3131 (भाग), 3132 (भाग), 3133, 3134, 3135 (भाग), 3136 से 3145, 3146 (भाग), 3147 से 3151, 3152 (भाग), 3153 (भाग), 3154 (भाग), 3158 (भाग), 3184 (भाग), 3202 (भाग), 3203 (भाग), 3213, 3217, 3218 (भाग), 3222, 3223, 3225, 3226, 3988.

ग्राम गोपीनाथपुर में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक :

1 से 58, 59 (भाग), 63 (भाग), 64 से 69, 70 (भाग), 78 (भाग), 79 (भाग), 80 (भाग), 81 से 120, 121 (भाग), 122 से 137, 138 (भाग), 139 (भाग), 144, 145, 146, 147 (भाग), 148 से 219, 220 (भाग), 221 से 229, 230 (भाग), 231 (भाग), 232 (भाग), 233 (भाग), 255 (भाग), 256 से 259, 260 (भाग), 261 (भाग), 262, 268, 264 (भाग), 265 (भाग), 272 (भाग), 274, 278, 279, 302, 305, 307, 308, 309, 310 (भाग), 372 (भाग), और ग्राम गोपीनाथपुर में सड़क के पूर्वी और पूर्ण या मार्ग कुछ असंख्यांकित प्लॉट ।

ग्राम रेमुआ में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक :

184 (भाग), 246 (भाग), 247 (भाग), 248 (भाग), 249 (भाग), 250 (भाग), 265 (भाग), 266 (भाग), 267 (भाग), 268 से 278, 279 (भाग), 280 से 285, 286 (भाग), 287 (भाग), 288 से 294, 295 (भाग), 296, 297 (भाग), 298 (भाग), 299, 300 (भाग), 301 (भाग), 304 (भाग), 306 (भाग), 307 (भाग), 309 से 422, 423 (भाग), 424 से 433, 434 (भाग), 435 से 449, 450 (भाग), 451, 452 (भाग), 453 (भाग), 455 (भाग), 456 (भाग), 474 (भाग), 482 (भाग), 483, 484 (भाग), 485 (भाग), 486 (भाग), 487 (भाग), 488 (भाग), 489, 490, 496, 492, 493 (भाग), 494, 495 (भाग), 497 (भाग), 498 (भाग), 499 (भाग), 500 (भाग), 501 (भाग) 518 (भाग), 519 (भाग), 546 (भाग), 548 (भाग), 549 (भाग), 609 (भाग), 613 (भाग), 614 (भाग), 615, 617 (भाग), 618 (भाग), 619, 620 (भाग), 621 से 631, 632 (भाग), 633 से 651, 652 (भाग), 653 से 658, 662 (भाग), और कुछ असंख्यांकित प्लाट ।

सीमा विवरण :

क—ख—ग रेखा ग्राम रेमुआ में प्लाट सं० 265, 184, 250, 249, 248, 247, 246, 498, 496, 501, 500, 499, 545, 546, 548, 518, 519 से होती हुई जाती है ।

ग—घ—ङ रेखा ग्राम रेमुआ में प्लाट सं० 423, 456, 455, 450, 662, 453, 452, 609, 434, 614, 613, 617, 618, 620, 632, 652 से होकर प्लाट सं० 422 की भागतः दक्षिणी सीमा के असंख्यांकित प्लाट के साथ साथ प्लाट सं० 519, 518, 549, 545, 498, 497, 488, 497, 486, 485, 484, 482, 474 से होती हुई, ग्राम निजीगढ़ जैसे में प्लाट सं० 738, 739, 760, 759, 758, 1018, 1024, 1034, 1033, 1075, 1076, 1079, 1297, 3218, 3106, 3105, 3049, 2480, 2858, 2857, 2865 से होकर प्लाट सं० 631 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं० 218, 219, 221, 220, 305, 306, 307, 453, 455, 456, 548, 547, 554, 555, 663, 621, 622, 623, 624, 637, 625, 633 से होती हुई, ग्राम गोपीनाथपुर में सड़क और कुछ असंख्यांकित प्लाट संख्यांकों से होकर प्लाट सं० 272, 220, 230, 231, 232, 233, 255, 260, 253, 261, 372, 265, 310, 264 से होती हुई जाती है ।

ङ—च

रेखा सड़क की पूर्वी और के असंख्यांकित प्लाटों से होती हुई, फिर प्लाट सं० 144 और 145 की पूर्वी सीमा के साथ साथ सड़क, प्लाट सं० 139 से होती हुई, फिर ग्राम गोपीनाथपुर में प्लाट सं० 147, 138, 79, 80, 78, 70, 63, 59 से होती हुई, ग्राम निजीगढ़ जैसे में प्लाट सं० 1172, 1173, 1174, 1176, 1177, 1178, 1179, 1180, 1160, 1161, 1142, 1141 से होती हुई ग्राम निजीगढ़ (तलचेर नगर) में प्लाट सं० 3146, 3158, 3154, 3153, 3152, 3135, 3132, 2430, 2426, 2425, 2424, 2428, 2423, 2422, 2418, 2392, 2393, 2394, 3203, 3202, 2413, 2412, 2401, 2402 से होती हुई जाती है ।

च—छ

रेखा निजीगढ़ जैसे में प्लाट सं० 903 और 800 से होती हुई ग्राम निजीगढ़ जैसे (तलचेर नगर) में प्लाट सं० 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2482, 2481, 2497, 2478, 2499, 2500, 2501, 2474, 2473, 2467, 2468, 2469, 2460, 2455, 2459, 2457, 3130, 3129, 3089, 3085, 3091, 3096, 3124, 3123, 3122, 3121, 3120, 3119, 3121, 3116, 3115, 3112, 3113, 3114 से गुजरती है, फिर ग्राम निजीगढ़ जैसे से (जो देउलबेरा पूर्वी विस्तारण के साथ सामान्य सीमा बनाती है) प्लाट सं० 175 से होती हुई ग्राम रेमुआ में प्लाट सं० 304, 306, 307, 308, 300, 301, 298, 297, से होती हुई ग्राम निजीगढ़ (तलचेर नगर) में प्लाट सं० 1060, 1061, 1062, असंख्यांकित प्लाट 1075, 1074, 1071, 1106, 1109, 1104, 1110, 1113, 1115, 1116, 1126, 1127, 1194, 1192, 1193, 1196, 1204, 1209, 1210, 1211, 1218, 1233, 1232, 1231, 1230, 1229, 1228, 1227, 1243, 1244, 1246, 1248, 1251, 1252, 1255, 1256, 1259, 1260, 1263, 3218, 1264, 1267, 1268, 1271, 1272, 1275, 1276, 1279, 1281, 839, 838, 835, 834, 831, 830, 829, 822, 821, मार्ग 429, 428, 427, 426, 423, 422, 421, 420, 419, 418, 417, 416, 428, 429, 430, 456, 457, 463, 468, 472, 473, 477, 478, 483, कुछ असंख्यांकित प्लाट 484, 501, 507, 553, 554, 582, 577, 576, 570, 565, 562, 559, 130, 129, 128, 127 3184, 118 से होती हुई जाती है ।

छ—ज—क

रेखा ग्राम निजीगढ़ जैसे में प्लाट सं० 175 से होती हुई, फिर ग्राम रेमुआ में प्लाट सं० 295, 279, 287, 286, 279 से होती हुई, ग्राम निजीगढ़ जैसे में प्लाट सं० 181, 184, 183, 164, 161, 147, 146, 145, 3026, 139 से होती हुई, ग्राम रेमुआ में (जो देउलबेरा कोयला खान पट्टा सीमा की सामान्य सीमा भी है) प्लाट सं० 267, 184, 266, और 265 से होती हुई जाती है और आरंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है ।

अनुसूची 'ख'-II

देउलबेरा उत्तरी-पूर्व विस्तारण ब्लाक

(तलचेर कोयला क्षेत्र)

जिला धनकानाल (उड़ीसा)

रेखांक सं० राजस्व/80/79

तारीख 6/11/79

(जिसमें वह भूमि वर्णित की गई है, जिसमें खनन, खदान, बेधन, खोदने और उममें से खनिज की तलाश करने, प्राप्ति करने, उस पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकार अर्जित किए जाने हैं)

क्र०	ग्राम	थाना	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियाँ
सं०					
1	निजीगढ़	तलचेर (नगर)	धनकानाल	भागतः	
	(तलचेर नगर) सबर				
2	रानीपार्क				
	आर० एफ०	यथोक्त	यथोक्त	भागतः	
			कुल क्षेत्र	225.00 एकड़ (लगभग)	
			या	91.05 हेक्टेयर (लगभग)	

ग्राम निजीयत (तलवेर नगर) में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्याक :

1484 (भाग), 1491 (भाग), 1492 (भाग), 1493, 1494 (भाग), 1495, 1496 (भाग), 1497 (भाग), 1498 (भाग), 1501 (भाग), 1502 (भाग), 1519 (भाग), 1520 (भाग), 1521 (भाग), 1526 (भाग), 1527 (भाग), 1528, 1529 (भाग), 1530, 1531 (भाग), 1532 से 1545, 1546 (भाग), 1547 से 1595, 1596 (भाग), 1597 से 1603, 1661 (भाग), 1662 (भाग), 1663, 1664, 1665 (भाग), 1666 (भाग), 1672 (भाग), 1673, 1674, 1675, 1676 (भाग), 1677, 1693 (भाग), 1695, 1696 (भाग), 1697 (भाग), 1698 (भाग), 1699, 1700 से 1715, 1716 (भाग), 1717 से 1720, 1722 (भाग), 1723 (भाग), 1793 से 1833, 1834 (भाग), 1835, 1838 (भाग), 1849 (भाग), 1850, (भाग), 1851 से 1872, 1873 (भाग), 1874 (भाग), 1875, 1876, (भाग), 1878 (भाग), 1907 (भाग), 1908, 1913 (भाग), 1914 से 1932, 1933 (भाग), 1934, 1935, 1936 (भाग), 1937 (भाग), 1938, 2014 (भाग), 2016 (भाग), 2035 (भाग), 2036 (भाग), 2037 (भाग), 2038 से 2045, 2046 (भाग), 2048 (भाग), 2049 (भाग), 2050 (भाग), 2082 (भाग), 2083 (भाग), 2084 (भाग), 3196.

ग्राम रानीपार्क धार० एक० में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्याक :

17 (भाग), 39 (भाग), 40 (भाग), 41 (भाग), 42, 43 (भाग), 44 (भाग), 47 (भाग), 48 (भाग), 49 (भाग), 50 (भाग), और 57 (भाग).

सीमा विवरण :

क-ख रेखा ग्राम रानीपार्क (धार० एक०) में प्लाट सं० 57 से होकर, फिर ग्राम निजीयत (तलवेर नगर) में प्लाट सं० 1526, 1527, 1529, 1531, 1546, 1521, 1520, 1519, 1502, 1501, 1498, 1497, 1496, 1131, 1492, फिर 1491, 1484, 2084, 2093, 2092, 2016, 2048, 2049, 2050, 2037, 2014, 2016 से होकर जाती है।

ख-ग रेखा प्लाट सं० 2016, 2035, 2036, 1937, 1936, 1933, 1913, 1907, 1878, 1876, 1874, 1873, 1850, 1849, 1834, 1836, प्लाट सं० 1834, 1793 की पूर्वी सीमा से होकर जाती है। फिर ग्राम निजीयत (तलवेर नगर) में प्लाट संख्या 1834, 1716, 1723, 1722, 1698, 1697, 1696, 1693, 1676, 1661, 1662 से होकर जाती है।

ग-घ रेखा ग्राम निजीयत (तलवेर नगर) में प्लाट सं० 1662, 1665, 1666, 1672, 1596, से होकर फिर ग्राम रानीपार्क (धार० एक०) में प्लाट सं० 39, 40, 41, 43, 44, 47, 48, 49, 17 से होकर जाती है।

घ-क रेखा ग्राम रानीपार्क (धार० एक०) में प्लाट सं० 17, 50, 57 से होकर जाती है और धारमिनिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[सं० 19(8)/80-सी एल०]

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 10th November, 1980

S.O.3294.—Whereas by the notification of the Government of India in the late Ministry of Energy (Department of Coal) No.S.O. 1395 dated the 28th April, 1979, under sub-section (f) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 755.00 acres (approximately) or 305.53 hectares (approximately) of the lands in the locality specified in the Schedule appended to that notification;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in the said lands;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire:—

(a) the lands measuring 6.25 acres (approx.) or 2.52 hectares (approx) described in Schedule 'A' appended hereto and

(b) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands measuring 748.75 acres (approximately) or 303.00 hectares (approximately) described in Schedule 'B' appended hereto.

Note 1: The plan of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Additional District Magistrate, Dhenkanal (Orissa), or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta-700001 or in the Office of the Central Coal-fields Ltd., Revenue Section, Darbhanga House, Ranchi-834001.

Note 2: Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, (20 of 1957), which provides as follows:—

Object on to acquisition:—

8.“(1) Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land.

Explanation: It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

(2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing, and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further inquiry, if any, as he thinks necessary, either make a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section 7 or of rights in or over such land, or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendations on the objections, together with the record of the proceedings held by him, for the decision of that Government.

(3) For the purposes of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act.”

Note 3: The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta has been appointed by the Central Government as the competent authority under the Act.

SCHEDULE A

Deulbera South-East Extension Block,

(Talcher Coalfield)

District Dhenkanal, Orissa

ALL RIGHTS Drg. Rev/81/79 dt. 6-11-79
(showing lands to be acquired)

Sl. No.	Village	Thana or P.S.	District	Area	Remarks
1.	Nizigarh Jamme	Talcher (Town) Sadar	Dhenkanal		Part.

Total area : 6.25 acres (Approximately)
or 2.52 hectares (Approximately)

Plot numbers to be acquired in village Nizigarh Jamme:

791(P), 794(P), 795(P), 796(P), 797(P), 835(P), 837(P), 991(P) and 992(P).

Boundary description :

I—J	Line passes through plot Nos. 795, 794, 791 (which forms common boundary with mining right area) in village Nizigarh Jamme.
J—K	Line passes through plot Nos. 791, & 992 (which forms common boundary with mining right area) in village Nizigarh Jamme.
K—L	Line passes through plot Nos. 992, 991, 794 and along the part common boundary of plot No. 835 & 838 (which form common boundary with mining right area) in village Nizigarh Jamme.
L—I	Line passes through plot Nos. 835, 837, 797, 796 & 795 (which forms common boundary with mining right area) in village Nizigarh Jamme and meets at starting point I.

SCHEDULE B—I

Deulbera South-East Extension Block,

(Talcher Coalfield),

District Dhenkanal, Orissa

MINING RIGHTS Drg. Rev/81/79 dt. 6-11-79
(showing lands where rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work & carry away minerals are to be acquired).

Sl. No.	Village	Thana or P.S.	District	Area	Remarks
1.	Nizigarh Jamme	Talcher (Town)	Dhenkanal		Part
2.	Nizigarh (Talcher Town)	-do-	-do-		Part
3.	Gopinathpur	-do-	-do-		Part
4.	Remua	-do-	-do-		Part

Total area : 523.75 acres (approximately) or
211.95 hectares (approximately).

Plot numbers to be acquired in village Nizigarh Jamme:

139(P), 140, 145(P), 146(P), 147(P), 148 to 160, 161(P), 164(P), 175(P), 181(P), 183(P), 184(P), 185 to 215, 216(P), 217

218(P), 219(P), 220(P), 221(P), 305(P), 306(P), 307(P), 308 to 452, 453(P), 454, 455(P), 456(P), 547 (P), 548(P), 549 to 553, 554(P), 555(P), 621(P), 622(P), 623(P), 624(P), 625(P), 633(P), 634, 635, 636, 637(P), 638 to 662, 663(P), 664 to 737, 738(P), 739(P), 758(P), 759(P), 760(P), 761 to 790, 791(P), 792, 793, 794(P), 795(P), 796(P), 797(P), 798, 799, 800(P), 801 to 834, 835(P), 836, 837(P), 838 to 902, 903(P), 904 to 990, 991(P), 992(P), 993 to 1015, 1016(P), 1024(P), 1033(P), 1034(P), 1035 to 1074, 1075(P), 1076(P), 1079(P), 1080 to 1140, 1141(P), 1142(P), 1143 to 1159, 1160(P), 1161(P), 1172(P), 1173(P), 1174(P), 1176(P), 1177(P), 1178(P), 1179(P), 1180(P), 1181 to 1278, 1279(P), 2480(P), 2857(P), 2858(P), 2859, 2865(P), 3026(P), 3029, 3032, 3033, 3034, 3041, 3044, 3048, 3049(P), 3063 to 3067, 3069, 3070, 3071, 3084, 3085, 3086, 3087, 3088, 3089, 3100, 3102 to 3104, 3105(P), 3106(P), 3121, 3128, 3129, 3144, 3185, 3186, 3194, 3195, 3196, 3209, 3213, 3215 and 3218.

Plot numbers to be acquired in village Nizigarh (Talcher Town):

118(P), 127(P), 128(P), 129(P), 130(P), 416(P), 417(P), 418(P), 419(P), 420(P), 421(P), 422(P), 423(P), 426(P), 427(P), 428(P), 429(P), 430(P), 431 to 455, 456(P), 457(P), 458 to 462, 463(P), 464, 465, 466, 467, 468(P), 469, 470, 471, 472(P), 473(P), 474, 475, 476, 477(P), 478(P), 479 to 482, 483(P), 484(P), 485, 486, 487, un-numbered Plot (P) between 487 and 488, 493, and 494, 495 and 496, 499 & 500, 494, 495, 500, 501(P), 507(P), 553(P), 554(P), 559(P), 560, 561, 562(P), 565(P), 566, 567, 568, 569, 570(P), 572, 573(P), 574, 575, 576(P), 577(P), 578 to 581, 582(P), 583 to 820, 821(P), 822(P), 829(P), 830(P), 831(P), 834(P), 835(P), 838(P), 839(P), 840 to 1059, 1060(P), 1061(P), 1062(P), 1063 to 1070, 1071(P), 1072, 1073(P), 1074(P), 1075(P), 1077(P), 1104(P), 1106(P), 1107, 1108, 1109(P), 1110(P), 1111, 1112, 1113(P), 1114, 1115(P), 1116(P), un-numbered plot (P), between 1104 & 1101, 1104 & 1113, 1104 & 1114, 1117, 1118, 1119, 1120, 1121, 1122, 1123, 1124, 1125, 1126(P), 1127(P), 1128 to 1191, 1192(P), 1193(P), 1194(P), 1196(P), 1197 to 1203, 1204(P), 1205 to 1208, 1209(P), 1210(P), 1211(P), 1212 to 1217, 1218(P), 1227(P), 1228(P), 1229(P), 1230(P), 1231(P), 1232(P), 1233(P), 1234 to 1242, 1243(P), 1244(P), 1245, 1246(P), 1247, 1248(P), 1249, 1250, 1251(P), 1252(P), 1253, 1254, 1255(P), 1256(P), 1257, 1258, 1259(P), 1260(P), 1261, 1262, 1263(P), 1264(P), 1265, 1266, 1267(P), 1268(P), 1269, 1270, 1271(P), 1272(P), 1273, 1274, 1275(P), 1276(P), 1277, 1278, 1279(P), 1280, 1281(P), 2392(P), 2393(P), 2394(P), 2401(P), 2402(P), 2403(P), 2404(P), 2405(P), 2406(P), 2407(P) to 2411, 2412(P), 2413(P), 2414, 2415, 2416, 2417, 2418(P), 2422(P), 2423(P), 2424(P), 2425(P), 2426(P), 2427, 2428(P), 2429, 2430(P), 2431 to 2454, 2455(P), 2456, 2457(P), 2459(P), 2460(P), 2467(P), 2468(P), 2469(P), 2470, 2471, 2472, 2473(P), 2474(P), 2475, 2476, 2477, 2478(P), 2479(P), 2480, 2481(P), 2482(P), 2499(P), 2500(P), 2501(P), 3085(P), 3089(P), 3090, 3091(P), 3096(P), 3112(P), 3113(P), 3114(P), 3115(P), 3116(P), 3119(P), 3120(P), 3121(P), 3122(P), 3123(P), 3124(P), 3125 to 3128, 3129(P), 3130(P), 3131, 3132(P), 3133, 3134, 3135(P), 3136 to 3145, 3146(P), 3147 to 3151, 3152(P), 3153(P), 3154(P), 3158(P), 3184(P), 3202(P), 3203(P), 3213, 3217, 3218(P), 3222 to 3223, 3225, 3226, 3938.

Plot numbers to be acquired in village Gopinathpur:—

1 to 58, 59(P), 63(P), 64 to 69, 70(P), 78(P), 79(P), 80(P), 81 to 120, 121(P), 122 to 137, 138(P), 139(P), 144, 145, 146, 147 (P), 148 to 219, 220(P), 221 to 229, 230(P), 231(P), 232(P), 233(P), 255(P), 256 to 259, 260(P), 261(P), 262, 263, 264(P), 265(P), 272(P), 274, 278, 270, 302, 305, 307, 308, 309, 310 (P), 372(P), and some un-numbered plots full or parts falling east of the road in village Gopinathpur.

Plot numbers to be acquired in village Remua:—

184(P), 246(P), 247(P), 248(P), 249(P), 250(P), 265(P), 266 (P), 267(P), 268 to 278, 279(P), 280 to 285, 286(P), 287(P), 288 to 294, 295(P), 296, 297(P), 298(P), 299, 300(P), 301(P), 304(P), 306(P), 307(P), 309 to 422, 423(P), 424 to 433, 434(P), 435 to

449, 450(P), 451, 452(P), 453(P), 455(P), 456(P), 474(P), 482(P), 483, 484(P), 485(P), 486(P), 487(P), 488(P), 489, 490, 491, 493(P), 494, 496(P), 497(P), 498(P), 499(P), 500(P), 501(P), 518(P), 519(P), 545(P), 546(P), 548(P), 549(P), 609(P), 613(P), 614(P), 615, 617(P), 618(P), 619, 620(P), 621 to 631, 632(P), 633 to 651, 652(P), 653 to 658, 662(P), and some un-numbered plots.

Boundary description :

A—B—C line pass through plots numbers: 265, 184, 250, 249, 248, 247, 246, 493, 496, 501, 500, 499, 545, 546, 548, 518, 519 in village Remua.

C—D—E line pass through plot numbers : 519, 518, 549, 545, 498, 497, 488, 487, 486, 485, 484, 482, 474 un-numbered plot along part southern boundary of plot number 422 through plot number 423 456, 455, 450, 662, 453, 452, 609, 434, 614, 613, 617, 618, 620, 632, 652 in village Remua through plot numbers 218, 219, 221, 220, 305, 306, 307, 453, 455, 456, 548, 547, 554, 555, 663, 621, 622, 623, 624, 637, 625, 633 along northern boundary of plot number 631, through plot numbers 738, 739, 760, 759, 758, 1016, 1024, 1034, 1033, 1075, 1076, 1079, 1279, 3218, 3106, 3105, 3049, 2480, 2858, 2857, 2865 in village Nizigarh Jamee, through plot numbers : 272, 220, 230, 231, 232, 233, 255, 260, 253, 261, 372, 265, 310, 264, Road and through some un-numbered plots in village Gopinathpur.

E—F Line passes through un-numbered plots eastern side of the road, then through road, plot number 139 along the eastern boundary of the plot numbers 144 & 145 then through plot numbers 147, 138, 79, 80, 78, 70, 63, 59 in village Gopinathpur, through plot numbers 1172, 1173, 1174, 1176, 1177, 1178, 1179, 1180, 1160, 1161, 1142, 1141 in village Nizigarh Jamee, through plot numbers 3146, 3158, 3154, 3153, 3152, 3135, 3132, 2430, 2426, 2425, 2424, 2428, 2423, 2422, 2418, 2392, 2393, 2394, 3203, 3202, 2413, 2412, 2401, 2402, in village Nizigarh (Talcher Town).

F—G Line passes through plot numbers 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2482, 2481, 2479, 2478, 2499, 2500, 2501, 2474, 2473, 2467, 2468, 2469, 2460, 2455, 2459, 2457, 3130, 3129, 3089, 3085, 3091, 3096, 3124, 3123, 3122, 3121, 3120, 3119, 3121, 3116, 3115, 3112, 3113, 3114 in village Nizigarh (Talcher Town) through plot numbers 903 & 800 in village Nizigarh Jamee then through plot numbers. 1060, 1061, 1062 un-numbered plot 1075, 1074, 1071, 1106, 1109, 1104, 1110, 1113, 1115, 1116, 1126, 1127, 1194, 1192, 1193, 1196, 1204, 1209, 1210, 1211, 1218, 1233, 1232, 1231, 1230, 1229, 1228, 1227, 1243, 1244, 1246, 1248, 1251, 1252, 1255, 1256, 1259, 1260, 1263, 3218, 1264, 1267, 1268, 1271, 1272, 1275, 1276, 1279, 1281, 839, 838, 835, 834, 831, 830, 829, 822, 821, Road 429, 428, 427, 426, 423, 422, 421, 420, 419, 418, 417, 416, 428, 429, 430, 456, 457, 463, 468, 472, 473, 477, 478, 483, some un-num-

bered plots 484, 501, 507, 553, 554, 582, 577, 576, 570, 565, 562, 559, 130, 129, 128, 127, 3184, 118, in village Nizigarh (Talcher Town) through plot numbers 304, 306, 307, 306, 300, 301, 298, 297, in village Remua through plot numbers 175, in village Nizigarh Jamee (which forms common boundary with Deulbera East Extension)

G—H—A

Lines pass through plot number 175 in village Nizigarh Jamee, then through plot numbers 295, 279, 287, 286, 279, in village Remua through plot numbers 181, 184, 183, 164, 161, 147, 146, 145, 3026, 139 in village Nizigarh Jamee, through plot numbers 267, 184, 266 & 265 in village Remua (which forms common boundary of Deulbera Colliery lease boundary) and meets at starting point 'A'.

SCHEDULE B

Deulbera North-East Extension Block

(Talcher Coalfield)

Dist. Dhenkanal, (Orissa)

Drg. No. Rev/80/79
dated 6-11-79

(showing lands where rights to mine, quarry, bore, dig and search for win, work & carry away minerals are to be acquired).

MINING RIGHTS

Sl. Village No.	Thana or P.S.	District	Area	Remarks
1. Nizigarh (Talcher Town)	Talcher Town Sadar	Dhenkanal		Part
2. Rani Park R.F.	-do-	-do-		Part
Total area :				225.00 acres (approximately) or 91.05 Hectares (approximately)

Plot numbers to be acquired in village Nizigarh (Talcher Town):

1484(P), 1491(P), 1492(P), 1493, 1494 (P), 1495, 1496(P), 1497(P), 1498(P), 1501(P), 1502(P), 1519(P), 1520(P), 1521(P), 1526(P), 1527(P), 1528, 1529(P), 1530, 1531(P), 1532 to 1545, 1546(P), 1547 to 1595, 1596(P), 1597 to 1603, 1661(P), 1662(P), 1663, 1664, 1665(P), 1666(P), 1672(P), 1673, 1674, 1675, 1676 (P), 1677, 1693(P), 1695, 1696(P), 1697(P), 1698(P), 1699, 1700, to 1715, 1716(P), 1717 to 1720, 1722(P), 1723(P), 1793 to 1833, 1834(P), 1835, 1836(P), 1849(P), 1850(P), 1851 to 1872, 1873(P), 1874(P), 1875, 1876(P), 1878(P), 1907(P), 1908, 1913(P), 1914 to 1932, 1933(P), 1934, 1935, 1936(P), 1937(P), 1938, 2014(P), 2016(P), 2035(P), 2036(P), 2037(P), 2038 to 2045, 2046(P), 2048 (P), 2049(P), 2050(P), 2082(P), 2083(P), 2084(P) and 3196.

Plot numbers to be acquired in village Rani Park R.F. :

17(P), 39(P), 40(P), 41(P), 42, 43(P), 44(P), 47(P), 48(P), 49(P), 50(P) and 57(P).

Boundary description :-

A-B

Line passes through plot No. 57 in village Rani Park (R.F.) then through plot numbers 1526, 1527, 1529, 1531 1546, 1521, 1520, 1519, 1502, 1501, 1498, 1497, 1496, 1491, 1492, again 1491, 1484, 2084, 2083, 2082, 2046, 2048, 2049, 2050, 2037, 2014, 2016 in village Nizigarh (Talcher Town).

B-C	Line passes through plot Nos. 2016, 035, 2036, 1937, 1936, 1933, 1913, 1907, 1878, 1876, 1874, 1873, 1850, 1849, 1834, 1836 Eastern Boundary of plot Nos. 1834 and 1798 then through plot Nos. 1834, 1716, 1723, 1722, 1698, 1697, 1696, 1693, 1676, 1661, 1662 in village Nizigarh (Talcher Town).
C-D	Line passes through plot numbers 1662, 1665, 1666, 1672, 1596, in village Nizigarh (Talcher Town) then through plot Nos. 39, 40, 41, 43, 44, 47, 48, 49, 17 in village Rani Park (R.F.).
D-A	Line passes through plot numbers 17, 50, 57 in village Rani Park (R.F.) and meets at starting point A.

[No. 19(8)/80-CL.]

का० धा० 3295.—केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (प्रार्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के उर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० का० धा० 2959, तारीख 1 सितम्बर, 1979 द्वारा उस अधिसूचना से उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि और अधिकारों के प्रार्जन के अपने प्राणय की सूचना दी थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और केन्द्रीय सरकार का, सक्षम प्राधिकारी की रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और बिहार से परामर्श करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि :—

(क) इससे उपाखण्ड अनुसूची "क" में वर्णित 1211.00 एकड़ (लगभग) या 490.06 हेक्टेयर (लगभग) माप की भूमि ; और

(ख) इससे उपाखण्ड अनुसूची "ख" में वर्णित 404.00 एकड़ (लगभग) या 163.49 हेक्टेयर (लगभग) माप की भूमि में खनिजों के खनन, खदान, बेचने, खोदने और निष्कासन, खुदाई करने और ले जाने के अधिकार का प्रार्जन किया जाता चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त अनुसूची "क" में वर्णित 1211.00 एकड़ (लगभग) या 490.06 हेक्टेयर (लगभग) माप की भूमि और उक्त अनुसूची "ख" में वर्णित 404.00 एकड़ (लगभग) या 163.49 हेक्टेयर (लगभग) माप की भूमि में खनिजों के खनन, खदान, बेचने, खोदने और सलाह निष्कासन, खुदाई और ले जाने के अधिकार के प्रार्जन की घोषणा करती है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र में रेखांक का निरीक्षण उपायुक्त गिरिडीह (बिहार) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक-1, कार्गिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में या सेन्ट्रल कॉलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) दरभंगा हाउस, रांची (बिहार) के कार्यालय में किया जा सकता है।

940 GI/80-6.

अनुसूची "क"

गोबिन्दपुर खण्ड

(पूर्वी बोरारों कोयला क्षेत्र)

गिरिडीह (बिहार)

इकाई सं० रास्त्र 1/80

तारीख 13-1-80

(जिसमें अर्जित की गई भूमि वर्णित है)

सभी अधिकार

क्र० सं०	ग्राम	धाना सं०	जाना सं०	क्षेत्र	टिप्पणियाँ
1	ग्रामों	नवाडीह	11	गिरिडीह	भाग
2	गोबिन्दपुर	नवाडीह	15	गिरिडीह	भाग

कुल क्षेत्र: 1211.00 एकड़ (लगभग)

या 490.06 हेक्टेयर (लगभग)

ग्रामों प्रांत में अर्जित किए गए प्लॉट को सं० : 758 (भाग)।

गोबिन्दपुर ग्राम में अर्जित किए गए प्लॉटों की संख्या :—

1 (भाग), 2 से 91, 93 (भाग), 219, 220, (भाग) 221 (भाग), 222 (भाग) 223 (भाग), 224, 231, (भाग), 248 (भाग), 249 से 570, 571 (भाग), 572 (भाग), 573 से 578, 579 (भाग), 580 (भाग) 581 से 674, 682 (भाग), 683 से 696, 700 से 702, 703, 704, 710 से 748, 749 (भाग), 825 (भाग), 831 से 839, 840 (भाग), 841 से 935, 936 (भाग), 937 से 1383, 1384 (भाग), 1395, 1386, 1387, 1388 (भाग), 1389 से 1525, 1531 से 1558, 1567 (भाग), 1568 से 1572, 1573 (भाग), 1660 (भाग), 1661 से 1662, 1663 (भाग), 1667, 1679 से 1742, 1744 से 1750 1753, 1754, 1755, (भाग), 1794, 1829 से 1862, 1863 (भाग) 1864 (भाग), 2773, 2774, 2775, 2776, 2777, 2778, 2779, 2780, 2781, 2782 और 2783.

सीमावर्णन :

क—ख

लाइन ग्रामों और गोबिन्दपुर ग्रामों में कुनार नदी के बाएं किनारे के साथ माप जाती है।

ख—ग

लाइन गोबिन्दपुर ग्राम के प्लॉट सं० 1384 में से होकर और प्लॉट सं० 1384 और प्लॉट सं० 1388 की सम्मिश्रित सीमा के एक भाग के साथ साथ प्लॉट सं० 1388 और 1384 में से होकर और तब प्लॉट सं० 1763, 1761, 1760, और 1756, 1445 और 1756, 1455 और 1756 सहित प्लॉट सं० 1384 और 1765, 1384 और 1764, 1428 और 1764, 1426 की सम्मिश्रित सीमा के साथ साथ प्लॉट सं० 1755 में से प्लॉट सं० 1755 और 1752, 1753 और 1752, 1753 और 1751, 1751 और 1750 प्लॉट सं० 1744 और प्लॉट सं० 1751, 1791, 1792 और 1743 की सम्मिश्रित सीमा प्लॉट सं० 1743 और 1732 सहित सामान्य सीमा, प्लॉट सं० 1742 और प्लॉट सं० 1743, 1792, 1795, 1793, 1794 से सम्मिश्रित सीमा से होकर जाती है, प्लॉट सं० 1798 और 1833, 1798 और 1832, 1827 और 1832, 1827 और 1831, 1827 और 1830, 1828 और 1829, 1825 और 1863, की सम्मिश्रित सीमा, प्लॉट सं० 1863 और 1864 में से, प्लॉट सं० 1856, 1689 1688,

1687, 1685, 1682, 1661 सहित प्लाट सं० 1660 की सामान्य सीमा, प्लाट सं० 1660 में से प्लाट सं० 1660 और 1667 और 1668, 1667 और 1673, 1667 और 1666, 1667 और 1665, 1667, 1664 की सम्मिलित सीमा के साथ साथ, प्लाट सं० 1663 में से प्लाट सं० 1663 और 1679, 1678, और 1679, 1678 और 1691, 1678 और 1573 की सामान्य सीमा के साथ साथ प्लाट सं० 1573 और 1567 में से प्लाट सं० 1567 और 1571, 1567, 1570, 1557 और 1566, 1557 और 1565, 1558 और 1559, 1531 और 1530, 1531 और 1529 की सामान्य सीमा के साथ साथ प्लाट संख्या 1528 और 1527, 1522 और 1527, 1523 और 1527, 1523 और 1527, 1524 और 1526, 1525 और 1526 सहित प्लाट सं० 1522, प्लाट सं० 825, में से प्लाट सं० 830 और 831, 836 और 839, 837 और 838 की सम्मिलित सीमा प्लाट सं० 828, 827 और 826 का भाग सहित प्लाट सं० 840 (सड़क) की सम्मिलित सीमा प्लाट सं० 840 (सड़क) में से प्लाट सं० 878, 879, 733, 738, 739, सहित प्लाट सं० 840 (सड़क) की सम्मिलित सीमा, प्लाट सं० 739 और 749 की सम्मिलित सीमा के साथ साथ प्लाट सं० 749 में से, प्लाट सं० 739 और 741 सहित प्लाट सं० 749 (सड़क) की सम्मिलित सीमा प्लाट सं० 749 में से, प्लाट सं० 781, 780, 778, 777, 776, 775, 774, 773, और 751 सहित प्लाट सं० 749 की सम्मिलित सीमा से होकर जाती है।

ग--घ

लाइन गोबिन्दपुर ग्राम के सड़क प्लाट सं० 840 में से होकर तब प्लाट सं० 748 और 749, 748 और 709, 711 और 709, 710 और 709, 710 और 708, 707 और 710, 711 और 707, 704 और 707, 706 और 704, 704 और 701, 704 और 705, 703 और 701, 702 और 701 की सम्मिलित सीमा के साथ साथ, प्लाट सं० 936 सड़क में से, प्लाट सं० 696 और 697, 695 और 697, 694 और 697 की सम्मिलित सीमा के साथ साथ होकर जाती है।

घ--ङ

लाइन गोबिन्दपुर ग्राम के प्लाट सं० 694, 693 692, 691, 690, 683, 674 और 581 सहित प्लाट सं० 682 की सम्मिलित सीमा के साथ साथ प्लाट सं० 682, 580, 579, में से, प्लाट सं० 578 और 572 की सम्मिलित सीमा के साथ साथ प्लाट सं० 671, 572 और 248 में से होकर जाती है।

ङ--च--छ-
ज--झ--ञ-
ट और ठ

लाइन गोबिन्दपुर ग्राम के प्लाट सं० 248, 221, 220, 221, में से होकर, प्लाट सं० 231 और 248 की सम्मिलित सीमा के साथ साथ होकर जाती है।

ठ--क

लाइन गोबिन्दपुर के प्लाट सं० 231 और 223 में से होकर तब प्लाट सं० 224 और 225 की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ प्लाट सं 1 में से

होकर ग्रामों ग्राम के प्लाट सं० 758 में से होकर जाती है और आराधक बिन्दु "क" पर मिलती है।

अनुसूची "ख"

गोबिन्दपुर स्नाक

(पूर्वी बोकारो कोयला क्षेत्र)

गिरिडीह (बिहार)

इंशुग सं० राजस्व 1/80

तारीख 17-1-80

(जिसमें खनिजों के खनन, खदान, केचने, खोदने और तलाश, निष्कासन खुदाई और ले जाने के अधिकार के लिए अर्जित की गई भूमि दक्षित है) खाल खोदने के अधिकार

क्र० सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियां
1	गोबिन्दपुर	नवाडीह	15	गिरिडीह	भाग	
				कुल क्षेत्र	404.00 एकड़ (लगभग)	
				या	163.49 हेक्टेयर (लगभग)	

गोबिन्दपुर ग्राम में अर्जित किए गए प्लाटों की संख्या --

749 (भाग), 750, 751 (भाग), 752 से 824, 825 (भाग), 826, 827, 828, 829, 830, 840 (भाग), 1384 (भाग), 1388 (भाग), 1526, 1527, 1528, 1529, 1530, 1559, से 1566, 1567 (भाग), 1573 (भाग), 1574 से 1659, 1660 (भाग), 1663 (भाग), 1664, 1665, 1666, 1668 से 1678, 1743, 1751, 1752, 1755 (भाग), 1756 से 1793, 1796 से 1828 1863 (भाग), 1864 (भाग), 1865 से 1922, 1925 से 2416, 2417 (भाग), 2418 (भाग), 2419 (भाग), 2420, 2421, 2422, 2423 (भाग), 2424 (भाग), 2425 (भाग), 2426 से 2430 2431 (भाग), 2433 (भाग), 2444 (भाग), 2445 (भाग), 2446 से 2451, 2452 (भाग), 2453 (भाग), 2454 (भाग), 2456 (भाग), 2457 (भाग), 2458 (भाग), 2459 (भाग), 2461 (भाग), 2533 (भाग), 2582 (भाग), 2583 (भाग), 2584, 2585, 2586 (भाग), 2587, 2588, 2589, 2590, 2592 (भाग), 2598, 2599, 2600 (भाग), 2601 से 2660, 2661 (भाग), 2662 से 2666, 2667 (भाग), 2668 (भाग), 2669, 2670 (भाग), 2671 (भाग), 2785, 2786, 2787, 2788, 2789, 2790, 2791, 2792, 2793 (भाग), और 2795.

सीमा वर्णन :

ग--ङ

लाइन गोबिन्दपुर ग्राम में कुनार नदी के बाएं किनारे के साथ साथ जाती है।

ङ--छ

लाइन गोबिन्दपुर ग्राम में बोकारो नदी के बाएं किनारे के साथ साथ जाती है।

छ--ज

लाइन गोबिन्दपुर ग्राम के प्लाट सं० 2661, 2671, 2661, 2670, 2668, 2667, 2600, 2793, 2592, 2600 में से होकर प्लाट सं० 2589 और 2590 की उत्तरी सीमा के साथ साथ प्लाट सं० 2586, 2582, 2583, 2600, 2417, 2633, 2418, 2419, 2423, 2424, 2425, 2431, 2433, 2443, 2444, 2452, 2453, 2454, 2456, 2457, 2458, 2461, 2459 (सड़क), 751, और 749 (सड़क) में से होकर जाती है।

ग—ख लाइन सर्वोधिकार सीमा (स्लाक "ग") के साथ साथ जाती है और प्रारम्भिक बिन्दु "ख" पर मिलती है।

[सं० 19(13)/80-सी.एल.०]

S.O. 3295—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal), S.O. No. 2959, dated the 1st September, 1979, under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to acquire the lands and rights specified in the schedule appended to that notification;

And whereas the competent authority in pursuance of section 8 of the said Act has made its report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the report of the competent authority and after consulting the Government of Bihar, is satisfied that :

- (a) the lands measuring 1211.00 acres (approximately) or 490.06 hectares (approximately) described in schedule 'A' appended hereto, and
- (b) the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands measuring 404.00 acres (approximately) or 163.49 hectares (approximately) described in Schedule 'B' appended hereto.

should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that the lands measuring 1211.00 acres (approximately) or 490.06 hectares (approximately) described in the said schedule 'A' and the right to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands measuring 404.00 acres (approximately) or 163.49 hectares (approximately) described in the said schedule 'B' are hereby acquired.

The plan of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Deputy Commissioner, Giridih (Bihar) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the Office of the Central Coalfields Limited (Revenue Section) Darbhanga House, Ranchi (Bihar).

SCHEDULE 'A'
GOBINDPUR BLOCK
(East Bokaro Coalfields)
GIRIDIH (BIHAR)

Drg. No. Rev 1/80

Dated 17-1-80.

(Sknowing lands acquire)

ALL RIGHT

Serial number	Village	Thana	Thana number	District	Area	Remarks
1.	Armo	Nawadih	11	Girdih	Part	
2.	Goibindpur	"	15	"	"	"
Total area 1211.00 acres (approximately) or 490.06 hectares						"

Plot number acquired in village Armo : -758 (Part).

Plot numbers acquired in village Govindpur :—

1(Part), 2 to 91, 93 to 219, 220 (Part), 221 (Part), 222 (Part)
223 (Part), 224, 231 (Part), 248 (Part), 249 to 570, 571 (Part)

572 (Part), 573 to 578, 579 (Part), 580 (Part), 581 to 674, 682), (Part), 683 to 696, 700 to 702, 703, 704, 710 to 748, 749 (Part), 825 (Part), 831 to 839, 840 (Part), 841 to 935, 936 (Part), 937 to 1383, 1384 (Part), 1385, 1386, 1387, 1388 (Part), 1389 to 1525 1531 to 1558, 1567 (Part), 1568 to 1572, 1573 (Part), 1660 (Part), 1661, 1662, 1663 (Part), 1667, 1679 to 1742, 1744 to 1750, 1753, 1754, 1755 (Part), 1794, 1829 to 1862, 1863 (Part), 1864 (Part) 2773, 2774, 2775, 2776, 2777, 2778, 2779, 2780, 2781, 2782 and 2783.

BOUNDARY DESCRIPTION :—

A-B line passes along the left bank of River Kunar in villages Armo and Gobindpur.

B-C line passes through plot number 1384 and along the part common boundary of plot numbers 1384 and 1388, through plot number 1388 and plot number 1384 and then passes along the common boundary of plot numbers 1384 and 1765, 1384 & 1764 1426 & 1764, 1426 with plot numbers 1763, 1761, 1760 and 1756, 1445 & 1756, 1455 & 1756, through plot number 1755, common boundary with plot numbers 1755 & 1752, 1753 & 1752, 1753 & 1751, 1751 & 1750, plot number 1744 with plot numbers 1751, 1791, 1792 & 1743. Common boundary with plot numbers 1743 & 1732, plot number 1742 with plot numbers 1743, 1792, 1795, 1793 & 1794, Common boundary with plot numbers 1798 & 1833, 1798 & 1832, 1827 & 1832, 1827 & 1831, 1827 & 1830, 1828 & 1829, 1825 & 1863, through plot numbers 1863 and 1864, common boundary of plot number 1660 with plot numbers 1856, 1689, 1688, 1687 1685, 1682 1661, through plot number 1660, along common boundary with plot numbers 1660 & 1667, 1667 & 1668, 1667 1670, 1667, & 1666, 1667 & 1665, 1657 & 1664, through plot number 1663, along common boundary with plot numbers 1663 & 1679, 1678 & 1679, 1678 & 1691 1678 & 1573, through plot number 1573 and 1567 along common boundary of plot numbers 1567 & 1571, 1567 & 1570, 1557 & 1566, 1557 & 1565, 1558 & 1559, 1531 & 1530, 1531 & 1529, plot number 1522 with plot numbers 1528 & 1527, 1522 & 1527, 1523 & 1527, 1523 & 1527, 1524 & 1526, 1525 & 1526, through plot number 825, common boundary with plot numbers 830 to 831, 836 & 839, 837 & 838, common boundary of plot number 840 (Road) with plot numbers 828, 827 and part of 826, through plot number 840 (Road), common boundary of plot number 840 (Road) with plot numbers 878, 879, 733, 738, 739 along common boundary of plot numbers 739 & 749, through plot number 749, common boundary of plot number 749 (Road) with the plot numbers 739 and 741 through plot number 749, common boundary of plot number 749 with the plot numbers 781, 780, 778, 777, 776, 775, 774, 773 & 751 of village Gobindpur.

C-D line passes through Road plot number 840, then along the common boundary of plot numbers 748 & 749, 748 & 709, 711 & 709, 710 & 709, 710 & 708, 707 & 710, 711 & 707, 704 & 707, 706 & 704, 704 & 701, 704 & 705, 703 & 701, 702 & 701, through plot number 936 Road, along common boundary of plot numbers 696 & 697, 695 & 697, 694 & 697 of village Gobindpur.

D-E line passes along the common boundary of plot number 682, with plot numbers 694, 693, 692, 691, 690, 683, 674 & 581, through plot numbers 682, 580, 579, along the common boundary of plot numbers 578 & 572 through plot numbers 571, 572 & 248 of village Gobindpur.

E-F-G-H-I-J-K & L lines pass through plot numbers 248, 221, 220, 221 along common boundary with plot number 231 & 248 of village Gobindpur.

L-A line passes through plot numbers 231 & 223 then along the common boundary of plot numbers 224 & 225, through plot number 1 of village Gobindpur through plot number 758 of village Armo and meets at starting point 'A'.

SCHEDULE 'B'

GOBINDPUR BLOCK (EAST BOKARO COALFIELD)

GIRIDIH (BIHAR)

Drg. No. Rev/1/80
Dated 17-1-80

(Showing lands were rights to mine, quarry, bore, dig and search for win, work & carry away minerals are acquired).

MINING RIGHTS

Sl. No.	Village	Thana	Thana number	District	Area	Remarks
1.	Gobindpur	Nawadih	15	Giridihi	Part	
Total area 404.00 acres (approximately)						
or 163.49 hectares						„

Plot numbers acquired in village Gobindpur :-

749 (Part), 750, 751 (Part), 752 to 824, 825 (Part), 826, 827, 828, 829, 830, 840 (Part), 1384 (Part), 1388 (Part), 1526, 1527, 1528, 1529, 1530, 1559 to 1566, 1567 (Part), 1573 (Part), 1574 to 1659, 1660 (Part), 1663 (Part), 1664, 1665, 1666, 1668 to 1678, 1743, 1751, 1752, 1755 (Part), 1756 to 1793, 1795 to 1828, 1863 (Part), 1864 (Part), 1865 to 1922, 1925 to 2416, 2417 (Part), 2418 (Part), 2419 (Part), 2420, 2421, 2422, 2423 (Part), 2424 (Part), 2425 (Part), 2426 to 2430, 2431 (Part), 2433 (Part), 2444 (Part), 2445 (Part), 2446 to 2451, 2452 (Part), 2453 (Part), 2454 (Part), 2456 (Part), 2457 (Part), 2458 (Part), 2459 (Part), 2461 (Part), 2533 (Part), 2482 (Part), 2583 (Part), 2584, 2585, 2586 (Part), 2587, 2588, 2589, 2590, 2592 (Part), 2598, 2599

2600 (Part), 2601 to 2660, 2661 (Part), 2662 to 2666, 2667 (Part), 2668 (Part), 2669, 2670 (Part), 2671 (Part), 2785, 2786, 2787, 2788, 2789, 2790, 2791, 2792, 2793 (Part) and 2795.

BOUNDARY DESCRIPTION :

B-M line passes along the left bank of kunar River in village Gobindpur.

M-N line passes along the left bank of Bokaro River in village Gobindpur.

N-C line passes through plot numbers 2661, 2671, 2661, 2670, 2668, 2667, 2660, 2793, 2592, 2600 along northern boundary of plot numbers 2589 & 2590 through plot numbers 2586, 2582, 2583, 2600, 2417, 2533, 2418, 2419, 2423, 2424, 2425, 2431, 2433, 2445, 2444, 2452, 2453, 2454, 2456, 2457, 2458, 2461, 2459 (Road), 751 & 749 (Road) in village Gobindpur.

C-B Line passes along the All Rights Boundary (Block 'A') and meets at starting point 'B'.

[File No. 19(13)/80-CL]

कां० प्र० 3296.—केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (प्रार्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत के राजपत्र के भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii), तारीख 15 मार्च, 1980 में बृट् 747 से 749 पर प्रकाशित भारत सरकार के हस्तात, खान और कोयला मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० का० प्र० 628, तारीख 26 फरवरी, 1980 का विखण्डन करती है।

[सं० 19(34)/80-सी०एल०]

S.O. 3296.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) and of all other powers enabling it in this behalf, the Central Government hereby rescinds the notification of the Government of India in Ministry of Steel, Mines and Coal, (Department of Coal), S.O. No. 628 dated the 26th February, 1980, published at page 747 to 749 in part II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India dated 15th March, 1980.

[No. 19(34)/80-CL]

कां० प्र० 3297.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (प्रार्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० का० प्र० 2529, तारीख 21 जुलाई, 1979 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्रों की 5400.00 एकड़ लगभग या 2185.27 हेक्टेयर (लगभग) भूमि में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी ;

और केन्द्रीय सरकार का वह समाधान हो गया है कि उक्त भूमि में कोयला अभिप्राप्त है ;

अतः, अब केन्द्रीय सरकार कोयला धारक क्षेत्र (प्रार्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 5400.00 एकड़ (लगभग) या 2185.27 हेक्टेयर भूमि को अर्जित करने के अपने आशय की सूचना देती है।

टिप्पण 1:—इस अधिसूचना के अन्तर्गत जाने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण कलकत्ता, मिर्जापुर (मपवाली) या उत्तर प्रदेश, 1, कोसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित कोयला नियंत्रक के कार्यालय में या राजस्व अनुभाग, वरधगा हाउस, राबो 834001 (बिहार) स्थित सेन्दुल कोल-फील्ड लिमिटेड के कार्यालय में किया जा सकता है।

टिप्पण 2:—कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 8 के उपबन्धों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है, जिससे निम्नलिखित उपबन्धित हैं:—

(1) कोई व्यक्ति जो किसी भूमि में जिसकी बाबत धारा 7 के अधीन अधिसूचना निकाली गई है, हितबद्ध है, अधिसूचना के निकाले जाने से तीन दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उस पर किन्हीं अधिकारों का अर्जन किए जाने के बारे में आपत्ति कर सकेगा।

स्पष्टीकरण—इस धारा के अर्थान्तर्गत यह आपत्ति नहीं मानी जाएगी कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कोयला उत्पादन के लिए स्वयं खनन सक्रिय करना चाहता है और ऐसी संख्याएँ केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करना चाहिए।

(2) उपधारा (1) के अधीन प्रत्येक आपत्ति सक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में की जाएगी और सक्षम प्राधिकारी आपत्तिकर्ता को स्वयं सुने जाने का या विधि व्यवसायी द्वारा सुनवाई का अवसर देगा ऐसी आपत्तियों को सुनने के पश्चात् ऐसी प्रतिरिक्त जांच, यदि कोई हो, करने के पश्चात् जो वह आवश्यक समझता है, वह या तो धारा 7 के उपधारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के सम्बंध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न टुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के सम्बंध में आपत्तियों पर अपनी सिफारिशों और उसके द्वारा की गई कार्यवाही के अधिलेख सहित विभिन्न रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए देगा।

(3) इस धारा के प्रयोजनों के लिए वह व्यक्ति किसी भूमि में हितबद्ध समझा जाएगा जो प्रतिकर में हित का दावा करने का हकदार होता यदि भूमि या ऐसी भूमि में या उस पर अधिकार इस अधिनियम के अधीन अर्जित कर लिए जाते।

टिप्पण 3:—केन्द्रीय सरकार ने इस अधिनियम के अधीन कोयला नियंत्रक, 1, कोसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता-1 को सक्षम प्राधिकारी के रूप में नियुक्त किया है।

अनुसूची

दूधोचुआ न्याक-II

(सिंगरौली कोयला क्षेत्र)

जिला मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

रेखांक सं० राजस्व/25/80 तारीख 2.5.80
(इसमें अर्जित की जाने वाली भूमि दर्शित है।)

सभी अधिकार

क्र०सं०	ग्राम	तहसील	तहसील सं०
1.	परसावर राजा	दूधी	34
2.	जोपीचौरा	"	46
3.	चिलकादानर	"	49
4.	कोटा	"	82
5.	खादिया	"	115
6.	औरवा	"	--

धाना	परगावा	जिला क्षेत्र	टिप्पणियाँ
मिसरा (औरवा)	सिंगरौली	मिर्जापुर	ग्राम
"	"	"	"
"	"	"	"
"	"	"	"

कुल क्षेत्र 5400.00 एकड़ (लगभग)
या 2185.27 हेक्टेयर (लगभग)

ग्राम परसावर राजा में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं० -1
(भाग)

ग्राम जागी चौरा में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं० -1 (भाग)
ग्राम चिलकादानर में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं० -1 से 196 तक, 197 (भाग), 198 से 208 तक, 209 (भाग), 210, 211 (भाग), 212 (भाग), 213 से 632 तक, 633 (भाग), 634 से 662 तक, 663 (भाग), 664, 665 (भाग), 669 (भाग), 670 (भाग), 693 (भाग), 694 (भाग), 696 (भाग), 697, (भाग), 906 (भाग), 907 (भाग), 915 (भाग), 918 (भाग), 919 (भाग), 920 (भाग), 921 (भाग), 922 (भाग), 923 से 943 तक, 944 (भाग), 945 से 1262 तक, 1263 (भाग), 1264 से 1406 तक, 1407 (भाग), 1408 (भाग), 1425 (भाग), 1426, 1427 (भाग), 1428 (भाग), 1429 (भाग), 1430 से 1539 तक, 1440 (भाग), 1441, 1442 (भाग), 1451 (भाग), 1452 (भाग), 1454 (भाग), 1456 (भाग), 1457 से 1471 तक, 1472 (भाग), 1473, 1474, 1475, 1476 (भाग), 1477, 1478 (भाग), 1483 (भाग), 1488 (भाग), 1489 (भाग), 1490 (भाग), 1491 से 1800 तक, 1801 (भाग), 1802 (भाग), 1803, 1804, 1805, 1806 (भाग), 1807 से 1841 तक, 1842 (भाग), 1843, 1844, 1845, 1846, 1847 (भाग), 1848 (भाग), 1852 (भाग), 1853 (भाग), 1854 (भाग), 1980 (भाग), 1981 (भाग), 1982, 1983, 1984 (भाग), 1985 (भाग), 1988 (भाग), 1989 (भाग), 1990 (भाग), 1993 (भाग), 2020 (भाग), 2021, 2022 (भाग), 2023, 2024, 2025 (भाग), 2201 से 2211 तक।

ग्राम कोटा में अर्जित किये जाने वाले प्लॉट सं०:—

1 (भाग), 2 से 19 तक, 20 (भाग), 21 (भाग), 22 (भाग), 23 (भाग), 24 (भाग), 25 से 30 तक, 31 (भाग), 37 (भाग), 42 (भाग), 43 (भाग), 3256 (भाग)।

ग्राम खादिया में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं०:—

1 से 243 तक, 244 (भाग), 245, 246 (भाग), 247 (भाग), 263 (भाग), 267 (भाग), 268 (भाग), 269 से 381, 382 (भाग), 383 (भाग), 384 से 388, 389 (भाग), 392 (भाग), 393 (भाग), 394 (भाग), 395 (भाग), 396 (भाग), 414 (भाग), 415 (भाग), 609 (भाग), 619, 620 (भाग), 624 (भाग), 626 (भाग), 627 (भाग), 628 (भाग), 629 से 634 तक, 635 (भाग), 636 से 647 तक, 648, (भाग), 649 (भाग), 650 से 704 तक, 705 (भाग), 712 (भाग), 713 (भाग), 714 (भाग), 735 (भाग), 736 (भाग), 737 (भाग), 1000 (भाग), 1010 (भाग), 1011 (भाग), 1128 (भाग), 1138 (भाग), 1303 (भाग), 1309 (भाग), 1311 (भाग), 1312, 1313 (भाग), 1314 (भाग), 1315 (भाग), 1316, 1317 (भाग), 1724, 1725, 1726, 1727, 1732 (भाग), 1733

ग्राम औरवा में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं०:—1 से 16 तक, 17 (भाग)।

सीमा वर्णन :

- क-ख रेखा नदी की मध्य रेखा के साथ-साथ जाती है जो चिलकादानर (उ०प्र०) और मंडला (म०प्र) ग्रामों की सामान्य सीमा चिलकादानर (उ०प्र) और खन्देशी (म०प्र०) की सामान्य सीमा बनती है।
- ख-ग रेखा चिलकादानर ग्राम के प्लॉट सं० 633, 670, 669, 663, 665, 212, 211, 209, 197, 693, 694, 1490, 696, 697, 1489, 1488, 1476, 1483, 1478, 1472, 1451, 1452, 1454, 1456, 1440, 1442, 1425, 1427, 1428, 1429, 1408, 1407, 1263, 906, 907, 922, 921, 920, 919, 918, 915, में से होकर, ग्राम कोटा के प्लॉट सं० 1, 43, 42, 31, 3256, 24, 23, 22, 21, 20 और 37 में से होकर जाती है।
- ग-ग/1 रेखा ग्राम चिलकादानर के प्लॉट सं० 944, 1848, 1847, 1852, 1853, 1854, 1981, 1980, 1985, 1984, 1988, 1989, 1990, 1993, 1847, 1842, 1806, 1802, 1801, 2022, 2020, 2025, में से होकर ग्राम खादिवा के प्लॉट सं० 382, 383, 389, 392, 393, 394, 396, 414, 415, 268, 267, 263, 244, 246, 247, 635, 609, 628, 627, 626, 624, 620, 648, 649, 609, 705, 712, 713, 714, 735, 1732, 737, 736, 1000, 1011, 1010, 1011, 1128, 1138, 1309, 1313, 1311, 1303, 1314, 1315, 1317 में से और परसावर राजा के प्लॉट सं० 1 में से होकर जाती है (जो मारक ब्लॉक के साथ सामान्य सीमा बनाती है)।
- ग/1-घ रेखा ग्राम परसावर राजा के प्लॉट सं० 1 में से जोगीचौरा के प्लॉट सं० 1 में से होकर जाती है और परसावर राजा और जोगीचौरा ग्रामों की आंशिक सामान्य सीमा के साथ-साथ ग्राम भैरवा के प्लॉट सं० 17 से होकर जाती है (जो मारक ब्लॉक की सामान्य सीमा बनाती है)।
- घ-ङ रेखा भैरवा ग्राम के प्लॉट सं० 17 में से होकर और भैरवा तथा जमशोना ग्रामों की सामान्य सीमा में से होकर जाती है। (जो जोगीचौरा के साथ सामान्य सीमा बनाती है)।
- ङ-क रेखा उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सामान्य सीमा बनती है और आरम्भिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[सं० 19 (34)/80-सी एन(ii)]

S.O. 3297. --Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 2529 dated the 21st July, 1979, under Sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government gave

notice of its intention to prospect for coal in 5400.00 acres (approximately) or 2185.27 hectares (approximately) of the lands in the locality specified in the Schedule appended to that notification ;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in the said lands ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the said lands measuring 5400.00 acres (approximately) or 2185.27 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto :

- NOTE :— 1. The plan of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Collector, Mirzapur (Uttar Pradesh) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta-700001 or in the Office of the Central Coal-fields Limited, (Revenue section), Darbhanga House, Ranchi 834001 (Bihar).
2. Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), which provides as follows :

- 8.(1) Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land.

Explanation : It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

- (2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further inquiry, if any, as he thinks necessary, either make a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section 7 or of rights in or over such land or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land to the Central Government, containing his recommendation on the objections, together with the record of the proceedings held by him for the decision of that Government.

- (3) For the purpose of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act.

Note:— 3. The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta-1 has been appointed by the Central Government as the competent authority under the Act.

SCHEDULE

Dudhichua Block-II

(Singrauli Coalfield)

(District-Mirzapur)

(Uttar Pradesh)

Org. No. Rev/25/80

Dated 2/5/80

(showing lands to be acquired)

ALL RIGHTS			
Serial number	Village	Tahsil	Tahsil number
1. Parsawar Raja		Dudhi	34
2. Jogichoura		"	46
3. Chilkadanr		"	49
4. Kota		"	82
5. Khadia		"	115
6. Bhairwa		"	"
Thana	Pargana	District	Area Remarks
Misra (Khairwa)	Singrauli	Mirzapur	Part
"	"	"	"
"	"	"	"
"	"	"	"
"	"	"	"
Total area : 5400.00 acres (approximately)			
or 2185.27 hectares (approximately)			

Plot number to be acquired in village Paraswar Raja :—
1 (Part)

Plot number to be acquired in village Jogichoura :—1 (Part)

Plot numbers to be acquired in village Chilkadanr :—

1 to 196, 197 (Part), 198 to 208, 209 (Part), 210, 211 (Part), 212 (Part), 213 to 332, 333 (Part), 334 to 662, 663 (Part), 664, 665 (Part), 669 (Part), 670 (Part), 693 (Part), 694 (Part), 696 (Part), 697 (Part), 906 (Part), 907 (Part), 915 (Part), 918 (Part), 919 (Part), 920 (Part), 921 (Part), 922 (Part), 923 to 943, 944 (Part), 945 to 1262, 1263 (Part), 1264 to 1406, 1407 (Part), 1408 (Part), 1425 (Part), 1426, 1427 (Part), 1428 (Part), 1429 (Part), 1430 to 1439, 1440 (Part), 1441, 1442 (Part), 1451 (Part), 1452 (Part), 1454 (Part), 1456 (Part), 1457 to 1471, 1472 (Part), 1473, 1474, 1475, 1476 (Part), 1477, 1478 (Part), 1483 (Part), 1488 (Part), 1489 (Part), 1490 (Part), 1491 to 1800, 1801 (Part), 1802 (Part), 1803, 1804, 1805, 1806 (Part), 1807 to 1841, 1842 (Part), 1843, 1844, 1845, 1846, 1847 (Part), 1848 (Part), 1852 (Part), 1853 (Part), 1854 (Part), 1880 (Part), 1981 (Part), 1982, 1983, 1984 (Part), 1985 (Part), 1988 (Part), 1989 (Part), 1990 (Part), 1993 (Part), 2020 (Part), 2021, 2022 (Part), 2023, 2024, 2025 (Part), 2201 to 2211.

Plot numbers to be acquired in village Kota :—

1 (Part), 2 to 19, 20 (Part), 21 (Part), 22 (Part), 23 (Part), 24 (Part), 25 to 30, 31 (Part), 37 (Part), 42 (Part), 43 (Part), 3256 (Part).

Plot numbers to be acquired in village Khadia :—

1 to 243, 244 (Part), 245, 246 (Part), 247 (Part), 263 (Part), 267 (Part), 268 (Part), 269 to 381, 382 (Part), 383 (Part), 384 to 388, 389 (Part), 392 (Part), 393 (Part), 394 (Part), 395 (Part), 396 (Part), 414 (Part), 415 (Part), 609 (Part), 619, 620 (Part), 624 (Part), 626 (Part), 627 (Part), 628 (Part), 629 to 634, 635 (Part), 636 to 647,

648 (Part), 649 (Part), 650 to 704, 705 (Part), 712 (Part), 713 (Part), 714 (Part), 735 (Part), 736 (Part), 737 (Part), 1000 (Part), 1010 (Part), 1011 (Part), 1128 (Part), 1138 (Part), 1303 (Part), 1309 (Part), 1311 (Part), 1312, 1313 (Part), 1314 (Part), 1315 (Part), 1316, 1317 (Part), 1724, 1725, 1726, 1727, 1732 (Part), 1733.

Plot numbers to be acquired in village Bhairwa :—1 to 16, 17 (Part)

Boundary description :—

A-B line passes alongwith Central line of the River (which forms common boundary of villages Chilkadanr (U.P.) and Madhauli (M.P.), common boundary of villages Chilkadanr (U.P.) and Sarsa-balatola (M.P.) and village Chilkadanr of (U.P.) and Chandeli (M.P.)

B-C line passes through plot numbers 633, 670, 669, 663, 665, 212, 211, 209, 197, 693, 694, 1490, 696, 697, 1489, 1488, 1476, 1483, 1478, 1472, 1451, 1452, 1454, 1456, 1440, 1442, 1425, 1427, 1428, 1429, 1408, 1407, 1263, 906, 907, 922, 921, 920, 919, 918, 915, of village Chilkadanr, through plot numbers 1, 43, 42, 31, 3256, 24, 23, 22, 21, 20 and 37 of village Kota.

C-C/1 line passes through plot numbers 944, 1848, 1847, 1852, 1853, 1854, 1981, 1980, 1985, 1984, 1988, 1989, 1990, 1993, 1847, 1842, 1806, 1802, 1801, 2022, 2020, 2025, of village Chilkadanr through plot numbers 382, 383, 389, 392, 393, 394, 392, 395, 396, 414, 415, 263, 267, 263, 244, 246, 247, 635, 609, 628, 627, 626, 624, 620, 648, 649, 609, 705, 712, 713, 714, 735, 1732, 737, 736, 1000, 1011, 1010, 1011, 1128, 1138, 1309, 1311, 1311, 1303, 1314, 1315, 1317 of village Khadia and through plot numbers 1 of village Parsawar Raja (which forms common boundary with Marrak Block).

C/1-D line passes through plot number 1 of village Parsawar Raja through plot number 1 of village Jogichoura and along part common boundary of villages Parsawar Raja and Jogichoura, through plot numbers 17 of village Bhairwa (which forms common boundary with Marrak Block).

D-E line passes through plot number 17 of village Bhairwa and along part common boundary of villages Bhairwa and Jamshila (which forms common boundary with Jogichoura Block).

E-A line forms common boundary with Uttar Pradesh and Madhya Pradesh and meets at starting point 'A'.

[No. 19(34)/80-CL (ii)]

का० आ० 3298—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (धर्मन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उप-धारा (i) के अधीन भारत सरकार के द्वारा, खान और कोयला मंत्रालय, कोयला विभाग की अधिसूचना सं० का० आ० 3985, तारीख 22 नवम्बर,

1979 द्वारा, जो भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 8 दिसम्बर, 1979 में प्रकाशित हुई थी, इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र में 13750 एकड़ (लगभग) या 5564.43 हेक्टेयर (लगभग) भूमि में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी ;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त भूमि के एक भाग में कोयला अभिप्राप्य है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रेषण शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इसने उपाबद्ध अनुसूची में यथावर्णित 4941.031 हेक्टेयर (लगभग) या 12209.54 एकड़ (लगभग) माप की भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना देती है।

टिप्पण 1:—इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण कलकत्ता, बिलासपुर (मध्यप्रदेश) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में या वेस्टर्न कोलफील्ड्स लि० (राजस्व अनुभाग) बिसेसर हाउस, टेम्पल रोड, नागपुर (महाराष्ट्र) के कार्यालय में किया जा सकता है।

टिप्पण 2:—पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 8 के उपबन्धों की और ध्यान दायक किया जाता है, जिसमें निम्नलिखित उपबंधित है—

अर्जन की बाधक आपत्तियाँ—

“8 (1) कोई व्यक्ति जो किसी भूमि में जिसकी बाधक धारा 7 के अधीन अधिसूचना निकाली गई है, हितबद्ध है, अधिसूचना के निकाले जाने से तीस दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उस पर के किन्हीं अधिकारों का अर्जन किए जाने के बारे में आपत्ति कर सकेगा।

स्पष्टीकरण.—

इस धारा के अन्तर्गत यह आपत्ति नहीं मानी जाएगी कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कोयला उत्पादन के लिए स्वयं खनन संक्रियाएं करना चाहता है और ऐसी संक्रियाएं, केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करना चाहिए।

(2) उपधारा (1) के अधीन प्रत्येक आपत्ति सक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में की जाएगी और सक्षम प्राधिकारी आपत्तिकर्ता को स्वयं सुने जाने का या विधि व्यवसायी द्वारा सुनवाई का अवसर देगा और ऐसी सभी आपत्तियों को सुनने के पश्चात् और ऐसी प्रतिरिक्त जांच, यदि कोई हो, करने के पश्चात् जो वह आवश्यक समझता है वह या तो धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न टुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में आपत्तियों पर अपनी सिफारिशों और उसके द्वारा की गई कार्यवाही के अभिलेख सहित विभिन्न रिपोर्टें केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए देगा।

(3) इस धारा के प्रयोजनों के लिए वह व्यक्ति किसी भूमि में हितबद्ध समझा जाएगा जो प्रतिकर में हित का दावा करने का हकदार होता यदि भूमि या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकार इस अधिनियम के अधीन अर्जन कर लिए जाते।”

टिप्पण 3:—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला नियंत्रक, 1 काउन्सिल हाउस स्ट्रीट कलकत्ता को इस अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया है।

अनुसूची

कसमंडा-II ब्लॉक

कोरवा कोयला क्षेत्र

जिला बिलासपुर (मध्यप्रदेश)

रेखांक स० सी-1 (ई)/III/बी०घार/15-0680

जिसमें अर्जन की जाने वाली भूमि वर्णित है)

सभी अधिकार

क्रम संख्या	ग्राम	खेत संख्या	हलका संख्या	तहसील	जिला	टिप्पणियाँ
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	पोडी	35	54	कटघोरा	बिलासपुर	पूर्ण
2.	जूनाडीह	8	49	"	"	"
3.	बहनपुर	30	54	"	"	"
4.	घटमुंडा	27	54	"	"	"
5.	भामगांव	36	55	"	"	"
6.	मानगांव	37	49	"	"	"
7.	डिपका	3	49	"	"	"
8.	बरेली	6	49	"	"	"
9.	झिगतपुर	39	49	"	"	"
10.	बेलरीकरी	5	49	"	"	"
11.	दुरैना	9	50	"	"	"
12.	गेवड़ा	91	51	"	"	भाग
13.	मानगांव	26	51	"	"	"
14.	कसमंडा	28	54	"	"	"
15.	बिंझरी	7	54	"	"	"
16.	भपौरा	29	54	"	"	"

कुल क्षेत्रफल 4941.031 हेक्टेयर (लगभग)

या 12209.54 एकड़ (लगभग)

ग्राम पोंडी में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक 1 से 540 तक (पूर्ण ग्राम)

ग्राम जूनाडीह में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक 1 से 775 तक (पूर्ण ग्राम)

ग्राम बहनपुर में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक 1 से 373 तक (पूर्ण ग्राम)

ग्राम घटमुंडा में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक 1 से 416 तक (पूर्ण ग्राम)

ग्राम भामगांव में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक 1 से 660 तक (पूर्ण ग्राम)

ग्राम मानगांव में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक 1 से 558 तक (पूर्ण ग्राम)

ग्राम डिपका में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक 1 से 774 तक (पूर्ण ग्राम)

ग्राम बरेली में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक 1 से 824 तक (पूर्ण ग्राम)

ग्राम झिगतपुर में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक 1 से 211 तक (पूर्ण ग्राम)

ग्राम बेलरीकरी में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक 1 से 806 तक (पूर्ण ग्राम)

ग्राम दुरैना में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक 1 से 752 तक (पूर्ण ग्राम)

ग्राम गेवडा में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक

1 से 152, 15 (पा), 154 से 199, 200 (पी), 201 (पी) 203 (पी), 204 (पी) 205 से 225, 226(पी), 227, 228 230 (पी) 233 (पी), 234 से 237, 238(पी) 248(पी), 443 (पी), 445 से 447, 448/1, 448/2, 449 से 464(पी), 475 (पी), 476 (पी), 477 (पी), 478 (पी), 956 (पी), 957, 958, 959(पी), 960 से 1008, 1009, (पी), 1010 से 1181 और 1182 (पी) ।

ग्राम मानगाव में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक — 1 से 18, 19/1 19/2, 20 से 58, 59/1, 59/2, 60 से 85, 86/1, 86/2, 87 से 114, 115/1, 115/2 116, 117, 118/1, 118/2, 119 से 133 134/1, 134/2, 135, 136, 137/1, 137/2, 137/3, 138 से 150, 151/1, 151/2, 152 से 180, 181/1, 181/2 182 से 189, 190/1, 190/2, 190/3, 191 से 196, 197/1, 197/2, 197/3, 198 से 203, 204/1 204/2 205 से 209 210/1, 210/2, 210/3, 210/4, 211 से 256, 137/1, 237/2 238 से 246, 247/1, 247/2, 247/3 247/4, 247/5, 247/6, 247/7, 248/1, 248/2, 249 से 270, 271/1, 271/2, 271/3, 272, 273 274/1, 274/2, 274/3, 275 से 298, 299 (पी), 290 से 337, 338/1 338/2, 339 से 347, 348(पी), 349, 350 351/1, 351/2, 352 से 359, 360 (पी), 361 (पी) 362 (पी), 363 (पी), 364, 465(पी), 366(पी), 367 (पी), 368(पी) 369 से 380, 381 (पी), 382 (पी), 387 (पी), 388(पी), 389, 390/1, 390/2, 391, 392 393 (पी), 294 (पी), 402 (पी), 403 (पी), 411 (पी), 412 (पी), 443/1 (पी), 443/2 (पी)

ग्राम कगमडा में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक — 1/1, 1/2, 2/3, 4/1, 4/2, 5, 6/1, 7 से 21, 22/1, 22/2, 23 से 40, 41/1, 41/2, 41/3, 42 से 71, 75/1, 75/2, 76 से 91, 92/1, 92/2, 93 से 96 97/1, 97/2 98 से 101, 102/1, 102/2, 102/3 102/4 102/5, 102/6, 102/7, 102/8 103 से 117, 118/1, 118/2, 119 से 147, 148 (पी), 149 (पी), 150 (पी), 151 से 157, 159 से 161, 162 (पी), 164 (पी), 165 (पी), 166 से 179, 180 (पी), 181 (पी) 182 (पी), 185 (पी), 190 (पी), 191 (पी), 192 (पी) 193, 194(पी), 195 से 202, 203 (पी), 204, 205 (पी), 217 (पी), 218 (पी), 219 से 221, 222 (पी), 223 से 228 229/1, 229/2 230, 231, 232 (पी), 233(पी) 234(पी), 239(पी), 240 (पी) 481 (पी) 482(पी), 483 से 486, 487 (पी), 488 (पी), 489/1 (पी), 491 (पी), 493(पी) 494 से 504, 505 (पी), 506, 507, 508(पी), 509 (पी), 510 से 519, 520(पी), 521(पी), 522(पी), 523, (पी) 652(पी), 655(पी), 656(पी), 657 (पी), 658 (पी), 659 (पी), 660, 661, 662 (पी), 663 (पी), 664(पी), 665 (पी), 666, से 669, 670 (पी) 671 (पी), 672 (पी), 684 (पी), 685 से 689, 691/1 (पी), 784 (पी), 785 से 791, 792 (पी), 794 (पी), 795(पी), 819(पी), 820, 821/1, 821/3, 822, से 833, 834/1 (पी) 834/2, 835(पी), 836(पी), 837(पी), 845 (पी), 849 (पी), 850 (पी) 851 (पी), 852, 863 (पी), 854 (पी), 1002 से 1004, 1006 (पी) 1007 (पी) और 1008 से 1012।

ग्राम विहारी में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक —

1 से 20, 21(पी), 22(पी), 23 से 28, 29(पी), 30(पी), 31(पी), 32(पी), 33(पी), 34(पी), 35 से 58, 59(पी), 63(पी), 64(पी), 67(पी), 68(पी), 69(पी), 70 से 84, 85(पी), 86 से 115, 116(पी), 117(पी), 119(पी), 146(पी), 151(पी), 152(पी), 153(पी), 154(पी), 155(पी), 156(पी), 157 से 165, 166(पी), 167(पी), 168(पी), 259(पी), 290 (पी), 291(पी), 292(पी), 307(पी), 308(पी), 309 से 324, 940 GI/80-7

325 (पी), 326 से 357, 358(पी), 359, 360(पी), 361, 362(पी), 367(पी), 368, 369(पी), 370 से 376, 377(पी), 378(पी), 379(पी), 382(पी), 383 से 415, 416(पी), 417 से 427, 428(पी), 429, 438(पी), 439(पी), 440 से 443, 444(पी), 446(पी), 447, 448(पी), 449(पी), 452(पी) 461 (पी) 513(पी), 514(पी), 515(पी), 516(पी), 517(पी), 518(पी), 519 से 557, 558(पी), 563(पी), 564 से 566, और 567(पी) ।

ग्राम भथीरा में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक -

2(पी), 3(पी), 4 से 8, 9(पी), 10, 11(पी), 22(पी), 23(पी), 24(पी), 26(पी), 27(पी), 28, 29(पी), 33(पी), 34(पी), 35 से 39, 40(पी), 41 से 115, 116(पी), 117 से 237, 238/1, 238/2, 239 से 249, 250/1, 250/2, 251, 252/1, 252/2, 253 से 258, 259(पी), 260(पी), 261(पी), 272(पी), 273, 274, 275(पी), 276(पी), 277(पी), 278 से 288, 289(पी), 305(पी), 306, 307(पी), 308 से 348, 349(पी), 350(पी), 351(पी), 352(पी), 353(पी), 354(पी), 355 से 358, 359(पी), 360 से 373, 374(पी), 375(पी), 376 377, 378/1(पी), 378/2(पी), 393(पी), 394(पी), 395, 396(पी), 397 से 401, 402(पी), 403(पी), 404(पी), 405, 406(पी), 407(पी), 412(पी), 413(पी), 414(पी), 416(पी), 433 से 436, 438(पी), 439 से 442, 443(पी), 444(पी), 466(पी), 467(पी), 468, 469(पी), और 470(पी), 1

सीमा वर्णन

ए-ब/1-ख

ग-ग/1-ग/2

घ-घ

ङ-ङ/1-ङ/2

च/2-च

ज-छ

छ-ज-ज

झ-ट

ट-उ

द-उ

रेखा ग्राम डियका, दुरैना की उत्तरी सीमा के साथ-साथ गुजरती है और बिन्दु "ड" पर मिलती है ।

रेखा ग्राम दुरैना और कगमडा की पूर्वी सीमा के साथ-साथ गुजरती है और बिन्दु "ड" पर मिलती है ।

रेखा ग्राम घटमुडा की उत्तरी सीमा के साथ-साथ गुजरती है और बिन्दु "च" पर मिलती है ।

रेखा ग्राम घटमुडा की पूर्वी सीमा के साथ-साथ गुजरती है और बिन्दु "छ" पर मिलती है ।

रेखा ग्राम मानगाव और गेवडा की उत्तरी सीमा के साथ साथ गुजरती है और बिन्दु "ज" पर मिलती है ।

रेखा ग्राम गेवडा की पूर्वी सीमा के साथ-साथ, जो अधिसूचना सं० का० प्रा० 428(अ), तारीख 3-7-1978 के अनुसार कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित की गई जटराज विस्तार ब्लॉक की पश्चिमी सीमा भी है, गुजरती है और बिन्दु "ट" पर मिलती है ।

रेखा ग्राम गेवडा से होकर अर्थात् अधिसूचना सं० का० प्रा० 638(अ), तारीख 9-11-1978 के अनुसार कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित जटराज ब्लॉक की उत्तरी सीमा के साथ-साथ गुजरती है और बिन्दु "ड" पर मिलती है । रेखा ग्राम मानगाव की पूर्वी सीमा के साथ-साथ, जो अधिसूचना सं० का० प्रा० 638(अ), तारीख 9-11-1978 के अनुसार कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित जटराज ब्लॉक की

	पश्चिमी सीमा भी है, गुजराती है और बिन्दु "द" पर मिलती है।
ड-ड-प-त	रेखा, अधिसूचना सं० का० आ० 150, तारीख 4-1-1964 के अनुसार कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 3(1) के अधीन अर्जित कसमंडा ब्लॉक की उत्तरी सीमा के साथ-साथ गुजराती है और बिन्दु "त" पर मिलती है।
न-थ	रेखा, अधिसूचना सं० का० आ० 150, तारीख 4-1-1964 के अनुसार कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित कसमंडा ब्लॉक की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "थ" पर मिलती है।
थ-द	रेखा, अधिसूचना सं० का० आ० 150, तारीख 4-1-1964 के अनुसार कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित कसमंडा ब्लॉक की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ गुजराती है और बिन्दु "द" पर मिलती है।
द-घ	रेखा, अधिसूचना सं० का० आ० 638(अ), तारीख 9-11-1978 के अनुसार कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित जटराज ब्लॉक की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ गुजराती है और बिन्दु "घ" पर मिलती है।
घ-न	रेखा, अधिसूचना सं० का० आ० 638(अ), तारीख 9-11-1978 के अनुसार कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित जटराज ब्लॉक की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ गुजराती है और बिन्दु "न" पर मिलती है।
न-न/1-प फ-फ/1-ब	रेखा, ग्राम भदौरा, वहनपुर, पोंडी की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ गुजराती है और बिन्दु "व" पर मिलती है।
ब-ब/1	रेखा, ग्राम भामगांव की पूर्वी सीमा के साथ-साथ गुजराती है और बिन्दु "ब/1" पर मिलती है।
ब/1-ब/2-ब/3-ब/4- ब/र-भ	रेखा ग्राम भामगांव की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ गुजराती है और बिन्दु "ब" पर मिलती है।
भ-म	रेखा, ग्राम मलगांव की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ गुजराती है और बिन्दु "न" पर मिलती है।
म-म/1-म/2-य-य/1	रेखा, ग्राम मलगांव, क्षिणपुर, वेन्टीकरी की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ गुजराती है और बिन्दु "य/1" पर मिलती है।
य/1-य/2	रेखा, ग्राम वेन्टीकरी की उत्तरी सीमा के साथ-साथ गुजराती है और बिन्दु "य/2" पर मिलती है।
य/2-य/3-क	रेखा, ग्राम डिपका की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ गुजराती है और आरम्भिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[सं० 19(37)/80-सी०एम०]

स्वर्ण सिंह, अवर सचिव

S.O. 3298.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Steel, Mines and Coal (Department of Coal) No. S.O. 3985 dated the 22nd November, 1979, under Sub-section (1) of Section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) and published in Part II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India dated the 8th December, 1979, the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 13750 acres (approximately) or 5564.43 hectares (approximately) of the lands in the locality specified in the Schedule annexed to that notification;

And Whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in a part of the said lands;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the lands measuring 14941.031 hectares (approximately) or 12209.54 acres (approximately) as described in the Schedule appended hereto.

Note :1— The plans of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Collector, Bilaspur (Madhya Pradesh) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the Office of the Western Coalfields Limited (Revenue Section), Bisesar House, Temple Road, Nagpur (Maharashtra).

Note : 2 — Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the aforesaid Act, which provides as follows :

Objection to acquisition :—

"8 (1)—Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land.

Explanation :—It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

(2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing, and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further enquiry, if any, as he thinks necessary, either makes a report in respect of land which has been notified under sub-section (1) of section 7 or of rights in or over such land, or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendations on the objections, together with the record of the proceedings held by him, for the decision of that Government."

(3) For the purposes of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act".

Note : 3— The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta, has been appointed by the Central Government as the competent authority under the Act.

SCHEDULE
KOSMANDA-II BLOCK
KORBA COALFIELD
DISTRICT—BILASPUR (MADHYA PRADESH)

Drawing No. C-1 (C)/III/DR/158-0680

(Showing lands to be acquired)

ALL RIGHTS

Sl. No.	Village	Khevat No.	Halkh No.	Tehsil	District	Remark
1.	Pondi	35	45	Katghora	Bilaspur	Full
2.	Junadih	8	49	-do-	-do-	Full
3.	Bahanpur	30	54	-do-	-do-	Full
4.	Ghatmunda	27	54	-do-	-do-	Full
5.	Amgaon	36	55	-do-	-do-	Full
6.	Malgaon	37	49	-do-	-do-	Full
7.	Dipke	3	49	-do-	-do-	Full
8.	Bareli	6	49	-do-	-do-	Full
9.	Jhingatpur	39	49	-do-	-do-	Full
10.	Beltikri	5	49	-do-	-do-	Full
11.	Dhurena	9	50	-do-	-do-	Full
12.	Geora	91	51	-do-	-do-	Full
13.	Mangaon	26	51	-do-	-do-	Part
14.	Kosmanda	28	54	-do-	-do-	Part
15.	Binjhri	7	54	-do-	-do-	Part
16.	Bhathora	29	54	-do-	-do-	Part

Total area : 4941.031 hectares (approximately)

OR 12209.54 acres (approximately)

Plot numbers to be acquired in village Pondi :

1 to 540 (full village).

Plot numbers to be acquired in village Junadih :

1 to 775 (full village).

Plot numbers to be acquired in village Bahanpur :

1 to 373 (full village).

Plot numbers to be acquired in village Ghatmunda :

1 to 416 (full village).

Plot numbers to be acquired in village Amgaon :

1 to 660 (full village).

Plot numbers to be acquired in village Malgaon :

1 to 558 (full village).

Plot numbers to be acquired in village Dipka :

1 to 774 (full village).

Plot numbers to be acquired in village Bareli :

1 to 824 (full village).

Plot numbers to be acquired in village Jhingatpur :

1 to 211 (full village).

Plot numbers to be acquired in village Beltikri :

1 to 806 (full village).

Plot numbers to be acquired in village Dhurena :

1 to 752 (full village).

Plot numbers to be acquired in village Geora :

1 to 152, 153(P), 154 to 199, 200(P), 201(P), 203(P), 204(P), 205 to 225, 226(P), 227, 228, 230(P), 233(P), 234 to 237, 238(P), 248(P), 443(P), 445 to 447, 448/1, 448/2, 449 to 463, 464(P), 475(P), 476(P), 477(P), 478(P), 956(P), 957, 958, 959(P), 960 to 1008, 1009(P), 1010 to 1181 and 1182(P).

Plot numbers to be acquired in village Mangaon :

1 to 18, 19/1, 19/2, 20 to 58, 59/1, 59/2, 60 to 85, 86/1, 86/2, 87 to 114, 115/1, 115/2, 116, 117, 118/1, 118/2, 119 to 133, 134/1, 134/2, 135, 136, 137/1, 137/2, 137/3, 138 to 150, 151/1, 151/2, 152 to 180, 181/1, 181/2, 182 to 189, 190/1, 190/2, 190/3, 191 to 196, 197/1, 197/2, 197/3, 198 to 203, 204/1, 204/2, 205 to 209,

210/1, 210/2, 210/3, 210/4, 211 to 236, 237/1, 237/2, 238 to 246, 247/1, 247/2, 247/3, 247/4, 247/5, 247/6, 247/7, 248/1, 248/2, 249 to 270, 271/1, 271/2, 271/3, 272, 273, 274/1, 274/2, 274/3, 275 to 288, 289(P), 290 to 337, 338/1, 338/2, 339 to 347, 348(P), 349, 350, 351/1, 351/2, 352 to 359, 360(P), 361(P), 362(P), 363(P), 364, 365(P), 366(P), 367(P), 368(P), 369 to 380, 381(P), 382(P), 387(P), 388(P), 389, 390/1, 390/2, 391, 392, 393(P), 394(P), 402(P), 403(P), 411(P), 412(P), 443/1(P) and 443/2(P).

Plot numbers to be acquired in village Kosmanda :

1/1, 1/2, 2, 3, 4/1, 4/2, 5, 6/1, 6/2, 7 to 21, 22/1, 22/2, 23 to 40, 41/1, 41/2, 41/3, 42 to 74, 75/1, 75/2, 76 to 91, 92/1, 92/2, 93 to 96, 97/1, 97/2, 98 to 101, 102/1, 102/2, 102/3, 102/4, 102/5, 102/6, 102/7, 102/8, 103 to 117, 118/1, 118/2, 119 to 147, 148(P), 149(P), 150(P), 151 to 157, 159 to 161, 162(P), 164(P), 165(P), 166 to 179, 180(P), 181(P), 182(P), 185(P), 190(P), 191(P), 192(P), 193, 194(P), 195 to 202, 203(P), 204, 205(P), 217(P), 218(P), 219 to 221, 222(P), 223 to 228, 229/1, 229/2, 230, 231, 232(P), 233(P), 234(P), 239(P), 240(P), 431(P), 482(P), 483 to 486, 487(P), 488(P), 489/1(P), 491(P), 493(P), 494 to 504, 505(P), 506, 507, 508(P), 509(P), 510 to 519, 520(P), 521(P), 522(P), 523(P), 524(P), 525(P), 526(P), 527(P), 528(P), 529(P), 530(P), 531(P), 532(P), 533(P), 534(P), 535(P), 536(P), 537(P), 538(P), 539(P), 540(P), 541(P), 542(P), 543(P), 544(P), 545(P), 546(P), 547(P), 548(P), 549(P), 550(P), 551(P), 552(P), 553(P), 554(P), 555(P), 556(P), 557(P), 558(P), 559(P), 560(P), 561(P), 562(P), 563(P), 564(P), 565(P), 566(P), 567(P), 568(P), 569(P), 570(P), 571(P), 572(P), 573(P), 574(P), 575(P), 576(P), 577(P), 578(P), 579(P), 580(P), 581(P), 582(P), 583(P), 584(P), 585(P), 586(P), 587(P), 588(P), 589(P), 590(P), 591(P), 592(P), 593(P), 594(P), 595(P), 596(P), 597(P), 598(P), 599(P), 600(P), 601(P), 602(P), 603(P), 604(P), 605(P), 606(P), 607(P), 608(P), 609(P), 610(P), 611(P), 612(P), 613(P), 614(P), 615(P), 616(P), 617(P), 618(P), 619(P), 620(P), 621(P), 622(P), 623(P), 624(P), 625(P), 626(P), 627(P), 628(P), 629(P), 630(P), 631(P), 632(P), 633(P), 634(P), 635(P), 636(P), 637(P), 638(P), 639(P), 640(P), 641(P), 642(P), 643(P), 644(P), 645(P), 646(P), 647(P), 648(P), 649(P), 650(P), 651(P), 652(P), 653(P), 654(P), 655(P), 656(P), 657(P), 658(P), 659(P), 660(P), 661(P), 662(P), 663(P), 664(P), 665(P), 666(P), 667(P), 668(P), 669(P), 670(P), 671(P), 672(P), 673(P), 674(P), 675(P), 676(P), 677(P), 678(P), 679(P), 680(P), 681(P), 682(P), 683(P), 684(P), 685(P), 686(P), 687(P), 688(P), 689(P), 690(P), 691(P), 692(P), 693(P), 694(P), 695(P), 696(P), 697(P), 698(P), 699(P), 700(P), 701(P), 702(P), 703(P), 704(P), 705(P), 706(P), 707(P), 708(P), 709(P), 710(P), 711(P), 712(P), 713(P), 714(P), 715(P), 716(P), 717(P), 718(P), 719(P), 720(P), 721(P), 722(P), 723(P), 724(P), 725(P), 726(P), 727(P), 728(P), 729(P), 730(P), 731(P), 732(P), 733(P), 734(P), 735(P), 736(P), 737(P), 738(P), 739(P), 740(P), 741(P), 742(P), 743(P), 744(P), 745(P), 746(P), 747(P), 748(P), 749(P), 750(P), 751(P), 752(P), 753(P), 754(P), 755(P), 756(P), 757(P), 758(P), 759(P), 760(P), 761(P), 762(P), 763(P), 764(P), 765(P), 766(P), 767(P), 768(P), 769(P), 770(P), 771(P), 772(P), 773(P), 774(P), 775(P), 776(P), 777(P), 778(P), 779(P), 780(P), 781(P), 782(P), 783(P), 784(P), 785(P), 786(P), 787(P), 788(P), 789(P), 790(P), 791(P), 792(P), 793(P), 794(P), 795(P), 796(P), 797(P), 798(P), 799(P), 800(P), 801(P), 802(P), 803(P), 804(P), 805(P), 806(P), 807(P), 808(P), 809(P), 810(P), 811(P), 812(P), 813(P), 814(P), 815(P), 816(P), 817(P), 818(P), 819(P), 820(P), 821(P), 822(P), 823(P), 824(P), 825(P), 826(P), 827(P), 828(P), 829(P), 830(P), 831(P), 832(P), 833(P), 834(P), 835(P), 836(P), 837(P), 838(P), 839(P), 840(P), 841(P), 842(P), 843(P), 844(P), 845(P), 846(P), 847(P), 848(P), 849(P), 850(P), 851(P), 852(P), 853(P), 854(P), 855(P), 856(P), 857(P), 858(P), 859(P), 860(P), 861(P), 862(P), 863(P), 864(P), 865(P), 866(P), 867(P), 868(P), 869(P), 870(P), 871(P), 872(P), 873(P), 874(P), 875(P), 876(P), 877(P), 878(P), 879(P), 880(P), 881(P), 882(P), 883(P), 884(P), 885(P), 886(P), 887(P), 888(P), 889(P), 890(P), 891(P), 892(P), 893(P), 894(P), 895(P), 896(P), 897(P), 898(P), 899(P), 900(P), 901(P), 902(P), 903(P), 904(P), 905(P), 906(P), 907(P), 908(P), 909(P), 910(P), 911(P), 912(P), 913(P), 914(P), 915(P), 916(P), 917(P), 918(P), 919(P), 920(P), 921(P), 922(P), 923(P), 924(P), 925(P), 926(P), 927(P), 928(P), 929(P), 930(P), 931(P), 932(P), 933(P), 934(P), 935(P), 936(P), 937(P), 938(P), 939(P), 940(P), 941(P), 942(P), 943(P), 944(P), 945(P), 946(P), 947(P), 948(P), 949(P), 950(P), 951(P), 952(P), 953(P), 954(P), 955(P), 956(P), 957(P), 958(P), 959(P), 960(P), 961(P), 962(P), 963(P), 964(P), 965(P), 966(P), 967(P), 968(P), 969(P), 970(P), 971(P), 972(P), 973(P), 974(P), 975(P), 976(P), 977(P), 978(P), 979(P), 980(P), 981(P), 982(P), 983(P), 984(P), 985(P), 986(P), 987(P), 988(P), 989(P), 990(P), 991(P), 992(P), 993(P), 994(P), 995(P), 996(P), 997(P), 998(P), 999(P), 1000(P), 1001(P), 1002(P), 1003(P), 1004(P), 1005(P), 1006(P), 1007(P), 1008(P), 1009(P), 1010(P), 1011(P), 1012(P), 1013(P), 1014(P), 1015(P), 1016(P), 1017(P), 1018(P), 1019(P), 1020(P), 1021(P), 1022(P), 1023(P), 1024(P), 1025(P), 1026(P), 1027(P), 1028(P), 1029(P), 1030(P), 1031(P), 1032(P), 1033(P), 1034(P), 1035(P), 1036(P), 1037(P), 1038(P), 1039(P), 1040(P), 1041(P), 1042(P), 1043(P), 1044(P), 1045(P), 1046(P), 1047(P), 1048(P), 1049(P), 1050(P), 1051(P), 1052(P), 1053(P), 1054(P), 1055(P), 1056(P), 1057(P), 1058(P), 1059(P), 1060(P), 1061(P), 1062(P), 1063(P), 1064(P), 1065(P), 1066(P), 1067(P), 1068(P), 1069(P), 1070(P), 1071(P), 1072(P), 1073(P), 1074(P), 1075(P), 1076(P), 1077(P), 1078(P), 1079(P), 1080(P), 1081(P), 1082(P), 1083(P), 1084(P), 1085(P), 1086(P), 1087(P), 1088(P), 1089(P), 1090(P), 1091(P), 1092(P), 1093(P), 1094(P), 1095(P), 1096(P), 1097(P), 1098(P), 1099(P), 1100(P), 1101(P), 1102(P), 1103(P), 1104(P), 1105(P), 1106(P), 1107(P), 1108(P), 1109(P), 1110(P), 1111(P), 1112(P), 1113(P), 1114(P), 1115(P), 1116(P), 1117(P), 1118(P), 1119(P), 1120(P), 1121(P), 1122(P), 1123(P), 1124(P), 1125(P), 1126(P), 1127(P), 1128(P), 1129(P), 1130(P), 1131(P), 1132(P), 1133(P), 1134(P), 1135(P), 1136(P), 1137(P), 1138(P), 1139(P), 1140(P), 1141(P), 1142(P), 1143(P), 1144(P), 1145(P), 1146(P), 1147(P), 1148(P), 1149(P), 1150(P), 1151(P), 1152(P), 1153(P), 1154(P), 1155(P), 1156(P), 1157(P), 1158(P), 1159(P), 1160(P), 1161(P), 1162(P), 1163(P), 1164(P), 1165(P), 1166(P), 1167(P), 1168(P), 1169(P), 1170(P), 1171(P), 1172(P), 1173(P), 1174(P), 1175(P), 1176(P), 1177(P), 1178(P), 1179(P), 1180(P), 1181(P), 1182(P), 1183(P), 1184(P), 1185(P), 1186(P), 1187(P), 1188(P), 1189(P), 1190(P), 1191(P), 1192(P), 1193(P), 1194(P), 1195(P), 1196(P), 1197(P), 1198(P), 1199(P), 1200(P), 1201(P), 1202(P), 1203(P), 1204(P), 1205(P), 1206(P), 1207(P), 1208(P), 1209(P), 1210(P), 1211(P), 1212(P), 1213(P), 1214(P), 1215(P), 1216(P), 1217(P), 1218(P), 1219(P), 1220(P), 1221(P), 1222(P), 1223(P), 1224(P), 1225(P), 1226(P), 1227(P), 1228(P), 1229(P), 1230(P), 1231(P), 1232(P), 1233(P), 1234(P), 1235(P), 1236(P), 1237(P), 1238(P), 1239(P), 1240(P), 1241(P), 1242(P), 1243(P), 1244(P), 1245(P), 1246(P), 1247(P), 1248(P), 1249(P), 1250(P), 1251(P), 1252(P), 1253(P), 1254(P), 1255(P), 1256(P), 1257(P), 1258(P), 1259(P), 1260(P), 1261(P), 1262(P), 1263(P), 1264(P), 1265(P), 1266(P), 1267(P), 1268(P), 1269(P), 1270(P), 1271(P), 1272(P), 1273(P), 1274(P), 1275(P), 1276(P), 1277(P), 1278(P), 1279(P), 1280(P), 1281(P), 1282(P), 1283(P), 1284(P), 1285(P), 1286(P), 1287(P), 1288(P), 1289(P), 1290(P), 1291(P), 1292(P), 1293(P), 1294(P), 1295(P), 1296(P), 1297(P), 1298(P), 1299(P), 1300(P), 1301(P), 1302(P), 1303(P), 1304(P), 1305(P), 1306(P), 1307(P), 1308(P), 1309(P), 1310(P), 1311(P), 1312(P), 1313(P), 1314(P), 1315(P), 1316(P), 1317(P), 1318(P), 1319(P), 1320(P), 1321(P), 1322(P), 1323(P), 1324(P), 1325(P), 1326(P), 1327(P), 1328(P), 1329(P), 1330(P), 1331(P), 1332(P), 1333(P), 1334(P), 1335(P), 1336(P), 1337(P), 1338(P), 1339(P), 1340(P), 1341(P), 1342(P), 1343(P), 1344(P), 1345(P), 1346(P), 1347(P), 1348(P), 1349(P), 1350(P), 1351(P), 1352(P), 1353(P), 1354(P), 1355(P), 1356(P), 1357(P), 1358(P), 1359(P), 1360(P), 1361(P), 1362(P), 1363(P), 1364(P), 1365(P), 1366(P), 1367(P), 1368(P), 1369(P), 1370(P), 1371(P), 1372(P), 1373(P), 1374(P), 1375(P), 1376(P), 1377(P), 1378(P), 1379(P), 1380(P), 1381(P), 1382(P), 1383(P), 1384(P), 1385(P), 1386(P), 1387(P), 1388(P), 1389(P), 1390(P), 1391(P), 1392(P), 1393(P), 1394(P), 1395(P), 1396(P), 1397(P), 1398(P), 1399(P), 1400(P), 1401(P), 1402(P), 1403(P), 1404(P), 1405(P), 1406(P), 1407(P), 1408(P), 1409(P), 1410(P), 1411(P), 1412(P), 1413(P), 1414(P), 1415(P), 1416(P), 1417(P), 1418(P), 1419(P), 1420(P), 1421(P), 1422(P), 1423(P), 1424(P), 1425(P), 1426(P), 1427(P), 1428(P), 1429(P), 1430(P), 1431(P), 1432(P), 1433(P), 1434(P), 1435(P), 1436(P), 1437(P), 1438(P), 1439(P), 1440(P), 1441(P), 1442(P), 1443(P), 1444(P), 1445(P), 1446(P), 1447(P), 1448(P), 1449(P), 1450(P), 1451(P), 1452(P), 1453(P), 1454(P), 1455(P), 1456(P), 1457(P), 1458(P), 1459(P), 1460(P), 1461(P), 1462(P), 1463(P), 1464(P), 1465(P), 1466(P), 1467(P), 1468(P), 1469(P), 1470(P), 1471(P), 1472(P), 1473(P), 1474(P), 1475(P), 1476(P), 1477(P), 1478(P), 1479(P), 1480(P), 1481(P), 1482(P), 1483(P), 1484(P), 1485(P), 1486(P), 1487(P), 1488(P), 1489(P), 1490(P), 1491(P), 1492(P), 1493(P), 1494(P), 1495(P), 1496(P), 1497(P), 1498(P), 1499(P), 1500(P), 1501(P), 1502(P), 1503(P), 1504(P), 1505(P), 1506(P), 1507(P), 1508(P), 1509(P), 1510(P), 1511(P), 1512(P), 1513(P), 1514(P), 1515(P), 1516(P), 1517(P), 1518(P), 1519(P), 1520(P), 1521(P), 1522(P), 1523(P), 1524(P), 1525(P), 1526(P), 1527(P), 1528(P), 1529(P), 1530(P), 1531(P), 1532(P), 1533(P), 1534(P), 1535(P), 1536(P), 1537(P), 1538(P), 1539(P), 1540(P), 1541(P), 1542(P), 1543(P), 1544(P), 1545(P), 1546(P), 1547(P), 1548(P), 1549(P), 1550(P), 1551(P), 1552(P), 1553(P), 1554(P), 1555(P), 1556(P), 1557(P), 1558(P), 1559(P), 1560(P), 1561(P), 1562(P), 1563(P), 1564(P), 1565(P), 1566(P), 1567(P), 1568(P), 1569(P), 1570(P), 1571(P), 1572(P), 1573(P), 1574(P), 1575(P), 1576(P), 1577(P), 1578(P), 1579(P), 1580(P), 1581(P), 1582(P), 1583(P), 1584(P), 1585(P), 1586(P), 1587(P), 1588(P), 1589(P), 1590(P), 1591(P), 1592(P), 1593(P), 1594(P), 1595(P), 1596(P), 1597(P), 1598(P), 1599(P), 1600(P), 1601(P), 1602(P), 1603(P), 1604(P), 1605(P), 1606(P), 1607(P), 1608(P), 1609(P), 1610(P), 1611(P), 1612(P), 1613(P), 1614(P), 1615(P), 1616(P), 1617(P), 1618(P), 1619(P), 1620(P), 1621(P), 1622(P), 1623(P), 1624(P), 1625(P), 1626(P), 1627(P), 1628(P), 1629(P), 1630(P), 1631(P), 1632(P), 1633(P), 1634(P), 1635(P), 1636(P), 1637(P), 1638(P), 1639(P), 1640(P), 1641(P), 1642(P), 1643(P), 1644(P), 1645(P), 1646(P), 1647(P), 1648(P), 1649(P), 1650(P), 1651(P), 1652(P), 1653(P), 1654(P), 1655(P), 1656(P), 1657(P), 1658(P), 1659(P), 1660(P), 1661(P), 1662(P), 1663(P), 1664(P), 1665(P), 1666(P), 1667(P), 1668(P), 1669(P), 1670(P), 1671(P), 1672(P), 1673(P), 1674(P), 1675(P), 1676(P), 1677(P), 1678(P), 1679(P), 1680(P), 1681(P), 1682(P), 1683(P), 1684(P), 1685(P), 1686(P), 1687(P), 1688(P), 1689(P), 1690(P), 1691(P), 1692(P), 1693(P), 1694(P), 1695(P), 1696(P), 1697(P), 1698(P), 1699(P), 1700(P), 1701(P), 1702(P), 1703(P), 1704(P), 1705(P), 1706(P), 1707(P), 1708(P), 1709(P), 1710(P), 1711(P), 1712(P), 1713(P), 1714(P), 1715(P), 1716(P), 1717(P), 1718(P), 1719(P), 1720(P), 1721(P), 1722(P), 1723(P), 1724(P), 1725(P), 1726(P), 1727(P), 1728(P), 1729(P), 1730(P), 1731(P), 1732(P), 1733(P), 1734(P), 1735(P), 1736(P), 1737(P), 1738(P), 1739(P), 1740(P), 1741(P), 1742(P), 1743(P), 1744(P), 1745(P), 1746(P), 1747(P), 1748(P), 1749(P), 1

G-H-I J	Line passes along the northern boundary of villages Mangaon and Geora and meets at point 'J'.	$W_1-W_2-W_3$ W_4-W_5-X	Line passes along the southern boundary of village Amgaon and meets at point 'X'.
J-K	Line passes along the eastern boundary of village Goera which is also a Western boundary of Jatraj Extension Block acquired under section 9 (1) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 vide notification S.O. No. 420(E) dated 3-7-1978 and meets at point 'K'.	X-Y	Line passes along the southern boundary of village Malgaon and meets at point 'Y'.
K-L	Line passes through village Goera i.e. along the northern boundary of Jatraj Block acquired under section 9 (1) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 vide notification S.O. No. 638(E) dated 9-11-1978 and meets at point 'L'.	$Y-Y_1$ Y_2 — $Z-Z_1$	Line passes along the western boundary of villages Malgaon, Jhingatpur, Beltikri and meets at point 'Z'.
L-M	Line passes along the eastern boundary of village Mangaon which is also a western boundary of Jatraj Block acquired under section, 9 (1) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 vide notification S.O.No. 638(E) dated 9-11-1978 and meets at point 'M'.	Z_1-Z_2	Line passes along the northern boundary of village Beltikri and meets at point 'Z'.
M-N O-P	Line passes along the northern boundary of Kosmunda Block acquired under section 9 (1) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 vide notification S.O. No. 150 dated 4-1-1964 and meets at point 'P'.	Z_2-Z_3-A	Line passes along the western boundary of village Dipka and meets at the starting point 'A'.
P-Q	Line passes along the western boundary of Kosmunda Block acquired under section 9 (1) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 vide notification S.O.No. 150 dated 4-1-1964 and meets at point 'Q'.		
Q R	Line passes along the southern boundary of Kosmunda Block acquired under section, 9 (1) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 vide notification S.O. No. 150 dated 4-1-1964 and meets at point 'R'.		
R-S	Line passes along the western boundary of Jatraj Block acquired under section, 9 (1) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 vide notification S.O.No. 638(E) dated 9-11-1978 and meets at point 'S'.		
S-T	Line passes along the southern boundary of Jatraj Block acquired under section 9 (1) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 vide notification S.O.No. 638(E) dated 9-11-1978 and meets at point 'T'.		
T-T ₁ —U— V—V ₁ —W.	Line passes along the southern boundary of villages Bhathora, Bahanpur, Ponda and meets at point 'W'.		
W—W ₁ .	Line passes along the eastern boundary of village Amgaon and meets at point 'W ₁ '.		

[No. 19 (37)/80-CL]

SWARAN SINGH, Under Secy.

अन्तरिक्ष विभाग

आदेश

बंगलोर, 13 अक्टूबर, 1980

क्र० आ० 3299.—राष्ट्रपति, अन्तरिक्ष विभाग कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपोल) नियम, 1976 के नियम 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निर्देश देने हैं कि अन्तरिक्ष विभाग के अन्तर्गत आने वाले निम्नलिखित पदों का वर्गीकरण निम्न प्रकार होगा:—

क्रम सं०	पदों का विवरण	पदों का वर्गीकरण
1.	रु० 1300/- के वेतन वाले पद अथवा जिन पदों का अधिकतम वेतनमान इससे कम नहीं है।	समूह "क"
2.	(i) रु० 900/- के वेतन वाले पद अथवा जिन पदों का अधिकतम वेतनमान इससे कम नहीं है परन्तु रु० 1300/- से कम है। (ii) अन्तरिक्ष विभाग के सचिवालय में सहायक/व्यक्तिगत सहायकों के पद	समूह "ख"
3.	रु० 290/- से अधिक के वेतन वाले पद अथवा जिन पदों का अधिकतम वेतनमान इससे अधिक है, लेकिन रु० 900/- से कम है।	समूह "ग"
4.	रु० 290/- के वेतन वाले पद अथवा जिन पदों का अधिकतम वेतनमान इससे कम है।	समूह "घ"

2. इस आदेश के प्रयोजन हेतु :

- "वेतन" का तात्पर्य मूल नियम 9 (21) (क) (i) में निर्धारित वेतन की परिभाषा से है ;
- "वेतनमान" का तात्पर्य केन्द्रीय सिविल सेवा (संशोधित वेतन) नियम, 1973 के अन्तर्गत निर्धारित संशोधित वेतनमान से है

[सं० 9/4(1)/80-III]

DEPARTMENT OF SPACE

ORDER

Bangalore, the 13th October, 1980

S.O. 3299.—In exercise of the powers conferred by rule 4 of the Department of Space Employees (Classification, Con-

tro and Appeal) Rules, 1976, the President hereby directs with immediate effect, that the civil posts under the Department of Space shall be classified as follows:—

Sl. No.	Description of posts	Classification of posts
1.	Posts carrying a pay or a scale of pay with a maximum of not less than Rs. 1,300.	Group 'A'
2.	(i) Posts carrying a pay or a scale of pay with a maximum of not less than Rs. 900 but less than Rs. 1,300 (ii) Posts of Assistants/Personal Assistants in the Secretariat of the Department of Space.	Group 'B'
3.	Posts carrying a pay or a scale of pay with a maximum of over Rs. 290 but less than Rs. 900.	Group 'C'
4.	Posts carrying a pay or a scale of pay the maximum of which is Rs. 290 or less.	Group 'D'
2. For the purposes of this Order:		
(i) 'pay' has the meaning assigned to it in Fundamental Rule 9(21) (a) (i);		
(ii) 'scale of pay' means the revised scale of pay prescribed under the Central Civil Services (Revised Pay) Rules, 1973.		

[No. 9/4(1)/80-III]

क।० आ।० 3300.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के
परन्तुक्त द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अतिरिक्त विभाग कर्म-
चारी (वर्गीकरण, नियंत्रण और अप्रोल) नियम, 1976 में और संशोधन
न करने के लिये निम्नलिखित नियम बताने हैं, अर्थात्

1. (1) ये नियम अंतरिक्ष विभाग कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपोल) तृतीय मशोधन नियम, 1980 हैं।
 (2) यह राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख को प्रकट होंगे।
2. अंतरिक्ष विभाग कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपोल) नियम, 1976 को अनुसूची में भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह-1, अंतरिक्ष खंड, परियोजना कार्यालय (हूस्ट-1 एस० एम० पी० ओ०) से सम्बद्ध प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियाँ सम्मिलित की जायेंगी अर्थात् :—

1	2	3	4	5
---	---	---		
	नोदन	प्रणाली		
	प्रणाली	यूनिट		
	यूनिट ।			
समूह "ग"	प्रबंधक,	प्रबंधक,	सभी	कार्यक्रम
	प्रेषण	प्रेषण		निदेशक
	ट्रांसड्यूसर	ट्रांसड्यूसर		सहायक
	तथा	तथा		नोदन
	संविधान	संविधान		प्रणाली
	सुविधा,	सुविधा		यूनिट ।
	सहायक	सहायक		
	नोदन	नोदन		
	प्रणाली	प्रणाली		
	यूनिट ।	यूनिट ।		
समूह "घ"	प्रबंधक,	प्रबंधक,	सभी	कार्यक्रम
	प्रेषण	प्रेषण		निदेशक
	ट्रांसड्यूसर	ट्रांसड्यूसर		सहायक
	तथा	तथा		नोदन
	संविधान	संविधान		प्रणाली
	सुविधा,	सुविधा,		यूनिट ।
	सहायक	सहायक		
	नोदन	नोदन		
	प्रणाली	प्रणाली		
	यूनिट ।	यूनिट ।		

[स० १/४(१)/८०-III]
 पी० ए० मेनन, प्रवर, सचिव

S.O. 3300.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Department of Space Employees' (Classification, Control and Appeal) Rules, 1976, namely:—

1. (1) These rules may be called the Department of Space Employees' (Classification, Control and Appeal) Third Amendment Rules, 1980;
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Department of Space Employees' (Classification, Control and Appeal) Rules, 1976, after the entries relating to the Indian National Satellite-1, Space Segment Project Office (INSAT-1 SSPO), the following entries shall be inserted, namely:—

1	2	3	4	5
"AUXILIARY PROPULSION SYSTEMS UNIT				
GROUP "B"				
(i) Scientific and Technical	Programme Director, Auxiliary Propulsion Systems Unit	Programme Director, Auxiliary Propulsion Systems Unit	All	Secretary, Department of Space
(ii) Administrative/ other posts	Manager, Pressure Transducer and Fabrication Facility, Auxiliary Propulsion Systems Unit.	Manager, Pressure Transducer and Fabrication Facility, Auxiliary Propulsion Systems Unit.	All	Programme Director, Auxiliary Propulsion Systems Unit.

1	2	3	4	5
GROUP "C"	Manager, Pressure Transducer and Fabrication Facility, Auxiliary Propulsion Systems Unit.	Manager, Pressure Transducer and Fabrication Facility, Auxiliary Propulsion Systems Unit.	All	Programme Director, Auxiliary Propulsion Systems Unit.
GROUP "D"	Manager, Pressure Transducer and Fabrication Facility, Auxiliary Propulsion Systems Unit.	Manager, Pressure Transducer and Fabrication Facility, Auxiliary Propulsion Systems Unit.	All	Programme Director, Auxiliary Propulsion Systems Unit."

[No. 9/4(1)/80-III]

P.A. MENON, Under Secy

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 31st October, 1980

S.O. 3301.—Whereas the Central Government has ceased to perform the functions of purchase, storage, movement, transport, distribution and sale of food-grains done by the Department of Food, the Regional Directorates of Food, the Procurement Directors and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food which under section 13 of Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) are the functions of the Food Corporation of India;

And, Whereas, the following officers and employees serving in the Department of Food, the Regional Directorates of Food, the Procurement Directorates and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food and engaged in the performance of the functions mentioned above have not in response to the circular of the Central Government dated the 16th April, 1971 intimated within the date specified therein, their intention of not becoming employees of the Food Corporation of India as required by the proviso to sub-section (I) of Section 12-A of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 12-A of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) as amended upto date the Central Government hereby transfer the following officers and employees to the Food Corporation of India with effect from the date mentioned against each of them.

S. No.	Name of the Officer/employee	Permanent post held under the Central Government	Post held under the Central Government at the time of transfer	Date of transfer to F.C.I.
1.	Shri Badloo S/o Shri Imani.	Sweeper	Sweeper	1-3-1969
2.	Shri Ram Pher S/o Shri Mangal.	—	Watchman	1-3-1969
3.	Shri S. V. Badlani	Assistant Director	Assistant Director	1-3-1969
4.	Shri Yaduvanes Narain.	Assistant Director.	Assistant Director.	1-3-1969

[No. 52/1/79-FCIII (Vol. VI)]
S. L. KAMBOH, Under Secy.

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर, 1980

का० अ० 3301.—अतः केन्द्रीय सरकार ने खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपार्जित निदेशालयों और खाद्य विभाग के वेतन तथा लेखा कार्यालयों द्वारा किए जाने वाले खाद्यान्नों के क्रय, भण्डारकरण, संचलन, परिवहन, वितरण तथा विक्रय के कृत्यों का पालन करना बंद कर दिया है जाकि खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) की धारा 13 के अधीन भारतीय खाद्य निगम के कृत्य है।

और यतः खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपार्जित निदेशालयों और खाद्य विभाग के वेतन तथा लेखा कार्यालयों में कार्य कर रहे और उपरिर्वाणित कृत्यों के पालन में लगे निम्नलिखित अधिकारियों और कर्मचारियों ने केन्द्रीय सरकार के तारीख 16 अप्रैल, 1971 के परिपत्र के प्रत्युत्तर में उसमें दिनिदिष्ट तारीख के अन्दर भारतीय खाद्य निगम के कर्मचारी न बनने के अपने आग्रह को उक्त अधिनियम की धारा 12-ए की उपधारा (1) के परत्युक्त द्वारा यथा अपेक्षित सूचना नहीं दी है।

अतः अब खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) यथा अद्यतन संशोधित की धारा 12-ए द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित कर्मचारियों को प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से भारतीय खाद्य निगम में स्थानान्तरित करती है:—

क्रम संख्या	अधिकारी/कर्मचारियों का नाम	केन्द्रीय सरकार के अधीन स्थायी पद	स्थानान्तरण के समय केन्द्रीय सरकार के अधीन पद	भारतीय खाद्य निगम में स्थानान्तरण की तारीख
-------------	----------------------------	-----------------------------------	---	--

1.	श्री बदलू सुपुत्र श्री हसानी	स्वीपर	स्वीपर	1-3-1969
2.	श्री राम फेर सुपुत्र श्री मंगल	—	वाचमैन	1-3-1969
3.	श्री एस० बी० बदलानी	सहायक निदेशक	सहायक निदेशक	1-3-1969
4.	श्री यदुवनेश नारायण	सहायक निदेशक	सहायक निदेशक	1-3-1969

[सं० 52/1/79-एफ० सी० 3 (वायूम-6)]
एस० एल० कम्बोह, अवर सचिव

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 1980

का० अ० 3302.—अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान अधिनियम, 1956 (1956 का 25) की धारा 4 के खड (घ) का अनुसरण करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री पी० सवानायगम के स्थान पर श्री मीर नमसल्लाह, अवर सचिव, शिक्षा और संस्कृति मंत्रालय को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली का रायस्य मनोनीत करती है और भारत सरकार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की

24 दिसम्बर, 1977 की अधिसूचना संख्या सी० 16011/1/76-एम०ई० (पी०जी०) से निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में प्रविष्टि 2 के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"2 श्री मीर नसरुल्लाह, शिक्षा मंत्रालय के प्रतिनिधि।"
अवर सचिव,
शिक्षा और संस्कृति मंत्रालय,
नई दिल्ली।

[सं० सी० 16011/2/80-एम०ई० (पी०जी०)]
पा० सी० जैन, अवर सचिव

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

New Delhi, the 14th November, 1980

S.O. 3302:—In pursuance of clause (d) of section 4 of the All India Institute of Medical Sciences Act, 1956, (25 of 1956), the Central Government hereby nominates Shri Mir Nasrullah, Additional Secretary, Ministry of Education and Culture, to be a member of the All India Institute of Medical Sciences, New Delhi vice Shri P. Sabanayagam, and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare No. V. 15011/1/76-ME(PG), dated the 24th December, 1977, namely:—

In the said notification, for entry 2, the following entry shall be substituted, namely:—

"2 Shri Mir Nasrullah, Representative of the
Additional Secretary, Ministry of Education and
Culture,
New Delhi.

[No. V. 16011/2/80-ME(PG)]
P. C. JAIN, Under Secy.

शिक्षा संस्कृति मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 1980

का० आ० 3303 :—आरोविल (आपातकालीन उपबन्ध) अध्यादेश, 1980 (1980 का 19) की धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री बी० कार्तिकेयन, मुख्य-सचिव, तमिलनाडु सरकार को उक्त अध्यादेश के प्रयोजनों के लिए प्रशासक नियुक्त करती है।

राष्ट्रपति के आदेशानुसार तथा उनके नाम से।

[फा० सं० 8-5/80-नोति-नियम-1]

MINISTRY OF EDUCATION & CULTURE

(Department of Education)

ORDERS

New Delhi, the 12th November, 1980

S.O. 3303:—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of the Auroville (Emergency Provisions) Ordinance, 1980, (19 of 1980), the Central Government hereby appoints Shri V. Karthikeyan, Chief Secretary, Government of Tamil Nadu, as the Administrator for the purposes of the said Ordinance.

By order and in the name of the President.

[No. F. 8-5/80-PN-I]

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 1980

का० आ० 3304 :—आरोविल (आपातकालीन उपबन्ध) अध्यादेश, 1980 (1980 का 19) की धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, तथा केन्द्रीय सरकार के शिक्षा और संस्कृति मंत्रालय (शिक्षा विभाग) के आदेश संख्या एफ० 8-5/80-नोति-नियम-1 दिनांक 12 नवम्बर, 1980 को रद्द करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अध्यादेश के प्रयोजनों के लिए एतद्वारा श्री बी० कार्तिकेयन, मुख्य-सचिव, तमिलनाडु सरकार के स्थान पर, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश श्री एल० पी० निगम को प्रशासक नियुक्त करती है। राष्ट्रपति के आदेशानुसार तथा उनके नाम से।

[सं० एफ० 8-5/80-नोति-नियम-1]

मीर नसरुल्लाह, अवर सचिव

New Delhi, the 14th November, 1980

S.O. 3304:—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of the Auroville (Emergency Provisions) Ordinance, 1980, (19 of 1980), and in supersession of the Order of the Central Government in the Ministry of Education & Culture (Department of Education) No. F. 8-5/80-PN. I dated the 12th November, 1980, the Central Government hereby appoints Shri L. P. Nigam, retired Judge of the Allahabad High Court as the Administrator for the purposes of the said Ordinance, vice Shri V. Karthikeyan, Chief Secretary, Government of Tamil Nadu.

By order and in the name of the President.

[No. F. 8-5/80-PN. I]
MIR NASRULLAH, Addl. Secy.

मौखिक और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1980

का० आ० 3305 :—डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) नियम, 1962 के नियम संख्या 4 के अनुसूचन में केन्द्रीय सरकार बम्बई डाक लेबर बोर्ड में एक सदस्य की जगह को अधिसूचित करती है जो इसके सदस्य श्री डी० ए० धुनीभोय के 1 मिनम्बर 1980 को दिवंगत हो जाने के कारण खाली हुई है।

[फा० सं० एल डी बी/29/80-एल III]

बन्धुमान बडगुजर, निदेशक

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 6th November, 1980

S.O. 3305:—In pursuance of rule 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Rules, 1962, the Central Government hereby notifies the vacancy occurred in the Bombay Dock Labour Board by the death of its member Shri D. A. Dhunjibhoy, expired on 1st September, 1980.

[File No. IDB/29/80-L.III]

C. B. BUDGUJAR, Director.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 1980

का० आ० 3306 :—चलचित्र अधिनियम, 1952 की धारा 5(1) और चलचित्र (सेमर) नियम, 1958 के नियम 9 के उप-नियम (1) के माध्यम से नियम (3) के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने एतद्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को तत्काल से अगले आदेश तक, उक्त बोर्ड के बम्बई सलाहकार पैनल का सदस्य नियुक्त किया है :—

1. श्री राम महाय एम० पाण्डे
2. बेगम सुरेता मैसूर

3. डा० रमसाहय पं० शर्मा
4. डा० (कु०) लेखा पाठक
5. डा० (श्रीमती) इन्दुमति बिश्नो
6. बेगम नीलुफर बी० कपाडिया
7. श्री सुरेश शर्मा
8. श्री आर० सी० अग्रवाल
9. श्रीमती सुधा जोशी
10. श्री जयन्त अनन्त खेर
11. श्रीमती सुधा गोयल
12. श्री मोहन पंजाबी
13. श्री मोरेश्वर बी० बनमाली
14. डा० चन्द्रकान्त एस० कामरानी

[फा० सं० 811/4/80-एफ (सी)]

सुरेन्द्र कुमार शर्मा, निदेशक (फिल्म)

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

New Delhi, the 12th November, 1980

S.O. 3306.—In exercise of the powers conferred by Section 5(1) of the Cinematograph Act, 1952 and Sub-rule (3) of Rule 8 read with Sub-rule (1) of Rule 9 of the Cinematograph (Censorship) Rules, 1958 the Central Government hereby appoints the following persons, as Members of the Advisory Panel of the said Board at Bombay with immediate effect, until further orders :—

1. Shri Ramsahai S. Pandey
2. Begum Suraiya Syed
3. Shri Narayanrao S. Chavan
4. Dr. (Kum.) Lekha Pathak
5. Dr. (Smt.) Indumati Bishnoi
6. Begum Nilufer B. Kapadia
7. Shri Suresh Sharma
8. Shri R. C. Agrawal
9. Smt. Sudha Joshi
10. Shri Jayant Anant Kher
11. Smt. Sudha Goyal
12. Shri Mohan Punjabi
13. Shri Moreshwar B. Vanmali
14. Dr. Chandrakant S. Kambli

[F. No. 811/4/80-F(C)]

S. K. SHARMA, Director (Films)

संचार मंत्रालय**(डाक-तार बोर्ड)**

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 1980

फा० आ० 3307.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने चिन्नापुरम टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-12-80 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं० 5-6/80-पी० एच० बी०]

MINISTRY OF COMMUNICATIONS**(P & T Board)**

New Delhi, the 14th November, 1980

S.O. 3307.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 1-12-1980 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Chinnapuram Telephone Exchange, Andhra Pradesh Circle.

[No. 5-6-/80 PHB]

फा० आ० 3308.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने पुलादिगुन्टा टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-12-80 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं० 5-6/80-पी० एच० बी०]

S.O. 3308.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 1-12-1980 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Pulladigunta Telephone Exchange, Andhra Pradesh Circle.

[No. 5-6-/80-PHB]

फा० आ० 3309.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने बलिजिपेट, रामभद्रपुरम अरिक्किटोट टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-12-80 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं० 5-6/80 पी० एच० बी०]

S.O. 3309.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951 as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs hereby specifies 1-12-1980 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Balajipeta, Ramabhadrapuram and Arikithota Telephone Exchange, Andhra Pradesh Circle.

[No. 5-6-/80-PHB]

फा० आ० 3310.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने कोरुकोंडा गडाला, श्री कृष्णपटनम टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-12-80 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं० 5-6/80-पी० एच० बी०]

S.O. 3310.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 1-12-1980 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Korukonda, Gadala and Siikrishnapatnam Telephone Exchange, Andhra Pradesh Circle.

[No. 5-6/80-PHB]

फा० आ० 3311.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने अम्मनब्रोल, इथमुक्कल, कारावाडी, मद्रिपडु, मद्रिरालपाडु, कोत्तपटनम, नागलुप्पलपाडु, मन्नालुलपाडु, टंगुतुर, निडमलूर टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-12-80 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं० 5-6/80-पी० एच० बी०]

S.O. 3311.—In pursuance of para (a) Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs hereby specifies 1-12-1980 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Ammanabrolu, Ethamukkala, Karavadi, Maddipadu, Maddiralapadu, Kothapatnam, Nagaluppapadu Santhanuthalapadu, Tanguturu and Nidamalur, Telephone Exchange, Andhra Pradesh Circle.

[No. 5-6-/80-PHB]

क्रा० आ० 3312—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महाविदेशक ने चिन्नगम कारमचेदु स्वर्ण, वेटपालेम टेलीफोन केंद्र में दिनांक 1-12-80 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं० 5-6/80-पी०एच० बी०)]

S.O. 3312.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General Posts and Telegraphs, hereby specifies 1-2-1980 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Chinnaganjam, Karamchedu Swarna and Vetapalem Telephone Exchange, Andhra Pradesh Circle.

[No. 5-6/80-PHB]

क्रा० आ० 3313—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महाविदेशक ने दारसी, कुरीचेड, रावीनथला, रावनकी टेलीफोन केंद्र में दिनांक 1-12-80 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं० 5-6/80-पी०एच० बी०]

आर० सी० कटारिया, सहायक महाविदेशक (पी०एच० बी०)

S.O. 3313.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 1-2-80 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Darsi, Kurichedu, Ravinuthala and Addanki Telephone Exchange, Andhra Pradesh Circle.

[No. 5-6/80-PHB]

R. C. KATARIA, Assistant Director General (PHB)

अम मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1980

क्रा० आ० 3314—इससे उपाखंड अनुसूची में विनिर्दिष्ट औद्योगिक विवाद श्री बी० पी० नरसिंहम पीठासीन अधिकारी, औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के समक्ष संबंधित पक्ष है;

और श्री बी० पी० नरसिंहम की सेवाएं अब उपलब्ध नहीं रही हैं;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 33-ख की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 7-क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री बी० नीलाद्री राव होंगे, जिसका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त श्री बी० पी० नरसिंहम, पीठासीन अधिकारी, औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के समक्ष संबंधित उक्त विवाद से संबंध कार्यवाही को वापस लेती है और उसे श्री बी० नीलाद्री राव पीठासीन अधिकारी, औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद को इस निर्देश के साथ अंतरित करती है कि उक्त अधिकरण उस पर उस प्रक्रम से आगे कार्यवाही करेगा, जिस पर वह उसे अंतरित की गई है तथा विधि के अनुसार उसका निपटारा करेगा।

अनुसूची

क्रम संख्या	औद्योगिक विवाद संख्या	आदेश का नाम और तारीख	पक्षकारों के नाम
1	2	3	4
1		अम मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल	ओपन कार्ट प्रोजेक्ट रमागुण्डम लिमिटेड IV,

1	2	3	4
	2101L(8)/79-बी IV (बी) तारीख 9-1-80	सिंगरैनी कोलियरीज लि०, गोदावरी खनि, हैदराबाद, के कर्मकार और प्रबंध मंडल।	

[सं० एल-21012(8)/79-बी IV बी]

MINISTRY OF LABOUR ORDER

New Delhi, the 23rd September, 1980

S.O.3314 :—Whereas, the Industrial dispute specified in the Schedule hereto annexed is pending before Shri B.V. Narsimham, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Hyderabad;

And, whereas, the services of Shri B.V. Narsimham are no longer available;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A read with sub-section (i) of the Section 33-B of the Industrial Disputes, Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal, the Presiding Officer of which shall be Shri V. Neeladri Rao with headquarters at Hyderabad and withdraws the proceedings in relation to the said disputes pending before the said Shri B.V. Narsimham Presiding Officer Industrial Tribunal Hyderabad and transfers the same to Shri V. Neeladri Rao Presiding Officer, Industrial Tribunal, Hyderabad with the direction that the said Tribunal shall proceed with the proceedings from the stage at which they are transferred to it and dispose of the same according to law.

SCHEDULE

Sl. No.	I.D. No.	Name and date of the Order	Name of the parties
1	2	3	4
1.		Order No. L-21012(8)/79-D.I.V (B) dated 9-1-1980 from the Ministry of Labour, New Delhi.	Workman and the management of Open Cast Project, amagundem—Division IV, Singareni Collieries Limited, Godavari Khani, Hyderabad.

[No. L-2101 9-D.IV.B)]

आदेश

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1980

क्रा० आ० 3315. —इससे उपाखंड अनुसूची में विनिर्दिष्ट औद्योगिक विवाद श्री एम० श्रीनिवास राव, पीठासीन अधिकारी, औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के समक्ष संबंधित पक्ष है।

और श्री एम० श्रीनिवास राव की सेवाएं अब उपलब्ध नहीं रही हैं।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 33-ख की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 7-क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण का गठन करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री बी० नीलाद्री राव होंगे, जिसका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त श्री एम०

आमिनाब राव, पीठासीन अधिकारी औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के समक्ष प्रेषित उक्त विवाद के संबंध कार्यवाही को वापस लेती है तथा उसे श्री बी० नीताद्री राव पीठासीन अधिकारी, औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद को इस निदेश के साथ प्रेषित करती है कि उक्त अधिकरण कार्यवाही के संबंध में उस प्रक्रम से आगे कार्यवाही करेगा, जिसपर वह उसे प्रेषित की गई है तथा विधि के अनुसार उसका निपटारा करेगा।

अनुसूची

कमांक औद्योगिक आदेश का नाम और तारीख पत्रकारों के नाम
सं० विभाग संख्या

1	2	3	4
(1)	8178	भारत सरकार के श्रम रोजगार और पुनर्वासि मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-21011/1/77-डी-4 (बी), तारीख 20-3-78	सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड, रामा-कृष्णपुर डिवीजन जिला आदिलापेट, आंध्र प्रदेश के कर्मकार और प्रबंध-मंडल
(2)	10178	भारत सरकार के श्रम रोजगार और पुनर्वासि मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-29012/28/77-डी-3 (बी), तारीख 2-5-78	श्री कोदेनवरम बेराइटिस माइग, संकायम विस०, बिजापुर डाकखाना उदयगिरी तालुक, मैसूर जिला के कर्मकार और प्रबंधमंडल
(3)	17178	भारत सरकार के श्रम रोजगार और पुनर्वासि मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-28011(4)/76-डी-4 (बी)/डी-3(बी), तारीख 31-5-78	श्री कल्याण राम माटीका माइन, कालिबेट्ट, जिला मैसूर (आंध्र प्रदेश) के कर्मकार और प्रबंधमंडल
(4)	18178	भारत सरकार के श्रम रोजगार और पुनर्वासि मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-21012/1/78-डी 4 (बी), तारीख 12-7-78	सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड, गोवावरी खानी जिला करीमनगर (आंध्र प्रदेश) के कर्म-कार और प्रबंधमंडल।
(5)	21178	भारत सरकार के श्रम रोजगार और पुनर्वासि मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-21012 / 3/78-डी-4 (बी), तारीख 21-8-78	सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लि० गोवावरी खानी, जिला करीमनगर के कर्म-कार और प्रबंधमंडल।
(6)	23178	भारत सरकार के श्रम रोजगार और पुनर्वासि मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-21012/5/78-डी 4 (बी), तारीख 19-8-78	सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लि०, गोवावरी खानी, करीमनगर जिला के कर्मकार और प्रबंध-मंडल।

1	2	3	4
(7)	25178	भारत सरकार के श्रम रोजगार और पुनर्वासि मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-21012(8)/78-डी-4 (बी), तारीख 29-8-78	सिंगरेनी कोलियरीज कं० लि०, यल्लाडि डिवीजन, जिला खम्माम के प्रबंध-तंत्र और कर्मकार।
(8)	18171	भारत सरकार के श्रम रोजगार और पुनर्वासि मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या 23/28/70-एल० प्रा० 3, तारीख 3-1-71।	ग्रान्ध बैंक लि०, हैदराबाद के कर्मकार और प्रबंध-मंडल (ग्रान्ध प्रदेश) उच्च न्यायालय द्वारा वापिस लिया गया।
(9)	33178	भारत सरकार के श्रम रोजगार और पुनर्वासि मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-21012/(12)/78-डी 4(बी), तारीख 9-10-78.	सिंगरेनी कोलियरीज कं० लि०, गोवावरी खानी, रामागन्डम, जिला करीम नगर, (आंध्र प्रदेश) के कर्मकार और प्रबंधमंडल।
(10)	34178	भारत सरकार के श्रम रोजगार और पुनर्वासि मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-21012/16/78-डी-4(बी) तारीख 20-10-78।	सिंगरेनी कोलियरीज कं० लि०, शांतिखानी वेल्सम पल्ली डिवी० 2, अष्टि-लाबाव जिला (आंध्र प्रदेश) के कर्मकार और प्रबंधमंडल।
(11)	35178	भारत सरकार के श्रम रोजगार और पुनर्वासि मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-21012(17)/78-डी-4(बी), तारीख 20-10-78	सिंगरेनी कोलियरीज कं० लि०, येल्लान्डी कोलिय-रीज, रामागन्डम।
(12)	41178	भारत सरकार के श्रम रोजगार तथा पुनर्वासि मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-12012/39/78-डी-2 (ए), तारीख 4-12-78.	डिवीजन-2, गोवावरी खानी के कर्मकार और प्रबंध-मंडल स्टेट बैंक आफ इंडिया, हैदराबाद के कर्म-कार और प्रबंधक।
(13)	1179	भारत सरकार के श्रम रोजगार तथा पुनर्वासि मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-34011/7/78-डी 4 (ए), तारीख 10-1-79.	बिनाबापेटम पोर्ट ट्रस्ट बिनाबापेटम के कर्म-कार और प्रबंधमंडल।
(14)	3179	भारत सरकार के श्रम रोजगार तथा पुनर्वासि मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-12012/4/78-डी 4 (बी) तारीख 19-5-79.	स्टेट बैंक आफ इंडिया, हैदराबाद के कर्मकार और प्रबंधमंडल।

1	2	3	4
(15)	4179	भारत सरकार के अम, रोजगार तथा पुनर्वास मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-21011/4 / 78-डी-4 (बी), तारीख 19-5-79	सिगरेनी कोलियरीज कं० लि०, कोयागुडम कोलियरीज (ग्राम्प प्रदेश) के कर्मकार और प्रबन्ध मंडल
(16)	5179	भारत सरकार के अम, मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-12012/49/78-डी-2 (ए) तारीख 24-5-79	स्टेट बैंक आफ इंडिया असुर ब्रांच के कर्मकार और प्रबन्ध मंडल ।
(17)	6179	भारत सरकार के अम मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-21012(22)/78-डी-4(बी), तारीख 28-5-79	मैसर्स सिगरेनी कोलियरीज कं० लि०, सोमागुडम सं० 3 इन्कलाहन, बेल्सम-पल्ली डिबोजन के कर्मकार और प्रबन्ध मंडल ।
(18)	9179	भारत सरकार के अम मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-11011/4/78-डी-2 (बी) तारीख 18-6-79	इंडियन एयर लाइन्स, मद्रास क्षेत्र के कर्मकार और प्रबन्ध मंडल ।
(19)	11179	भारत सरकार के अम मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-12012/93/78-डी 2 (ए), तारीख 14-6-78 गुडि पत्र संख्या एल-12012/95/78-डी-2 (ए), तारीख 28-6-79	स्टेट बैंक आफ इंडिया, हैदराबाद मकिल के कर्मकार तथा प्रबन्ध मंडल ।
(20)	12179	भारत सरकार के अम मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-21011(17)/79-डी-4(बी), तारीख 1-8-79	सिगरेनी कोलियरीज कं०, लि०, कोयागुडम कोलियरीज (पीओ), सम्पेय जिला (ग्राम्प प्रदेश) के कर्मकार और प्रबन्धमंडल
(21)	13179	भारत सरकार के अम मंत्रालय नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-42011(22)/78-डी-2(बी), तारीख 22-8-79	फंड कारपोरेशन आफ इंडिया के माईत राहम मिल, नैल्सोर के कर्मकार तथा प्रबन्धमंडल ।
(22)	14179	भारत सरकार के अम मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-21012(21)/78-डी-4(बी), तारीख 23-8-79	सिगरेनी कोलियरीज कं० लि०, बेल्सामपल्ली डिबोजन-1, बेल्समपल्ली के कर्मकार तथा प्रबन्धमंडल

1	2	3	4
(23)	15179	भारत सरकार के अम मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-21012/21/78-डी-4 (बी), तारीख 12-3-79 और आदेश संख्या एल-11025/1/79-डी-4(बी) तारीख 18-8-79	सिगरेनी कोलियरीज कं० लि०, रामागुडम डिबोजन-1, गोवावरी जमीनी, करीमनगर जिला, ग्राम्प प्रदेश के कर्मकार और प्रबन्धमंडल ।
(24)	16179	भारत सरकार के अम मंत्रालय, नई दिल्ली, का आदेश संख्या एल-21012/19/78-डी-4 (बी) तारीख 16-3-79 और आदेश संख्या 11025/1/79-डी-4 (ए), तारीख 18-8-79	सिगरेनी कोलियरीज कं० लि० रामागुडम डिबोजन 1, गोवावरी जमीनी, करीम नगर जिला ग्राम्प प्रदेश के कर्मकार और प्रबन्धमंडल ।
(25)	22179	भारत सरकार, अम मंत्रालय, नई दिल्ली, का आदेश सं० एल-34012/2/78-डी-4 (ए), तारीख 6-12-79	विशाखापटनम पोर्ट ट्रस्ट, विशाखापटनम के कर्मकार और प्रबन्धमंडल ।
(26)	1180	भारत सरकार के अम मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-21012/17/79-डी-4 (बी) तारीख 22-9-79 और आदेश संख्या एल-11025/5/79-डी-4 (बी) तारीख 10-1-80	सिगरेनी कोलियरीज कं० लि०, कोयागुडियम (ग्राई० एम० ए०) पावर हाउस के कर्मकार और प्रबन्धमंडल ।
(27)	2180	भारत सरकार के अम मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-12012/3/79-डी 2 (ए) तारीख 7-2-80	स्टेट बैंक आफ इंडिया, हैदराबाद के कर्मकार और प्रबन्धमंडल ।
(28)	—	भारत सरकार के अम मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-28011/4/79-डी-3 (बी) तारीख 16-10-79	श्री कल्याण राम माडका कम्पनी गुडु के कर्मकार और प्रबन्धमंडल ।
(29)	--	भारत सरकार के अम मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-12012/72/79-डी-2 (ए) तारीख 7-8-80	स्टेट बैंक आफ इंडिया, हैदराबाद के कर्मकार और प्रबन्धमंडल ।
(30)	--	भारत सरकार के अम मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-42011/10/79-डी-2 (बी), तारीख 19-6-80	इंडिया गवर्नमेंट मिट, हैदराबाद कर्मकार और प्रबन्धमंडल ।

1	2	3	4
(31)	-- भारत सरकार के श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-21011/18/79-डी-4 (बी), तारीख 7-7-80	सिंगरेनी कोलियरीज कं. लि०, बेलान्डी खन्नाम जिला (आन्ध्र प्रदेश) के कर्मकार और प्रबन्धमंडल	
(32)	-- भारत सरकार के श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-21012/23/79-डी-4 (बी), तारीख 2-8-80	सिंगरेनी कोलियरीज कं. लि० मनुगूर डिवीजन, कोथा-गुडियम के कर्मकार और प्रबन्धक।	
(33)	-- भारत सरकार के श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-21011/8/80-डी-4 (बी), तारीख 14-8-80	सिंगरेनी कोलियरीज कं. लि०, बेलामपल्ली डिवीजन, अदिलाबाद जिला, आन्ध्र प्रदेश के कर्मकार और प्रबन्धमंडल।	
(34)	-- भारत सरकार के श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली का आदेश संख्या एल-21011/3/80-डी-4 (बी), तारीख 14-8-80	सिंगरेनी कोलियरीज कं. लि०, रामाकुण्णपुर डिवीजन-2, ड. कडाना रामा कुण्णपुर, जिला अदिलाबाद, आन्ध्र प्रदेश के कर्मकार और प्रबन्धमंडल।	

केन्द्रीय सरकार की सञ्चाल प्रकोर्ण याचिकाएं

- (1) 18/71/- श्री एन० सुब्बाराव, बनाम आन्ध्र बैंक लिमिटेड 37180 कर्मकार, आन्ध्र बैंक सुल्तान बाजार, हैदराबाद का प्रबन्धमंडल।
औद्योगिक लिमिटेड।
विवाद
में प्र० भा०
सं०
- (2) औद्योगिक श्री श्री० पी० रंगाराव जन-बनाम आन्ध्र बैंक लिमिटेड, रल सेक्टर, आन्ध्र बैंक सुल्तान बाजार, हैदराबाद का प्रबन्धमंडल।
इलाहाबाद एलिसिएन।
विवाद
में प्र० भा०
सं०

[सं० एल-11025/2/80-डी-4 (बी)]

New Delhi, the 25th September, 1980.

ORDER

S.O. 3315.—Whereas the Industrial disputes specified in the Schedule hereto annexed are pending before Shri M. Srinivasa Rao, the Presiding Officer, Industrial Tribunal, Hyderabad;

And Whereas the services of Shri M. Srinivasa Rao are no longer, available;

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A read with sub-section (1) of the Section 33B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal, the Presiding Officer of which shall be Shri V. Neeladri Rao with headquarters at Hyderabad and withdraws the proceedings in relation to the said disputes pending before the said Shri M. Srinivasa Rao Presiding Officer, Industrial Tribunal Hyderabad and transfers the same to Shri V. Neeladri Rao, Presiding Officer, Industrial

Tribunal, Hyderabad with the direction that the said Tribunal shall proceed with the proceedings from the stage at which they are transferred to it and dispose of the same according to law.

SCHEDULE

Sl. No.	I.D. No.	Name and date of the Order	Name of the parties.
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	8/78	Order F. No. L—21011(1)/77-D. IV (B) Dt. 20-3-78, from Ministry of Labour, Employment & Rehabilitation Government of India, New Delhi.	Workmen and the Management of Singareni Collieries Company Limited Ramakrishnapur Division, Adilabad Distt (A.P.).
2.	10/78	Order No. L—29012/28/77-D. III (B) Dt. 2-5-78, from Ministry of Labour, Employment & Rehabilitation, Government of India New, Delhi.	Workmen and the Management of Sri Kodandarama Barytes Mine, Shankavaram Vill Vinjampur PO, Udayagiri Tq. Nellore Distt.
3.	17/78	Order No. L—28011(4)/76-D. IV. B/D. III(B) Dt. 31-5-78, from Ministry of Labour, Employment & Rehabilitation, Government of India, New Delhi.	Workmen and the Management of Sree Kalayana Rama Mica Minc Kalichedu, Nellore Dist. (A.P.).
4.	18/78	Order F. No. L—21012(1)/78-D. IV(B), Dt. 12-7-78, from Ministry of Labour, Employment & Rehabilitation, Government, of India New Delhi.	Workmen and the Management of Singareni Collieries Company Limited Godavari Khani, Karimnagar, Dist (A.P.).
5.	21/78	Order F.No.L—21012/3/78-D. IV(B), Dt 21-8-78, from Ministry of Labour Employment & Rehabilitation, Government of India, New Delhi.	Workmen and the Management of Singareni Collieries Company Ltd., Godavari-khani, Karimnagar District.
6.	23/78	Order F. No. L—21012(5)/78-D. IV(B) Dt. 19-8-78, from, Ministry of Labour, Employment & Rehabilitation Government of India, New Delhi.	Workmen and the Management of Singareni Collieries Co. Ltd., Godavari Khani, Karimnagar Dist.
7.	25/78	Order F. No. L—21012(8)/78-D. IV(B) Dt. 29-8-78, from Ministry of Labour, Employment & Rehabilitation Government of India, New Delhi.	Workmen and the Management of Singareni Collieries Co. Ltd., Yellandu Divn. Khammam Dist.

1	2	3	4	1	2	3	4
8. 18/71	Order (No. 23/28/70/L.R. III), Dt. 3-1-71, from Ministry of Labour Employment & Rehabilitation, Government of India, New Delhi.	Workmen and the Management of Andhra Bank Ltd. Hyderabad (Remanded by High Court of Andhra Pradesh).					Ltd., Somagudem No. 3, Incline, Bellampalli Divn. II.
9. 33/78	Order F.No. L—21012(12)/78-D. IV(B) Dt. 9-10-78, from, Ministry of Labour, Employment & Rehabilitation, Government of India, New Delhi.	Workmen and the Management of Singareni Collieries Co. Ltd., Godavari Khani, Ramagundam Division. Karimnagar Dist.		18. 9/79	Order F. No. L—11011(4)/78-D. II(B) Dt. 18-6-79, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.		Workmen and the Management of Indian Airlines, Madras Region.
10. 34/78	Order F. No. L—21012(16)/78 D. IV(B) Dt. 20-10-78, from Ministry of Labour, Employment & Rehabilitation, Government of India, New Delhi.	Workmen and the Management of Singareni Collieries Co. Ltd., Shanti Khani, Bellampalli Divn. II, Adilabad Dist. (A.P.).		19. 11/79	Order No. L—12012/95/78-D. II. A. Dt. 14-6-79, Corrigendum No. L—12012/95/78-D. II. A., Dt. 28-6-79, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.		Workmen and the Management of State Bank of India, Hyderabad Circle.
11. 35/78	Order F. No. L—21012(17)/78 D. IV (B) Dt. 20-10-78, from Ministry of Labour, Employment & Rehabilitation, Government of India, New Delhi.	Workmen and the Management of Singareni Collieries, Co., Ltd., Yellandu Collieries, Ramagundam Divn. II, Godavari Khani.		20. 12/79	Order F. No. 21011/(17)/79-D. IV(B) Dt. 1-8-79, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.		Workmen and the Management of Singareni Collieries Co. Ltd., Kothagudem Collieries (PO), Khammam Distt. (A.P.)
12. 41/78	Order No. L—12012/39/78-D. II. A. Dt. 4-12-78, from Ministry of Labour, Employment & Rehabilitation, Government of India, New Delhi.	Workmen and the Management of State Bank of India, Hyderabad.		21. 13/79	Order No. L. 42011(22)/78-D. II. B. Dt. 22-8-79, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.		Workmen and the Management of Modern Rice Mill of the Food Corporation of India, Nellore.
13. 1/79	Order No. L—34011(7)/78-D. IV(A) Dt. 10-1-79, from Ministry of Labour, Employment & Rehabilitation, Government of India, New Delhi.	Workmen and the Management of Visakhapatnam Port Trust, Visakhapatnam.		22. 14/79	Order F. No. L—21012(1)/79-D. IV. B. Dt. 23-8-79, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.		Workmen and the Management of Singareni Collieries Co. Ltd., Bellampalli Divn. I, Bellampalli.
14. 3/79	Order No. L—12012/40/78-D. II. A. Dt. 9-4-79, from Ministry of Labour, Employment & Rehabilitation, Government of India, New Delhi.	Workmen and the Management of State Bank of India, Hyderabad.		23. 15/79	Order No. L-21012/21/78-D. IV (B) Dt. 12-3-79, and order No. F. No. 11025(1)/79-D. IV(B) Dt. 18-8-79, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.		Workmen and the Management of Singareni Collieries Co. Ltd.; Ramagundam Divn-I, Godavari Khani, Karimnagar, Dist. Andhra Pradesh.
15. 4/79	Order No. F. L—21011(4)/78-D. IV(B) Dt. 19-5-79, from Ministry of Labour, Employment & Rehabilitation, Government of India, New Delhi.	Workmen and the Management of Singareni Collieries Co. Ltd., Kothagudem Collieries, A.P.		24. 16/79	Order No. F.L-21012(19)/78-D. IV(B) Dt. 16-3-79 and Order F. No. 11025(1)/79-D. IV(B) Dt. 18-8-79 from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.		Workmen and the Management of Singareni Collieries Co. Ltd. Ramagundam Divn-I, Godavari Khani, Karimnagar Dist. Andhra Pradesh.
16. 5/79	Order No. L—12012/49/78-D. II. A. Dt. 25-5-79, from, Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.	Workmen and the Management of State Bank of India, Alur Branch.		25. 22/79	Order No. L-34012/2/78-D. IV(A) Dt. 6-12-79, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.		Workmen and the Management of Visakhapatnam Port Trust, Visakhapatnam.
17. 6/79	Order F. No. L—21012(22)/78 D. IV(B) Dt. 28-5-79, from Government of India, Ministry of Labour, New Delhi.	Workmen and the Management of M/s. Singareni Collieries Co.,		26. 1/80	Order No. L-21012(17)/79-D. IV(B) Dt. 22-9-79 and order No. S-11025 (5)/79-D. IV. B. Dt. 10-1-80 from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.		Workmen and the Management of Singareni Collieries Co. Ltd., Kothagudem (I.M.A.) Power House.

1	2	3	4
27. 2/80	Order No. L-12012/3/79-D. II. A. Dt. 7-2-1980, from Govt. of India Ministry of Labour, New Delhi.	Workmen and the Management of State Bank of India, Hyderabad.	
28.	Order No. L-28011/4/79-D. III. B. Dt. 16-10-79 from Govt. of India Ministry of Labour, New Delhi.	Workmen and the Management of Sri Kalayana Rama Mica Company, Gudur.	
29.	Order No. L-12012/72/79-D. II. A. Dt. 7-6-80, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.	Workmen and the Management of State Bank of Hyderabad.	
30.	Order No. L-42011/10/79-D. II. B. Dt. 19-6-1980, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.	Workmen and the Management of India Government Mint, Hyderabad.	
31.	Order No. L-21011/18/79-D. IV(B) Dt. 7-7-80, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.	Workmen and the Management of Singareni Collieries Co. Ltd., Yellandu, Khammam Distt. (A.P.)	
32.	Order No. L-21012/23/79-D. IV(B) Dt. 2-8-80, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.	Workmen and the Management of Singareni Collieries Co. Ltd., Marugur Divn. Kothagudum.	
33.	Order No. L-21011(8)/80-D. IV(B) Dt. 14-8-80, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.	Workmen and the Management of Singareni Collieries Co. Ltd., Belampali, Divn. Adilabad Dt. A.P.	
34. —	Order No. L-21011(3)/80-D. IV(B) Dt. 14-8-80, from Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi.	Workmen and the Management of Singareni Collieries Co. Ltd., Ramakrishnapur Divn. II. P.O. Ramakrishnapur, Adilabad Dt., A.P.	

Central Government's Miscellaneous Petitions Pending

1. M.P. No. 37/80 in I.D. No. 10/71 *Sri N. Subbarao, Vs. The Management of Andhra Bank Ltd., Sultan Bazar, Hyderabad.*
2. M.P. No. 45/80 in I. D. No. 18/71 *Sri O.P. Ranga Rao, General Secretary, Andhra Bank Employees Association. Vs. The Management of Andhra Bank Ltd., Sultan Bazar, Hyderabad.*

[No. L-11025(2)/80-D. IV(B)]

New Delhi, the 17th November, 1980

S.O. 3316.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute

between the employers in relation to the management of Ningha Colliery Ningha Sub-Area, Eastern Coalfields Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th November, 1980.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under Sec. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 3 of 1980

PARTIES :

Employers in relation to the management of Ningha Colliery of Eastern Coalfields Ltd., P. O. Kalipahari, District Burdwan.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

APPEARANCES :

For the Employers—Shri T. P. Choudhury, Advocate.

For the Workmen—Shri B. Lal, Advocate.

State : West Bengal.

Industry : Coal.

AWARD

By Order No. L-19012(39)/79-D.IV(B) dated 10th March, 1980 the Central Government has referred to this Tribunal the dispute as mentioned in the schedule attached to the order for adjudication. The schedule to the order reads thus :

"Whether the action of the management of Ningha Colliery, Ningha Sub-Area, Eastern Coalfields Limited, Post Office Kalipahari, District Burdwan in denying the employment of surface light duty with effect from 30th August, 1978 to Shri Jhaman Gope is justified. If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

2. After receipt of order mentioned above and after notice both parties have filed their respective written statements. Before the case could be heard on merit a settlement arrived at between the parties and signed by them with required number of copies have been filed with a prayer that an award be passed in terms of the settlement. In my order dated 27-10-80 I have already observed that the parties and their representatives present before the Tribunal have admitted the terms of the settlement and that the terms of the settlement are fair and proper. After having observed thus I have granted the prayer for passing an award in terms of the settlement.

3. The award therefore, in the case is as follows. Shri Jhaman Gope, the concerned workman, being found medically unfit to work as an Underground Loader he is deemed to have retired voluntarily with immediate effect. He will not be paid any wages for the idle period while the said period will be treated as continuous service for the purpose of his gratuity and his son Shri Janardan Gope will be appointed as Underground Loader, he having been found fit to work as an Underground Loader in a Medical Board constituted for the purpose on 7-10-80 and he being below the age of 35 years. After observing the necessary formalities namely, after submission of attestation form affixing his photograph and a certificate from the concerned Block Development Officer/any Gazetted Officer certifying his identity. Shri Jhaman Gope shall apply for his gratuity and other legal dues, if any, which will be paid to him expeditiously.

The parties will bear their own costs.

4. The settlement will form part of the award.

Dated the 28th October, 1980.

B. K. RAY, Presiding Officer.
[No. L-19012/39/79-D.IV(B)]

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL NO 1 AT DHANBAD

Reference No. 3 of 1980

PARTIES

Employers in relation to the management of Ningha
Colliery of Eastern Coalfields Limited

AND

Their Workmen

The parties beg to state as follows —

1 That under the above Reference this Hon'ble Tribunal is required to adjudicate about the propriety of the action of the management in denying light surface duty to Shri Jhaman Gope, underground Loader

2 That during the pendency of the Reference, the parties entered into negotiations with a view to resolve the dispute

3 That it was agreed on principle that in case Shri Jhaman Gope is found medically unfit to work as underground loader he would retire voluntarily and his son, Shri Janardan Gope will be appointed as an underground loader subject to his being below the age of 35 years and medical fitness

4 That in pursuance of this agreement both Shri Jhaman Gope and Shri Janardan Gope were examined by a medical Board specially constituted for the purpose on 7-10-1980 as fixed by the Hon'ble Tribunal and the Medical Board found that Shri Jhaman Gope is unfit to work as underground loader while Shri Janardan Gope is fit to work as underground loader and is also below the age of 35 years

5 That in such view of the matter the Reference has been agreed to be disposed of in the following terms —

- (a) Shri Jhaman Gope will be deemed to have retired voluntarily with immediate effect
- (b) He will not be paid any wages for the idle period but the period will be treated as continuous service for the purpose of his gratuity
- (c) Shri Janardan Gope will be appointed as underground loader at piece-rate after observing the necessary formalities namely after he submits the attestation form affixing his photograph and a certificate from the concerned Block Development Officer/any C zetted Officer certifying his identity
- (d) Shri Jhaman Gope shall apply for his gratuity and other legal dues if any which will be paid to him expeditiously

Since the above settlement is fair and reasonable, the parties pray that the Hon'ble Tribunal will be pleased to give its award in terms thereof

For and on behalf of the Workmen

(Jagdish Pande) General Secretary
Colliery Mazdoor Congress (Ind) Asonsol

WORKMEN CONCERNED

(Jhaman Gope)

For and on behalf of the Employers,
(B K Banerjee) Senior Personnel Officer Sripur Area
(N Jha) Senior Personnel Officer Ningha (a)

WITNESSES —

1
2

Part of the Award

New Delhi the 18th November, 1980

S.O. 3317.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal (Central Hyderabad, in the industrial dispute between the

employers in relation to the management of Singareni Collieries Company, Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th November, 1980

BEFORE SHRI V N FELDARI RAO, B A B L, INDUSTRIAL
TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT

Industrial Dispute No. 18 of 1978

BETWEEN

Workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavari Khani, Karimnagar District (A P) (Ismail, Ex Hauler Khalasi)

AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Godavari Khani, Karimnagar District (A P)

Industrial Dispute No. 21 of 1978

BETWEEN

Workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavari Khani, Karimnagar District Godavari Khani, 7th Incline (A P) Ramagundam Division II (Channangi Pulliah, Ex-Trammer)

AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Godavari Khani, Karimnagar District (A P)

Industrial Dispute No. 23 of 1978

BETWEEN

Workman of Singareni Collieries Company Limited, Godavari Khani 7A Incline, Karimnagar District (A P) (Rasamalla Gopal, Trammer)

AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Godavari Khani, Karimnagar District, GDK 7 Incline (A P)

These industrial disputes coming for final hearing before me on 15-10-1980 in the presence of Sri A Lakshmana Rao, Advocate for the Workmen and Sarvasri K. Srinivasa Murthy, K. Srinivasarao Rao and S. Ravindranath Advocates for the Management and having stood over for consideration till this day, the Tribunal passed the following —

COMMON AWARD

In Notification No. L 21012(1)/78-D-IV(B) dated 12-7-1978 from Government of India Ministry of Labour, New Delhi referred to this Tribunal for adjudication under Section 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 an industrial dispute between the Workman and the Management of Singareni Collieries Company Limited Godavari Khani, Karimnagar District in respect of the following matters

'Whether the action of the Management of Singareni Collieries Company Limited in dismissing Shri Mohammed Ismail Ex-Hauler Khalasi, Godavari Khani 7A Incline from service with effect from 13th September, 1977 is justified? If not to what relief is the concerned workman entitled?'

2 In Notification F No L 21012/3/78 D IV(B) dated 21-8-1978 from the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi, referred to this Tribunal for adjudication under Section 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 an industrial dispute between Workman and the Management of Singareni Collieries Company Limited, Godavari Khani, Karimnagar District Godavari Khani 7A Incline, in respect of the following matters —

'Whether the action of the management of Singareni Collieries Company Limited in dismissing Shri Channangi Pulliah Ex-Trammer, Godavari Khani 7A Incline Ramagundam Division II from service with effect from 16th September 1977 is justified? If not to what relief is the concerned workman entitled?'

3. In Notification F. No. L-21012(5)/78-D.IV(B), dated 19-8-1978 from the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi, referred to this Tribunal for adjudication under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act 1947 an industrial dispute between Workman and the Management of Singareni Collieries Company Limited, Godavari Khani, Karimnagar District, GDK-7A Incline, in respect of the following matters :

"Whether the action of the Management of Singareni Collieries Company Limited, in dismissing Shri Rasamalla Gopal, Trammer Godavari Khani 7A Incline from service with effect from 13th September, 1977, is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

4. By a common Order dated 20-8-1979 the then learned Chairman, Industrial Tribunal (Central), Hyderabad, held that the enquiries conducted against all the three workmen have been fair and proper and that the findings of the Enquiry Officer are also correct and they do not warrant any interference. So the only point for consideration is whether the orders of dismissal of all the three workmen or any of them are not justified and if so what punishment can be imposed.

5. First I deal with the case of Sri Channangi Pulliah whose reference was registered as I.D. No. 21 of 1978. He was suspended from 11-5-1977 for ten days for illegally occupying the quarters near the Regional Hospital, and the order of suspension was passed after due enquiry. The strike was commenced in second shift on 11-5-1977. Sri G. Bhumaiah (M.W. 1 before the Enquiry Officer) Colliery Manager of the concerned Incline stated before the Enquiry Officer that due to the above suspension, the said Pulliah along with some others approached him for withdrawal of order of suspension, and he told them that only after conducting the necessary enquiry, he was suspended and he had not vacated the illegally occupied quarters and unless he vacates the said quarters, no further consideration shall be shown to him, and then the said Pulliah and others insisted that unless the above suspension order was withdrawn they would not go down into the Mine.

6. It is clear from the evidence of M.W. 1 before the Enquiry Officer which remained unchallenged that the said Pulliah and others instigated other workers to resort to strike, and the said instigation was due to the order of the Management suspending Pulliah.

7. In *Management of Chandramalai Estate v. Its Workmen* (1960 AIR, Supreme Court, page 902) it was held that strike is a legitimate and some times unavoidable weapon in the hands of labour it is equally important to remember that indiscriminate and hasty use of this weapon should not be encouraged. It will not be right for labour to think that for any kind of demand, a strike can be commenced with impunity without exhausting reasonable avenues for peaceful achievement of their objects. There may be cases where the demand is of such an urgent and serious nature that it would not be reasonable to expect labour to wait till after asking the Government to make a reference. In such cases, strike even before such a request has been made, may well be justified. Where the main demands of the Union were not of urgent nature and the workmen might well have waited for some time after the conciliation efforts failed and before starting the strike, and in the meantime to have asked the Government to make a reference.

8. In this case the said Pulliah illegally occupied the quarters and when he was asked to vacate the same, he refused to vacate it. Then an enquiry was conducted and on the basis of the report of the Enquiry Officer therein an order was passed on 10-5-1977 suspending the said Pulliah for ten days with effect from 11-5-1977. On 11-5-1977 he instigated the other workers to resort to strike and there was strike in 7A Incline of the Coal Mine of this Management in the second shift of 11-5-1977. When the said Pulliah and some other workers asked M.W. 1 before the Enquiry Officer, to cancel the order of suspension, the latter asked the said Pulliah to first vacate the illegally occupied quarters before any consideration can be shown to him. The approach of the said official was fair and just. If the Management had not taken necessary action against the concerned workmen who illegally occupied the quarters, there would be naturally imitation from other workmen who were entitled to allotment of illegally occupied quarters, on the basis of

priority or other concerned guidelines issued by the Management. Even when the concerned official of the management expressed that cancellation of order of suspension would be considered, if the said Pulliah vacates the quarters, he still persisted in continuing to occupy the same and further instigating the other workers to resort to strike with a view to force the Management to cancel the order of suspension. So it is a case where strike was resorted to black-mail the Management. Due to strike, there was loss in production of coal, a material which is in scarcity. It is true that under Section 11(a) of the I.D. Act it is open to this Tribunal to set aside the order of dismissal, if it finds that the dismissal is excessive penalty and not warranted in the circumstances of the case in *District Manager, Apsrte v. Labour Court, Guntur and others* (vide 1978 A.P.H.C. Notes page 1.)

9. The learned counsel for the Management referred to *Sarabhai M. Chemicals v. M. S. Ajmere* (1980 (1) L.J.N. page 70) wherein the Bombay High Court observed as follows :—

"If it is not possible for the Labour Court to reach the conclusion that the workman was being punished for his trade union activities under the cloak of awarding him punishment for misconduct, then the Labour Court should have been slow to interfere with the order of punishment. It would hardly be open to the Labour Court to interfere with an order of punishment merely on the ground that for a misconduct with which the workman is charged a lesser penalty was permissible or could have been awarded by the employer.

The Tribunal is not required to consider the propriety or adequacy of the punishment or whether it is excessive or too severe. In case the punishment is shockingly disproportionate regard being had to the particular conduct of the workman, the test is that no reasonable employer would ever impose such punishment in like circumstances and then alone the Tribunal would be entitled to treat the punishment as amounting to victimisation or unfair labour practice."

10. In this case the strike was resorted to, due to the persistence of the said Pulliah to continue to occupy the quarters illegally, even after he was suspended as he refused to vacate it. At his instigation and the instigation of some others, about 840 workmen resorted to strike when the Management refused to cancel the order of suspension of the said Pulliah as he had not even expressed his intention to vacate the illegally occupied quarters. The very demand of the said Pulliah was unjust. In order to maintain industrial peace, the Management has to take necessary steps against the workers who illegally occupied the quarters, which had to be allotted to some other workmen who were entitled to said allotment. So in view of the circumstances, the order of dismissal of the said Pulliah cannot be treated as a punishment which is shockingly disproportionate or which is not warranted in the circumstances of the case. It cannot also be stated that no reasonable employer would ever impose such punishment in like circumstances.

11. Hence I find that the action of the Management of Singareni Collieries Company Limited in dismissing Channangi Pulliah from services with effect from 16-9-1977 is justified.

12. The case of the remaining two workmen that is Sri Ismail who is concerned in Industrial Dispute No. 18 of 1978 and Sri Rasamalla Gopal who is concerned in Industrial Dispute No. 23 of 1978 can be considered together as the material that had to be referred in regard to them is roughly similar. Both these workmen not only instigated the other workers to resort to strike in Shift No. 2 on 11-5-1977 but they also participated in the strike. The learned counsel for the Management urged that a distinction has to be made between the workers who simply participated in the strike, and others who had fomented it, in awarding punishment and as these two workers fomented the strike, it cannot be stated that the orders of their dismissal are unwarranted or unjust. In *I.G. Navigation Rly. Co. v. Their Workmen* (1960 A.I.R., S. C., page 219) it was observed that assuming it is open to the Management to dismiss a workman who had taken part in an illegal strike, in determining the question of punishment, a clear distinction has to be made between those workmen who not only joined in such strike but also took part in obstructing the loyal workmen from carrying on their work or took part in violent demonstration or acted in defiance of law and order, on the one hand, and those workmen who were more or less silent participators in such a strike.

13. It may be noted that neither of these two workmen acted in defiance of law and order or obstructed loyal workmen from carrying on their work. In this case there is no material to show that workmen resorted to violent demonstration during or before or after strike. The material on record suggests that it was a peaceful strike even though 840 workmen participated. It may be further noted that neither of these two workmen is personally interested in regard to the object for which strike was resorted to. It had to be further seen that the order of suspension of Sri Pulliah was passed on 10-5-1977 and his suspension had come into effect from 11-5-1977, and on the same day after the said Pulliah and these two workmen and some others made representation to M.W. 1 before the Enquiry Officer, the workers resorted to strike on the same day. So it is not a case where instigation was carried on for number of days. It is not unreasonable to hold that these two workmen might have been persuaded by the said Pulliah in instigating the other workmen to resort to strike. It is not as if that these two workmen are well educated. One was Hanle Khalasi while the other was Trammer. So it cannot be stated that they would have deliberately calmly and coolly before instigating others to resort to strike. Probably at the spur of the moment, they might have been attracted by the appeals made by the said Pulliah. So even though they instigated other workers to resort to strike, still in view of the above circumstances it can be stated that the orders of dismissal of these two workmen are not justifiable. Their acts can be distinguished from the conduct of the Stenographer which was referred to in *Sarabhai M. Chemicals v. M. S. Ajmere* (1990 (1) ILN, page 70) it was a case of responsible employee like a Stenographer indulging in deliberate disobedience of lawful orders. But in this case, these two not well educated workmen resorted to fomenting of strike being moved emotionally, and I already observed that these two workmen are not responsible employees.

14. The learned counsel for the Workmen contended that the Management had taken back some of the workers who have said to have instigated others to resort to strike on that day and if these workers are not reinstated then it amounts to discrimination. *M/s. Bharat Sugar Mills Ltd. v. Sri Tai Singh* (1962(3) S.C.R., page 684) was referred to for the other side to meet the above contention. It was observed as follows at page 698 of the above judgement.

"The Industrial Tribunal appears to have been impressed by the fact that 13 other workmen who were suspended were pardoned and taken back while 21 were not allowed to join duty. It appears clear that several at least of the 13 who had been taken back were also active members of the Union. There is no ground for saying therefore that the management discriminated against these 21 workmen because of the fact that they were active members of the Union. It may very well be that they have been taken back as their active participation in the go slow was not established. Without knowing fully the circumstances under which those other 13 were taken back to work it is not proper to hold that there has been any discrimination against these 21".

As there is no material to show as to why some of the workmen who instigated the strike on that day were taken back, the above contention for the workmen has to be negatived in view of the above judgement.

15. The learned counsel for the Workmen relied on *A.P.S.R.T.C. vs. LABOUR COURT, GUNTUR* (1978 (1) LLJ, page 182 H.C.) and *D.B.R. MILLS LTD. vs. RAMIAH* (1978 (1) AP LLJ page 341 H.C.) to refer to the scope of Section 11 (A) of the Industrial Disputes Act. In the former decision it was held that a direction withdrawing payment of back wages either fully or partly is undeniably penal in nature, and it cannot therefore be said that Labour Court passed perverse orders of reinstatement without awarding any punishment to the employees even though it found them guilty of the misconduct. In the latter decision it was held that it is not necessary that the Tribunal must arrive at a finding regarding unfair labour practice or victimisation to award lesser punishment in lieu of discharge or dismissal, for if the Tribunal is satisfied that the order of discharge or dismissal was not justified, even if no victimisation or unfair labour practice is proved, it is open to it to award lesser punishment.

16. I have observed that in the circumstances referred to the orders of dismissal in regard to these two workmen are

unjust. Of course in the order of dismissal of Sri Rasmala Gopal it was stated that he was warned twice for the misconduct under 16(4) and warned once for the misconduct under 16(6) and 16(18) of the Company's Standing Orders. But they are mere cases of warning, and so it cannot be stated that there were grave charges or misconduct on his part prior to this strike. So even though he was warned thrice previously, it is not a ground for dismissal of this workman for misconduct in this case, in view of the circumstances referred to by me.

17. In the dismissal order of Sri Md. Ismail, it was stated that he was suspended thrice for the misconduct under 16(1) and 16(9) of the Company's Standing Orders. The statement of the said Ismail before the Enquiry Officer shows that he was suspended three times as he failed to vacate the quarters illegally occupied by him. But in his statement, he stated that he might be given six months time to vacate it as he has to search for alternative occupation. So it is not a case where he instigated others to resort to strike when he himself was suspended. So even though he was suspended thrice previously, it is still not a ground to dismiss him when he instigated others to resort to strike in view of the various circumstances referred to by me.

18. Hence I find that the action of the Management in dismissing these two workmen from service is not justified and so the management has to be directed to reinstate them.

19. Of course the general rule is that the back wages should be allowed if reinstatement is ordered. But as the guilt of these two workmen was proved, the direction withdrawing back wages has to be treated as punishment. In this case I feel that it is not proper to order back wages, for it will be not only sufficient punishment to these workmen, but also to deter other workmen from instigating others to resort to strike in support of unjust cause.

20. Industrial Dispute No. 18 of 1978: In the result I find that the action of the Management of Singareni Collieries Company Limited, in dismissing Sri Mohammed Ismail, Ex-Hauler Khalasi, Godavari Khani 7A Incline from service with effect from 13th September, 1977 is not justified. The Management is directed to reinstate the said worker but without back wages.

21. Industrial Dispute No. 21 of 1978: In the result I find that the action of the Management of Singareni Collieries Company Limited, in dismissing Sri Channangi Pullaiah, Ex-Trammer Godavari Khani 7A Incline, Ramagundam Division-II from service with effect from 16th September, 1977 is justified.

22. Industrial Dispute No. 23 of 1978: In the result I find that the action of the Management of Singareni Collieries Company Limited, in dismissing Sri Rasmalla Gopal, Trammer, Godavari Khani 7A Incline from service with effect from 13th September, 1977, is not justified. The Management is directed to reinstate the said worker but without back wages.

Award is passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him and corrected by me and given under my hand and the seal of the Tribunal this the 23rd October, 1980.

INDUSTRIAL TRIBUNAL

Appendix of Evidence

WITNESSES EXAMINED FOR

WORKMEN

MANAGEMENT
M. W. 1 Shri Kamale

W.W. 1 Sri Mohammad
Ismail (in I.D. 18/78)

W.W. 1—Sri Channangi Pullaiah
(in I.D. 21/78)

W.W. 1—Sri Rasmalla Gopal.
(in I.D. 23/78).

M.W. 2—Sri P. Venkateswara Rao.

Documents Exhibited for the Workmen

In I.D. No. 18 of 1978

Nil.

In I.D. No. 21 of 1978

Ex. W1: Copy of the Enquiry report dt. 16-8-77 pertaining to Sri Channangi Pullaiah (Marked as Ex.

M7 in I.D. No. 18 of 1978).
In I.D. No. 23 of 1978
Nil.

(करार)

कार्म-सो

Documents Exhibited for the Management
In I.D. No. 18 of 1978

- Ex. M1—Enquiry Report pertaining to Sri Mohd. Ismail.
Ex. M2—Representation dt. 31-12-77 of Sri Mohammad Ismail to the Labour Enforcement Officer (Central), Mancherial.
Ex. M3—Representation dt. 7-2-78 of Sri Mohammad Ismail pertaining to Sri Channangi Pulliah, cherial.
Ex. M4—Minutes of Conciliation Proceedings held on 7-2-78 in the office of the Divisional Superintendent, Ramagundam Div. II.
Ex. M5—Charge sheet dt. 1-6-77 issued by the Management to Sri Mohd. Ismail.
Ex. M6—Enquiry Report dt. 31-7-77 and the enquiry proceedings pertaining to Sri Mohd. Ismail.
Ex. M7—Enquiry report dt. 13-9-77 and the enquiry proceeding pertaining to Sri Channangi Pulliah (Marked as Ex. M4 in I.D. No. 21/78).
Ex. M8—Enquiry report dt. 16-8-77 and the enquiry proceeding pertaining to Sri Ramalla Gopal (Marked ex. M1 in I.D. 23/78).

In I.D. No. 21 of 1978

- Ex. M1—Domestic enquiry report pertaining to Sri Channangi Pulliah (marked as Ex. M7 in I.D. No. 18/78).
Ex. M2 Representation dt. 31-12-77 of Sri Channangi Pulliah to the Labour Enforcement Officer (C) Mancherial.
Ex. M3—Representation dt. 7-2-78 of Sri Channangi Pulliah to the Labour Enforcement Officer (C) Mancherial.

In I.D. No. 23 of 1978

- Ex. M1—Domestic Enquiry report pertaining to Sri Rasamalla Gopal (Marked as Ex. M8 in I.D. No. 18/78).
Ex. M2—Representation dt. 31-12-77 of Sri Rasamalla Gopal to the Labour Enforcement Officer (C) Mancherial.
Ex. M3—Representation dt. 7-2-78 of Sri Rasamalla Gopal to the Labour Enforcement Officer (Central Mancherial).

Industrial Tribunal.

[No. L-21012/1/80-D-IV(B)]

आदेश

नई दिल्ली, 21 नवम्बर 1980

कां.प्र. 3318.—वेस्टन कोलफील्ड्स लिमिटेड का चिरीमिरी एरिया, डाकघर कुरामिया, जिला सरगुजा के प्रबंधन से सम्बन्धित एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, जिनका प्रतिनिधित्व एम० पी० सी० डब्ल्यू फेडरेशन, डाकघर एम० पी० सी०, एच० जिला सरगुजा, करती है, विद्यमान है ;

और उक्त नियोजकों और उनके कर्मचारियों ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 11) की धारा 10-क की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसरण में एक लिखित करार द्वारा उक्त विवाद को माध्यस्थ के लिए निर्देशित करने का करार कर लिया है और उक्त माध्यस्थ करार की एक प्रति केन्द्रीय सरकार का भेजी गई है।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क की उपधारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त करार को, जो उसे पठनी नवम्बर, 1980 को मिला था, प्रकाशित करती है।

(औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10-क के अधीन माध्यस्थ करार)

पक्षकारों के नाम :

नियोजकों का प्रतिनिधित्व

करने वाले :

श्री एम० डी० मिश्र

कार्मिक प्रबन्धक (सी०एच०आर० एम०), वेस्टन कोलफील्ड्स लि० चिरीमिरी एरिया, डाकघर कुरामिया, जिला सरगुजा (एम० पी०)

यूनियन का प्रतिनिधित्व करने वाले: श्री भगवत प्रसाद दुबे,

उप महासूत्री, एम० पी० सी० डब्ल्यू फेडरेशन (मान्यता प्राप्त यूनियन), डाकघर सरगुजा (एम० पी०)

पक्षकारों के बीच निम्नलिखित विवाद को सर्वश्री आर० एच० मूनि, भूतपूर्व निदेशक (कार्मिक), सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, राबो (नवाटर नं० 3 सी/1, जवाहर नगर, कंको रोड, राबो) और श्री गुलाब गुप्ता महासूत्री एम० पी० सी० डब्ल्यू फेडरेशन, राइट टाउन, जयनपुर, के माध्यस्थ के लिए निर्देशित करने का करार किया गया है जिन्होंने क्रमशः पत्र सख्या 4306, दिनांक, 17-6-1980 और पत्र दिनांक 25-3-1980 द्वारा अपनी सहमति दे दी है। मूल पत्र अनुश्रव "क" और "ख" के रूप में संलग्न है।

(1) विनिर्दिष्ट विवाद-ग्रस्त विषय: भूतपूर्व एन० सी० डी० सी० द्वारा समय-समय पर जारी किए गए कार्यान्वयन अनुदेशों/निर्देशों, जो भूतपूर्व एन० सी० डी० सी० के कार्मिक वेतन पाने वाले कर्मचारियों के लिए मजबूरी छोड़ कर निष्कारियों के कार्यान्वयन के बारे में हैं, को ध्यान में रखते हुए क्या 10 चार्जमान, जिनके नाम नीचे रखे अनुबंध "ग" में दिए गए हैं, जयरामन समिति की रिपोर्ट के अनुसार वेतन निर्धारण में किसी लाभ के हकदार हैं?

(2) 10 चार्जमैन में से सात अभी भी चिरीमिरी एरिया में काम कर रहे हैं और श्री यू० एन० लाल, एम० पी० दाम जमुना कोलियरी में काम कर रहे हैं और श्री सी० आ० राबो में काम कर रहा है लेकिन जिस समय जयरामन समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत हुई थी, उस समय उपर्युक्त तीन चार्जमैन चिरीमिरी क्षेत्र में भूतपूर्व एन० सी० डी० सी० में काम कर रहे थे और इसलिए वे भी विचारार्थ विषय के अन्तर्गत आते हैं।

(3) विवाद के पक्षकारों का विवरण, वेस्टन कोलफील्ड्स लिमिटेड, जिसमें अनवरत स्थापन या चिरीमिरी एरिया, डाकघर उपक्रम का नाम भी सम्मिलित कुरामिया, जिला सरगुजा, है। मध्य प्रदेश।

(4) विवाद से अन्तर्ग्रस्त कर्मचारियों 10 चार्जमैन जिनका प्रति-के नाम या यदि कोई संघ निधित्व मध्य प्रदेश कोलियरी वर्कर्स फेडरेशन ने किया है। का प्रतिनिधित्व करता हो तो कर्मचारियों के नाम अनुबंध "ग" में दिए गए हैं। उसका नाम

(5) प्रभावित उपक्रम में नियोजित कर्मचारों की कुल संख्या

सप्त

(6) विवाद द्वारा प्रभावित या

की प्रावकलित संख्या

हम यह करार भी करते हैं कि मध्यस्थ का विनिर्णय हम पर बाध्यकारी होगा। यह भी करार दिया जाता है कि यदि दोनों मध्यस्थों के बीच कोई मतभेद हो, तो उस स्थिति में एक और व्यक्ति प्रतिनिर्णयक (अभ्यर्थक) नियुक्त किया जाएगा जिसका पंचाट हम पर बाध्य कर होगा।

मध्यस्थ अपना पंचाट हम करार की शर्तों के भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से छ महीने की कालावधि या इनके और समय के भीतर जो हमारे बीच पारस्परिक लिखित करार द्वारा बढ़ाया जाए, देगा। यदि पूर्व वर्णित कालावधि के भीतर पंचाट नहीं दिया जाता तो माध्यम के लिए निर्देश स्वतः रद्द हो जाएगा और हम नए माध्यम के लिए बातचीत करने का स्वतंत्र होंगे।

पत्रकारों के हस्ताक्षर

ह/- (एम० डी० सिंह) ह/- (भगवत प्रसाद दुबे)
कार्मिक प्रबंधक (सी० ए००) उ० महा-मंत्री,
आर० एम०) एम० पी० सी० इन्ड्यू०
एफ०

साक्षी

1. ह०/- (एल०बी० सिंह), डाकघर चिरिमिरी एरिया
2. ह०/- अपठित
स्थान चिरिमिरी
तारीख 24-10-1980

अनुबन्ध 'ग'

सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड

(कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक) वर्गंगा हाउस,
राँची (बिहार)

संदर्भ संख्या 4306

दिनांक 17-6-1980

सेवा में,

महाप्रबंधक,

चिरिमिरी एरिया, वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, डाकघर कुरासिया,
जिला सरगुजा (मध्य प्रदेश)

प्रिय महोदय,

कृपया अपने पत्र संख्या इन्ड्यू सी एल/जीएम/सी एच आर एम/ पी एम-बाजेंमैन/469, दिनांक 17/19-3-1980 का प्रबलोकन करें। मैं अपनी व्यक्तिगत हैमियत में और न कि निर्देशक (कार्मिक), सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लि० के रूप में श्री गुलाब गुप्ता, महामंत्री एम० पी० सी० इन्ड्यू० एफ० के साथ मध्यस्थ के रूप में काम करने के लिए अपनी सहमति देना हूँ जो सर्वश्री आर० एन० झा, बी० जी० बेहुरा, एच० बी० एस० चौहान और सहायता की मजदूरी बोर्ड के वेतन-मानों में वेतन निर्धारित करने के बारे में हैं।

भवदीय,

(आर० एम० मूर्ति)

अनुबन्ध "ख"

मध्य प्रदेश कोलियरी वर्कर्स फेडरेशन (पंजीकरण संख्या 22),
इटक सम्बद्ध सं० 503 पंजीकृत कार्यालय: चिरिमिरी (एम० पी०)

आर० के० मालवीय, महामंत्री का कार्यालय
अध्यक्ष 1674, राइट टाउन, जबलपुर
भूतपूर्व केन्द्रीय उप श्रम मंत्री (मध्य प्रदेश) फोन: 25092
गुलाब गुप्ता, एल०एल० एम०
महामंत्री

संदर्भ संख्या

दिनांक 25 मार्च, 1980

सेवा में,

महाप्रबंधक,

वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, चिरिमिरी एरिया,

डाकघर चिरिमिरी पिन-497449

प्रिय महोदय

बाजेंमैन के बारे में आपके पत्र संख्या इन्ड्यू सी० एल०/जी० एम० (सी०एच०आर०एम०)/पीएम-बाजेंमैन/170, दिनांक 17 मार्च, 1980 के लिए प्रकाशित करने के लिए मैं मध्यस्थ के रूप में काम करने के लिए अपनी सहमति देना हूँ।

धन्यवाद।

आपका

(गुलाब गुप्ता)

अनुबन्ध 'ग'

विचारार्थ विषय में उल्लिखित चारोंपक्षों के नामों को दर्शाते बाना

विवरण।

1. श्री यु० एन० लाल	जमुना
2. श्री बी० आर० मनहड़ा	सातवाली
3. श्री आर० एन० झा	दुमन हिल
4. श्री एम० पी० मिर्ज़ा चौहान	कुरासिया
5. श्री एल० यादव	कार्मिया
6. श्री बी० दास गुप्ता	कार्मिया
7. श्री एन० घाग	कार्मिया
8. श्री डी० जी० बेहुरा	दुमन हिल
9. श्री एस० पी० दास	जमुना
10. श्री सी० झा	

[संएल-22013/3/80- डा IV (बी)]

इसके बहालुर ईस्क अफिकार

MINISTRY OF LABOUR
ORDER

New Delhi, the 21st November, 1980

S.O. 3318.—Whereas an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of the Chirimiri Area of the Western Coalfields Limited, Post Office Kurasia, District Surguja and their workmen represented by M.P.C.W. Federation, Post Office N.C.P.H., District Surguja;

And whereas, the said employers and their workmen have by a written agreement under sub-section (1) of section 10 A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), agreed to refer the said dispute to arbitration and have forwarded to the Central Government a copy of the said arbitration agreement;

Now therefore, in pursuance of sub-section (3) of section 10A of the said Act, the Central Government hereby publishes the said agreement which was received by it on the 1st November, 1980.

Agreement

FORM-C

(ARBITRATION AGREEMENT UNDER SEC.10 (A) OF THE INDUSTRIAL DISPUTES ACT, 1947)

Name of the Parties

Representing Employer	Representing Union
Sri S.D. Singh,	Sri Bhagwat Prasad Dubey,
Personnel Manager (CHRM),	Dy. General Secretary,
Western Coalfields Ltd.,	M.P.C.W Federation (Recognised
Chirimiri Area,	Union)
P.O. Kurasia,	P.O. N.C.P.H.
District Surguja (MP).	District Surguja, (MP)

It is agreed between the parties to refer the following dispute to the Arbitration of S/Shri R.S. Murty, Ex-Director (Personnel) Central Coalfields Limited, Ranchi (Qr. No. 3C/1, Jawaharnagar, Kanke Road, Ranchi) and Shri Gulab Gupta, General Secretary M.P.C.W. Federation, Wright Town, Jabalpur, who have given consent under letter No. 4306 dated 17-6-1980 and letter dated 25-3-1980 respectively. (Original letters enclosed as Annexure 'A' & 'B').

1. Specific matter in dispute

Having regard to the implementation instruction/directive issued by the Ex-NCDC from time to time regarding implementation of Wage Board Recommendations in respect of monthly paid staff of Ex-NCDC whether 10 Chargemen whose names are given in the Annexure placed as 'C' are entitled for any benefit in fixation of pay in terms of Jayaraman Committee's report?

2. Out of 10 Chargemen 7 are still working in Chirimiri Area but Sri U.N. Lal, S.P. Das are working at Jamuna Colliery and Sri C. Jha at Ranchi but at the time of submission of Jayaraman Committee report the above 3 Chargemen were working in the Ex-NCDC at Chirimiri Area and as such they are also covered under the terms of reference.

3. Details of the parties to the dispute including the name of the establishment or undertaking involved.

Western Coalfields Limited, Chirimiri Area, P.O. Kurasia, Distt. Surguja, Madhya Pradesh.

4. Name of the workmen involved in the dispute or the name of the Union if any, representing the workmen or workman in question.

10 Chargemen, represented by Madhya Pradesh Colliery Workers Federation, name attached as Annexure 'C'.

5. Total number of workmen employed in the undertaking affected.

Ten

6. Estimated number of workmen affected or likely to be affected by the dispute.

Ten

We further agree that decision of the Arbitrator shall be binding on us. It is also agreed that in case Arbitrator are equatly divided in their opinion in that case another person shall be appointed as umpire whose awards shall be binding on us.

The Arbitrators shall make their Award within a period of six months from the date of the Publication of the terms of agreement in the Gazette of India or within such further time as is extended by mutual agreement between us in writing. In case the Award is not made within the period aforementioned reference to the Arbitration shall stand automatically cancelled and we shall be free to negotiate from fresh Arbitration.

Sd/-

Sd/-

(S.D. SINGH)

(BHAGWAT PD. DUBEY)

Personnel Manager (CHRM) Dy. General Secretary, MPCWF
Witnesses :—

1. Sd/- (L.B. Singh PO-Chirimiri Area)

2. Sd/- (Illegible)

Place : Chirimiri

Dated : 24-10-1980.

ANNEXURE 'A'

Central Coalfields Limited
(A Subsidiary of Coal India Limited)
Darbhanga House, Ranchi (Bihar)

Ref. No. 4306

Dated the 17-6-1980

To,

The General Manager,
Chirimiri Area, Western Coalfields Limited,
P.O. Kurasia, Dist. Surguja (M.P.)

Dear Sir,

Kindly refer to your letter no. WCL/GM/CHRM/PS-Chargeman/469 dated 17/19-3-1980. I hereby give my consent to function as an arbitrator along with Sri Gulab Gupta, General Secretary, M.P. C.W.F. in connection with the fixation of pay of S/Sri R.N. Jha, D.G. Behura, H.B.S. Chauhan and Malhotra wage board pay scales in my individual capacity and not as Director (Personnel), Central Coalfields Ltd.

Yours faithfully,

Sd/-

(RAL. S. MURTHY)

ANNEXURE 'B'

Madhya Pradesh Colliery Workers Federation
(Regd. No. 22, INTUC Affiliation No. 503)
Regd. Office : CHIRIMIRI (M.P.)

R.K. Malviya,
President
Ex-Union Deputy Labour
Minister,
Gulab Gupta, LL.M.
General Secretary

Office of the General
Secretary :
1674, Wright Town,
Jabalpur (M.P.)
Phone : 25092

Ref. No.

Dated 25th March, 1980

To,

The General Manager,
Western Coalfields Limited,
Chirimiri Area,
P.O. Chirimiri
Pin-497449

Dear Sir,

While thanking you for your letter No. WCL/GM(CHRM)/PS-Chargeman/470 dated 17th March 1980 Regarding case of Chargeman, I have to convey my acceptance of the same.

Thanking you,

Sincerely yours,

Sd/-

(Gulab Gupta)

ANNEXURE 'C'

Statement showing the names of the Chargemen mentioned in the terms of reference

1. Shri U.N. Lal	Jamuna.
2. Shri B.R. Malhotra	Sonawani.
3. Shri R.N. Jha	Dumanhill.
4. Shri S.P. Singh Chauhan	Kurasia.
5. Shri L. Yadav	Korea.
6. Shri B. Das Gupta	Korea.
7. Shri N. Ghosh	Korea.
8. Shri D.G. Behura	Duman Hill.
9. Shri S.P. Das	Jamuna.
10. Shri C. Jha	

[No. L-22013(3)/80-D. IV. (B)],
HARBANS BAHADUR, Desk Officer

आवेश

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर, 1980

का० प्रा० 3319.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि हमने उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में बैंक आफ बड़ोदा के प्रबन्धनत्र से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है,

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है:

अतः, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकार श्री आर० सी० इसरानी होंगे, जिनका मुख्यालय अहमदाबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या बैंक आफ बड़ोदा, बड़ोदा के प्रबन्धनत्र का संप्रदायवादी वा० कराड और डी० एन० भट्टारे, सब-स्टाफ की 8.11.79 ता 12.30 बजे अग्रराह्न से 3.30 बजे अग्रराह्न तक केचन तौर पर घटे की मजदूरी की कटौती करने के बजाए, पूरे दिन की मजदूरी का कटौती करने का कार्य-वाही न्यायोचित है? यदि नहीं, तो सर्वाधिक कर्मकार किस अनुपात का हकदार है?

[स० एम-12011/8/80-डी-2(ए)]

ORDERS

New Delhi, the 10th October, 1980

S.O. 3319.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Bank of Baroda, and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri R. C. Israni shall be the Presiding Officer, with headquarters at Ahmedabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of the Bank of Baroda, Baroda in deducting full day wages instead of deducting wages for only three hours from 12.30 P.M. to 3.30 P.M. on 8-11-79 from the wages of S/Shri S. V. Karode and D. N. Bhajure, sub-staff is justified? If not, to what relief are the workmen concerned entitled?

[No. L-12011/8/80-D.II.A]

का० प्रा० 3320.—केन्द्रीय सरकार, की राय है कि हमने उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय भद्रा, अहमदाबाद के प्रबन्धनत्र से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण

गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री आर० सी० इसरानी होंगे, जिनका मुख्यालय अहमदाबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, भद्रा, अहमदाबाद के प्रबन्धनत्र की श्री जे० ए० शाह, क्लर्क की सेवाओं का, देखिये पत्र संख्या डी० सी०/56 तारीख 2 फरवरी, 1979, समाप्त करने की कार्य-वाही न्यायोचित है? यदि नहीं, तो सर्वाधिक कर्मकार किस अनुपात का हकदार है?

[स० एम-12011/169/79-डी-2(ए)]

S.O. 3320.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exist between the employers in relation to the management of State Bank of India, L.H.O. Bhadra, Ahmedabad and their workman in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri R. C. Israni shall be the Presiding Officer, with headquarters at Ahmedabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of State Bank of India, Local Head Office, Bhadra, Ahmedabad in terminating the services of Shri J. A. Shah, Clerk vide letter No. DC/56 dated 2nd February, 1979 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?

[No. L-12012/169/79-D.II.A]

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1980

का० प्रा० 3321.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि हमने उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में सैन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया के प्रबन्ध मंडल से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है.

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एच० शानमुक्पा होंगे, जिनका मुख्यालय बंगलूर में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या सैन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया, खंड कार्यालय, बंगलूर के प्रबन्ध मंडल की, बैंक की सरकार शाखा में श्री एम० द्वारकानाथ, प्रधान रंकडिया की सेवा से अपने पत्र सं० स्टाफ/मिसनरियम/78/228, तारीख 21 अप्रैल, 1978 द्वारा उन्मुक्त करने की कार्यवाही न्यायोचित है? यदि नहीं, तो सर्वाधिक कर्मकार किस अनुपात का हकदार है?

[स० एम-12012/143/79-डी-2(ए)]

एम० एच० एम० अख्यर, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 14th October, 1980

S.O. 3321.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in

relation to the management of Central Bank of India and their workman in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri H. Shanmukhappa shall be the Presiding Officer, with headquarters at Bangalore and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Central Bank of India, Divisional Office, Bangalore in discharging from service Shri S. Dwarkanath, Head Cashier at Sirwar Branch of the Bank, under their letter No. Staff/Misc/78/228 dated 21st April, 1978 is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?

[No. L-12012/143/79-D.H.A.]

New Delhi, the 15th November, 1980

S.O. 3322.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Jealgora Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jealgora, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th November, 1980.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) DHANBAD

Reference No. 96 of 1979

In the matter of an industrial dispute under S. 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947

PARTIES :

Employers in relation to the management of Jealgora colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jealgora, District Dhanbad.

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employers.—Shri B. Joshi Advocate.

On behalf of the workmen.—Shri S. Bose, Secretary Rastriya Colliery Mazdoor Sangh, Dhanbad.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal.

AWARD

This is a reference under S. 10 of the I.D. Act, 1947. The Central Government by its notification No. L-20012/237/78-D.III(A) dated 27th July, 1979 has referred this dispute to this tribunal for adjudication on the following points :—

THE SCHEDULE

"Whether the demand of the workmen of Jealgora colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jealgora, District Dhanbad (Bihar) that Shrimati Basanti Devi, Hospital Aya of Jealgora Hospital should be allowed to resume duty, and be paid full wages for the period of idle from the 15th October, 1975, is justified ? If so, to what relief is the said workman entitled ?"

2. The concerned workman Smt. Basanti Devi was appointed as Hospital Aya in Jealgora colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited on 14-7-75. She was stopped from duty from 15-10-75 without assigning any reason. Prior to her appointment in Jealgora Hospital she had worked as Aya in Woodland Nursing Home & Laboratory, Katras Road, Dhanbad

from December 1973 till February, 1974. Her case is that her appointment in Jealgora hospital was in a permanent vacancy and under Model Standing Order applicable to the Coal Mining Industry, should become permanent on completion of 3 months service. She performed satisfactory service, and therefore her service could not be terminated without due notice and departmental proceeding.

3. The case of the management is that Smt. Basanti Devi was appointed as Aya on purely temporary/casual basis for a period of 3 months i.e. from 14-7-75 to 14-10-75. On expiry of temporary period of appointment she could not be provided further job in the hospital. According to the management Smt. Basanti Devi has no claim for continuance as Aya as her appointment stood terminated as soon as she completed 3 months period for which she was appointed. The management has further asserted that certified standing order is applicable to the coal industry instead of Model Standing Order which provides for six months service against permanent vacancy for attaining permanent status in service.

4. MW-1 Shri R. N. Bose was the Personnel Officer, Jealgora colliery in 1975. He knew the concerned workman Smt. Basanti Devi. He has proved Form B register, Ext. M 3. The name of Basanti Devi appears on page 41, Sl. No. 155. This further bears the LTI of Smt. Basanti Devi. He has also proved the attendance register, Ext. M 4, bearing his endorsement Ext. M 4/1 to the effect that the appointment was for a period of 3 months. He has also proved Ext. M 5 which is a cyclostyled copy of the Certified Standing Order. This was verified by Shri S. P. Grover, an officer of Bharat Coking Coal Ltd.

5. Smt. Basanti Devi, WW-1 is the only other witness in this case. Her evidence is that she worked in Jealgora hospital of BCCI, from 14-7-75 to 14-10-75 and thereafter she was made idle. She has proved a certificate, Ext. W. 3 showing her past experience as Aya in Woodland Nursing Home & Laboratory at Matkuria. Her evidence is that so long as she worked in Jealgora hospital there was no complaint about her work.

6. Two more documents have been proved in this case on behalf of the workman. Ext. W. 1 is a letter dated 17th July, 1978 written by Shri S. P. Roy, Jt. General Secretary, Rastriya Colliery Mazdoor Sangh to the General Manager (Personnel), B.C.C.L. This letter relates the case of Smt. Basanti Devi, Hospital Aya. There was a request to consider her case sympathetically at least in consideration for being a schedule cast employee. Ext. W-2 is a reply to that letter expressing regret that Smt. Basanti Devi could not be provided with employment.

7. For the management the application of Smt. Basanti Devi to the General Manager is Ext. M 2. She had made prayer for extension of validity of her service from 15-10-75 onwards. Ext. M 1 is a forwarding letter of that application by the Colliery Superintendent.

8. It is clear that if Smt. Basanti Devi was appointed on permanent basis, she could not be stopped from work abruptly as has been done in this case. It is an admitted position that she did not get any appointment letter showing the nature of her appointment. There is a form B register, and MW 1 has come to say that he made a note in that register in his own pen that the appointment was of a casual nature and for a temporary period of 3 months. According to the workman the Form B register when first written did not show that the appointment was casual for a period of 3 months only. It has been stated that the subsequent writing was made after this reference was made. But this is not correct because form B register was produced during the conciliation stage and it contained the entries about the casual nature of this appointment even at that stage. The case of the management is that there was no vacancy of a permanent nature in Jealgora hospital when Smt. Basanti Devi was appointed, and so she cannot be heard to say that she was appointed against permanent vacancy. I, have therefore to hold that the appointment of Smt. Basanti Devi was of a casual nature for a period of 3 months only.

9. It has been contended that in normal course Smt. Basanti Devi should have continued in the job because her work was satisfactory and there was need for Aya. For this purpose attendance register has been referred to. Two more Ayas viz. Sahida Khatun and Gouri Ghoshal were appointed from 15-10-75 and 24-12-75 respectively. The management's argument is that Sahida Khatun and Gouri Ghoshal happened to

be old employers of BCCI and came to work in Jealgora hospital on transfer. From the attendance register itself it appears that in case of Sabida Khatun such an entry has been made. There is nothing to suggest that the management's contention is unfounded.

10. Thus, having considered all aspects of the case I have to hold that the demand of the workman of Jealgora colliery of Messrs Bharat Coking Coal Ltd., Post Office Jealgora, District Dhanbad (Bihar) that Shrimati Basanti Devi, Hospital Aya of Jealgora Hospital should be allowed to resume duty, and be paid full wages for the period of idle from the 15th October, 1975 is not justified. Consequently, the workman is entitled to no relief.

Dated the 29th October, 1980

I. P. SINGH, Presiding Officer
[No I-20012/237/78-D III(A)]

S.O. 3323.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Karmik Bhawan, Saraidhella, Post Office and District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th November, 1980

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) DHANBAD

Reference No. 23 of 1979

In the matter of an industrial dispute under S. 10 of the ID Act, 1947

PARTIES :

Employers in relation to the management of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Karmik Bhawan, Saraidhella, Post Office and District Dhanbad.

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employers—Shri T. P. Choudhury, Advocate.

On behalf of the workmen.—Shri S. P. Singh, General Secretary, Khan Mazdoor Congress, Dhanbad

STATE - Bihar INDUSTRY - Coal

Dhanbad, 30th October, 1980

AWARD

This is a reference under S. 10 of the ID Act, 1947. The Central Government by its notification No L-20012 243/78-III(A) dated 2nd May, 1979 has referred this dispute to this Tribunal for adjudication on the following points :

SCHEDULE

"Whether the demand of the union for payment of category-I wages to Shri Dasrath Ram (Identity Card No. 119220), Water Carrier in Bhuggatdih Building by the management of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Karmik Bhawan, Saraidhella, Post Office and District Dhanbad is justified? If so, to what relief is the said workman entitled and from which date?"

2. Shri Dasrath Ram, the concerned workman was a water-carrier in Bhuggatdih building of Messrs Bharat Coking Coal Limited. He was serving as water carrier since 12-5-73.

According to the workman he should have been placed in category I as water carrier, with basic pay of Rs. 10 per day besides dearness allowance and other emoluments. But taking advantage of the unemployment situation the employers were paying him at the rate of Rs. 4 per day. The concerned workman was always pressing the employer for giving him category I wages and he also approached in writing on 6th July, 1978 for proper wage. The employer replied on 22-8-78 in refusing to consider his request on flimsy ground. The concerned workman thereafter raised an industrial dispute through his union. On failure of the conciliation, this reference was made.

3. The employer—Bharat Coking Coal Ltd., has taken the plea that Shri Dasrath Ram used to supply drinking water in Bhuggatdih building at the rate of Rs. 0.50 per Bhar of water. The water was being drawn from the water tap of the bungalow of the colliery manager which is adjacent to the Bhuggatdih building. He was normally supplying 8/10 bhars of drinking water which took him 1 1/2 hours of time. Shri Ram was therefore neither full time nor a part time worker. The management denied that he was an employee, and contended that his name was never entered in any of the statutory registers of the office of the Bhuggatdih building. With regard to issue of identity card to the concerned workman it was stated that this was done in order to permit him to enter the office building for the purpose of supplying drinking water.

4. The concerned workman Shri Dasrath Ram has deposed in this case as WW-1. He has said that he had been working in Bhuggatdih office since 1973 and getting Rs. 4 per day. His duty hours were from 7 A.M. to 12 Noon and 2 P.M. to 5 P.M. He has admitted that he was not getting anything beyond Rs. 4 per day. Besides him there were 5 sweepers who used to get Rs. 5 per day. His evidence is that he applied for enhancement of his wages through his application, Ext W-1. It was refused by Mr. Gupta, the Administrative Officer, through letter Ext. W-2.

5. On behalf of the workman, Juttan Hari, WW-2 has been examined. He started work in Bhuggatdih office of BCCCL in 1976 as a sweeper on a daily rate of Rs. 5 per day. His evidence is that since June, 1980 he was getting Rs. 15 per day. He knew Dasrath Ram, Paniwala, whose duty was to fill pitchers of water in the office and sometimes to give water to the staff. He has said that the concerned workman used to get Rs. 4 per day. Similar is the evidence of WW-3, Shankar Ram, a peon of Bhuggatdih office. He has said that Dasrath Ram used to bring water from outside to the office. According to him Dasrath Ram used to sit in the office from 8 to 11 A.M. and from 1 P.M. to 5 P.M.

6. On behalf of the management only Shri D. R. Gupta, MW-1 has been examined. He is at present Town Administrator. In January, 1973 he was Administrative Officer, Bhuggatdih Building. His office shifted to Koyala Bhawan with effect from 4-10-78. He has said that the concerned workman, Dasrath Ram used to supply water to his office on bhar basis. He used to bring water from adjacent building. An account was kept of the bhars which was between 7 to 12 per day so that his average emoluments used to be Rs. 4 per day. He has said that the concerned workman used to devote an hour for supply of water to his office. He has denied that the concerned workman used to serve water to the staff whenever they demanded water for drinking. With regard to identity card, Ext W-5 he has said that it was issued to the concerned workman merely for the purpose to allow him to enter the office. His evidence is that no category was put in the identity card because he was not a workman of the BCCCL. He has also denied that Dasrath Ram was a water carrier and should have been placed in category I. His specific evidence is that when his office was shifted from Bhuggatdih building there was no need for supply of drinking water and therefore his service was not required.

7. The above is all the evidence adduced in this case. It is an admitted position that the concerned workman at no time had been placed as water carrier in category I of the wage board recommendation. Consequently, in the statutory register maintained for a workman his name does not appear. In fact the concerned workman approached the employer for being placed in category I, but the same was

refused. The workman's grievance is that although he was serving as water supplier since 1973 as shown by the identity card, Ext. W. 5 it was unjust on the part of the management to refuse him employment as water carrier in category I. The management's contention is that the concerned workman was not really a workman of the office of BCCL because the payment was made to him on contract basis. MW-1 has said that according to the average calculation made by used to supply water which gave him an earning of Rs. 4 per day. The position stands that the concerned workman was never treated as a workman of BCCL, and he was paid by the employer for the quantity of water supplied. On behalf of the workman it has been urged that identity card is issued to a workman and in the identity card the concerned workman is described as water carrier. The mere fact that no category is mentioned in the identity card would not go to minimise his case that he was all along a water carrier in the service of Messrs Bharat Coking Coal Ltd. On behalf of the management it has been contended that issue of identity card is restricted to the purpose of identity alone, and it should not be regarded as an evidence of employment. I agree that besides identity card there should be other evidence of employment. For instance, the papers such as Form B register and attendance register should be there to support the identity card. In this case the concerned workman was not even getting the wages of category I. It is absurd to think that an employer like BCCL would appoint him as water carrier in category I and refuse to give him the emoluments of that post, MW-1 has said he was paid on vouchers.

8. Thus considering all aspects of the case I have to hold that the demand of the union for payment of category-I wages to Shri Dasrath Ram (Identity Card No. 119220) Water carrier in Bhugatdih building by the management of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Karmik Bhawan Saraidhela, Post Office and District Dhanbad is not justified. Consequently, the workman is not entitled to any relief. This is my award.

J. P. SINGH, Presiding Officer
[No. L-20012/243/78-D.III(A)]
S.H.S. IYER, Desk Officer

आवेदन

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1980

कां० प्र० 3324—केन्द्रीय सरकार की राय है कि हमसे उपाधकृत प्रत्यक्षी में विनिर्दिष्ट विषय में उक्त में वर्गीकृत जीवन बीमा निगम, अहमदाबाद के प्रबंध मंडल से सम्बन्ध एक औद्योगिक विवाद नियोजकों और कर्मचारियों के बीच विद्यमान है।

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना बाध्यता समझती है।

अब केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 11) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसमें पीठासीन अधिकारी श्री आर० सी० इमरानी जी, जिन्होंने मूल्यांकन असमवादाद में श्रेणी और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

प्रत्यक्षी

क्या भारतीय जीवन बीमा निगम, अहमदाबाद के प्रबंध मंडल की, श्री एन० एम० मोदी, लिपिकीय सहायक, को, 1 जनवरी, 1978 से वेतनमान में वृद्धि रोध पार न करने देने की कार्यवाही न्यायोचित है? यदि नहीं तो सबधित कर्मचारियों कि अनुत्तम का हकदार है?

[स० एन-17012/24/79-डी IV (ए)]

नन्द लाल, डेस्क अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 24th October, 1980

S.O. 3324—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in

relation to the management of Life Insurance Corporation of India, Ahmedabad and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed ;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri R. C. Israni shall be the President Officer, with headquarters at Ahmedabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Life Insurance Corporation of India, Ahmedabad in not allowing Shri N. M. Mody, Clerical Assistant to cross the Efficiency Bar from 1st January, 1978 in the time scale of pay, is justified. If not, to what relief is the concerned workman entitled?

[No. L-17012/24/79-D.IV(A)]

New Delhi, the 11th November, 1980

S.O. 3325.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of the United India Fire and General Insurance Company Limited, New Delhi and their workman which was received by the Central Government on the 1st November, 1980.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I. D. No. 40 of 1979

In re :

The President National General Insurance Employees' Association, Northern Region, 11-H, Connaught Circus, New Delhi PETITIONER

Versus

The Assistant General Manager, United India Fire and General Insurance Co. Ltd., 501—504, Kailash, 5th floor, 26, Kasturba Gandhi Road, New Delhi.

RESPONDENT.

AWARD

The Central Government as appropriate Government vide its order No. L-17012(11)/78-D.IV(A) dated the 12th July, 1979 referred an Industrial Dispute u/s 10 of the Industrial Dispute Act 1947 in the following terms to this Tribunal :

"Whether the action of the management of United India Fire and General Insurance Co. Ltd. New Delhi in not categorising Shri S. R. Malhotra in the cadre of Superintendent w.e.f. the 1st January, 1973 is legal and justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

2 On receipt of the reference usual notices were sent to the parties. In pursuance whereof a statement of claim was filed on behalf of the workman and a written statement was filed on behalf of the Management. Finally a replication was filed. Thereafter the parties were directed to file their documents and documents were in fact filed. Vide my order dated the 14th August, 1980 the following issues were framed for trial :

1. Whether the present reference is incompetent and as such illegal on the ground alleged in the written statement?

2. As in the order of reference.

3. The case was then adjourned for the evidence of the workman to 22nd September, 1980. On 22nd September, 1980 an application was filed on behalf of the Management for treating issue no. 1 as preliminary and the case was adjourned for reply to this application and arguments to 20-9-1980. On 29-9-1980 reply was filed and case was adjourned for arguments to 27th October, 1980. On 27th October, 1980 the application was heard and together therewith were heard the arguments on issue no. 1. I have gone

through the file and have given my considered thought to the matter before me and I have come to the conclusion that certainly in view of the legal objection raised by the Management side to the maintainability and validity of this reference it would be appropriate treat issue no. 1 as preliminary, and consequently I propose to dispose of issue No. 1.

4. As order of reference would show this reference has been made with regard to the categorisation of Shri S. R. Malhotra in consequence of nationalisation of the General Insurance. Shri Malhotra insist that he should have been categorised in the cadre of Superintendents w.e.f. 1st January, 1973. The preliminary contention in this behalf of the Management is that in view of the provisions of the General Insurance Business (Nationalisation) Act, 1972 read with the provisions of General Insurance (Nationalisation and Revision of Pay Scales and other conditions of services of supervisory, clerical and subordinate staff) Scheme, 1974 as amended in 1976 no reference could have been made by the appropriate Government and as such the reference is bad.

5. It is admitted on behalf of the parties that by the General Insurance Business (Nationalisation) Act of 1972 general insurance business was nationalised. It is also admitted that in pursuance of the Nationalisation Act of 1972 a scheme was framed in 1974 and in accordance with the said scheme the entire staff was categorised and it was in that process that Shri S. R. Malhotra was categorised as Senior Assistant as against his claim for being categorised as Superintendent.

6. My attention on behalf of the Management has been drawn to Section 16 of the Nationalisation Act in general and in particular to clause (g) of sub section 1 thereof. My attention has also been drawn to clauses 4, 5, 21, 24 and 25 of the schemes. I have also been taken through sub-section (2) of Section 16 and sub section 5 of section 16 of the Nationalisation Act, 1972 and on the basis thereof it is urged by Shri P. P. Malhotra, the Id. counsel for the Insurance Company that this reference is bad. According to Section 16(1)(g) the Central Government has been vested with the powers to frame one or more scheme inter-alia providing for 'rationalisation or revision of pay scales and other terms and conditions of service of officers and other employees wherever necessary.' It is in pursuance thereof that the Central Government has framed scheme known as General Insurance Scheme, 1974 vide Notification No. F. 65(19)-INS. III/21/73 dated the 27th May, 1974. Admittedly the scheme was amended in 1976 and by the said amendment an appeal was provided against any orders of categorisation made in pursuance of the scheme.

7. According to clause (5) of the scheme employees have been categorised into Superintendents, Senior Assistants, Stenographers, Assistants, Record Clerks, Drivers and all others subordinate staff. In pursuance of this categorisation the workman Shri S. R. Malhotra was categorised as Senior Assistant. It is this categorisation which has been challenged. My attention has further been drawn to para 5 of clause (5) of the scheme and this para 5 lays down that 'the decision of the Custodian regarding category to which an employee shall be assigned for the purposes of fitting such employee in the new scale shall be binding on the employee'. It is not denied on behalf of the employee that as against this decision he had preferred an appeal which stands rejected. That being the position the categorisation of this workman Shri S. R. Malhotra has become final and binding within the meaning of para 5 of clause (5) of the scheme upon the employee and therefore it cannot be challenged. My attention has then been drawn on behalf of the Management by Shri P. P. Malhotra, the Id. counsel for the Management to para 4 of clause (5) of the scheme which enables the custodian to determine the cadre strength and therefore when para 4 is read with para 5 it would follow that this cadre strength also cannot be challenged and shall be binding upon the employees. The powers of interpretation of the scheme have been vested in the Central Government by clause 21 of the said scheme. Clause 25 gives over riding effect to the provisions of the scheme 'over all agreements, awards and other instruments for the time being in force' and therefore the scheme would have a over riding effect and consequently any action taken under the scheme would also have over riding effect. Clause 24 of the scheme denies all benefits not arising out of the scheme to the employees.

940 GI/80—10

Thus according to the provisions of the scheme the categorisation made by the Custodian as a finality attached to it and cannot be challenged in any manner what-so-ever except through an appeal provided under the scheme itself.

8. Not only that, sub section 7 of section 16 of the Nationalisation Act, 1972 also lays down that 'the provisions of this section and of any scheme framed under it shall have effect notwithstanding anything to the contrary contained in any other law or any agreement, award or other instrument for the time being in force'. Thus all actions under the scheme have been put beyond challenge on the ground that they are contrary to provisions of any other law agreement award or other instrument for the time being in force and Industrial Dispute Act would be no exception to it. Even according to the rules of interpretation Nationalisation Act, 1972 is a latter statute and its provisions would have over riding effect upon the provisions of Industrial Disputes Act.

9. The matter may be considered yet from another angle. By the Nationalisation Act, 1972 General Insurance Business has been nationalised and as a public policy it has been provided to avoid all possible future litigation so that the action taken under the Act or the scheme framed thereunder shall not be called into question on the ground that it was contrary to any other law and therefore on the basis of public policy also the action of the Custodian cannot be permitted to be challenged even though by way of reference or by raising an Industrial Dispute. My attention has been drawn by the Id. counsel for the workman to sub-section 5 of section 16 but the sub-section 5 of section 16 does not in any manner over ride the provisions of sub section 7 of section 16. It is rather supplementary to it and therefore it cannot be said that any Industrial Dispute could be raised in respect of the matter under reference in view of the provisions of General Insurance business Nationalisation Act, 1972 read with the scheme framed thereunder. There is yet another provision in the form of sub section 4 of section 16 which enables the termination of service of an employee who does not accept the scheme or the nationalisation in pursuance of the scheme, and if the workman in the instant case was not satisfied he could have sought compensation under the said sub-section. The ouster of jurisdiction in the instant case status from public policy and from general good and as such it cannot be permitted to be done away with by taking re-course to any other consideration.

10. In view of my discussions above, I hold that certainly in view of the provisions of Section 16 read with the provisions of the scheme framed thereunder it was not open to the appropriate Government to make reference in the instant case and as such the reference is bad and consequently the workman is not entitled to any relief in this reference.

11. Incidentally it may be mentioned that the Id. counsel for the Management has drawn my attention in the award of Central Industrial Tribunal, Bombay and the award of Central Industrial Tribunal, Madras, attested copies whereof have been filed. In these two cases as well a similar question of law had arisen and both the Tribunals had come to the conclusion that certainly the Tribunal had no jurisdiction to entertain the reference and accordingly the references were held to be incompetent.

12. In view of my discussions and findings above, it is awarded that the reference in the instant case is bad and not competent and as such the workman is not entitled to any relief. Parties however are left to bear their own costs.

Further Ordered :

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

Dated : 25th October, 1980.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer

[No. L-17012/11/78-Div(A)]

New Delhi, the 15th November, 1980

S.O. 3326.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Bombay, in the industrial dispute between the employers in relation to the management

of Messrs. V. M. Salgaocar and Brothers Private Limited, Vasco-da-Gama and their workmen which was received by the Central Government on the 10th November, 1980.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

Reference No. CGIT-2/42 of 1980

PARTIES :

Employers in relation to the management of Messrs V. M. Salgaocar and Bro. Pvt. Ltd., Vasco-da-Gama.

AND

Their workmen

INDUSTRY : Ports and Docks. **STATE :** Goa Daman & Diu.

AWARD

The Government of India, in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 referred to this Tribunal the following industrial dispute for adjudication by order No. L-36011/4/80-D.IV(A) dated 28-8-1980 :—

“Whether the management of Messrs. V. M. Salgaocar and Bros. Private Limited are justified in refusing to pay Crane Operator's Special Allowance of Rs. 3 per shift per head as recommended by the Anomaly Group on recommendations of the Wage Revision Committee for Port and Dock Workers and accepted by the Government of India, to the undermentioned 36 Winchmen for the period from 1st January, 1974 to 30th September 1979? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?”

NAMES OF WORKMEN

1. Shri Richard Alphonso
2. Shri Jose Alphonso
3. Shri Chandrakant Arolkar
4. Shri Voicunt D. Aldonkar
5. Shri Rosario Coutinho
6. Shri Edward D'Souza
7. Shri Ganesh S. Dhargalkar
8. Shri Jayram G. Dhuri
9. Shri Floriano Fernandes
10. Shri Joaquim C. Fernandes
11. Shri Caetano Gracias
12. Shri Shaik A. Gafur
13. Shri Mukund E. Hadfadkar
14. Shri Rama S. Harmalkar
15. Shri Shantaram Haldankar
16. Shri Sayed Inus
17. Shri Usman Khan Chand
18. Shri Sadashiv T. Vengurlekar
19. Shri Vaman N. Korgaokar
20. Shri Tulsidas P. Karwarkar
21. Shri Emeliano Luis
22. Shri Rohidas Modkoicar
23. Shri Vishnu D. X. Gaonkar
24. Shri Utam B. Mhawalkar
25. Shri Ganpat Devu Naik
26. Shri Mohandas D. Naik
27. Shri Keshav G. Navelkar
28. Shri Balkrishna D. Naik
29. Shri Durgaram S. Ozrekar
30. Shri Damodar B. Palekar
31. Shri Chandrakant G. Parab
32. Shri Francis Pereira
33. Shri Madhusudan B. Rane
34. Shri Pandurang Naik
35. Shri Caetan M. Sequeira
36. Shri Johny Gracias.”

Notices were issued to the parties to file their claim/ written statement. However a compromise petition dated 14-10-1980 signed by the management as also the General Secretary of the Goa Dock Labour Union settling the dispute in question was filed. On going through the compromise petition I find that it is fair and reasonable and in the interest of the workmen.

Award is accordingly given in terms of the compromise petition dated 14-10-1980, which will form part of this Award.

No order as to costs.

Dated the 27th October, 1980.

JITENDRA NARAYAN SINGH, Presiding Officer
[No. L-36011/4/80-D.IV(A)]
NAND LAL, Desk Officer

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL COURT NO. 2, AT BOMBAY

Reference No. CGIT-2/42 of 1980

PARTIES :

Employers in relation to the Management of M/s. V. M. Salgaocar and Bro. Pvt. Ltd., Goa

AND

Their Workmen

May it please your Honour,

The Management of M/s. V. M. Salgaocar and Brother Pvt. Ltd., Vasco-da-Gama, Goa and Goa Dock Labour Union, representing the Workmen jointly submit that the above dispute referred to your Honourable Tribunal for adjudication has been solved by the parties subsequent to the failure in conciliation. The Management agreed to pay the winch operators numbering 36 to pay special operator's allowance of Rs. 3 per shift per head as recommended by the Anomaly Committee.

We also say jointly that the payment in full for the period from 1st January, 1974 to 13th August, 1980 (for the period the management is obliged to pay) has been paid to 36 winchmen on 13th August, 1980.

The Assistant Labour Commissioner (C), Vasco-da-Gama, was also intimated about the said payment vide Management's letter No. ADM/IR/27/7/80 dated 13-8-1980. A true copy of the said letter is enclosed and marked as Annexure "A".

We request you jointly, as the special allowance of Rs. 3 per shift per head has already been paid to all 36 winchmen concerned and covered by the above Reference, Your Honour may be pleased to pass 'A No Dispute Award' in the above Reference, and for which act of kindness we shall even remain grateful.

Sd/-

General Secretary,
Goa Dock Labour Union,
Vasco-da-Gama.

Administration Manager,
V. M. Salgaocar and Bro. Pvt. Ltd.,
Vasco-da-Gama.

Enc: As above.
Vasco-da-Gama.
October 14, 1980.

COPY

ADM/IR/27/7/80
Asstt. Labour Commissioner
(Central)
Office of the Asstt. Labour Commissioner
Vasco-da-Gama.

August 13, 1980

Dear Sir

Sub: Payment of crane operating allowance as per Anomaly Commission recommendations.

This is to inform you, that the 48 erstwhile winchmen-cum-crane operators, who had demanded the crane operating allowance, has been paid to them in accordance with Anomaly Commission recommendations on 13th August, 1980, after mutual discussions with Goa Dock Labour Union and the concerned workmen.

This is for your information and record.

We remain,

Yours faithfully,

For V. M. Salgaocar & Bro. Pvt. Ltd.

Sd/-

Administration Manager

cc. The President
Goa Dock Labour Union
Vasco-da-Gama.

cc. Regional Labour Commissioner
Bombay.

New Delhi, the 10th November, 1980

S.O. 3327.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bhowra (South) Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited, at and Post Office Bhowra, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 1st November, 1980.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) DHANBAD

PRESENT :

Shri J. P. Singh, Presiding Officer

Reference No. 102 of 1979

In the matter of an industrial dispute under S. 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bhowra (South) Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Ltd. at and Post Office Bhowra, District Dhanbad.

AND

Their workmen

APPEARANCES :

On behalf of the workmen : Shri D. Mukherjee, Advocate.
On behalf of the employers : Shri B. Joshi, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad 28th October, 1980

AWARD

This is a reference under Section 10 of the I.D. Act, 1947. The Central Government by its notification No. L-20012/25/79-D. III(A) dated 10th August, 1979 has referred this dispute to this Tribunal for adjudication on the following points :

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Bhowra (South) Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Bhowra, District Dhanbad in stopping Shrimati (1) Sibrati Bhuini, (2) Barti Kamin, (3) Jagti Bhuini, (4) Robani Majhian and (5) Sodhari Majhin, stackers from work and offering them alternative job of wagon loading, with effect from the 1st September, 1978 is justified? If not, to what relief are these workmen entitled?"

2. The case of the workmen is that from 1st September, 1978 they were stopped from work as stackers and offered the job of wagon loading. This amounted to a change in the nature of their work. According to them the management had prejudice against their union, and furthermore they wanted to dispense with the services of female workers.

3. The management took the plea that due to the closure of coke oven plant in October, 1975, 37 workmen including the concerned workmen, became surplus and were deputed to work as wagon loaders, truck loaders, etc. The management's further case is that the female workmen concerned were placed on the jobs of stacking and cleaning of stocks from the sidings for some time and thereafter they were provided with jobs of wagon loading. The union had complained that the work load fixed for hard coke stackers is less than fixed for wagon loading, but this was actually not so. According to the management the concerned workmen refused to do the alternative job and willfully absented themselves.

4. At the time of hearing the management expressed a desire to put the concerned workmen in the job of stackers which they originally did. But these concerned workmen demanded back wages for the period of their idleness. According to them even after the closure of the bhatta they were given equivalent alternative jobs in August, 1978 when they were suddenly asked to do the work of wagon loading which is too strenuous for female workers. The plea taken by them is that this was purposely done to remove them from service illegally.

5. Now, these concerned workmen are female workers designated as stackers. The identity cards are Exts. W. 3, W. 4, W. 5 and W. 6. They are, therefore, old workers. The management has filed Ext. M1 which is a notice dated 1-3-1976. The purpose of the notice is that 5 kamins including the concerned workmen were transferred from coke oven bhatta to No. 5 siding to work as wagon loaders. This document has been filed to show that due notice was given to them for an alternative job. Ext. M1 was served on them through the peon book, Ext. M2. But these documents are not relevant for our purpose because this notice is of the year 1976 whereas the concerned workmen were given no job after August, 1978. According to the workmen the alternative job of wagon loading was given to the concerned workmen when this industrial dispute was raised. But that was not supported by any order in writing.

6. The oral evidence adduced on behalf of the management is concentrated on the question that the job of stackers and wagon loaders is the same and having the same work-load. For instance MW3 was a hard coke supervisor under whom these female workers worked. His evidence is that all the five kamins met him after receipt of the letter, Ext. M1 and he gave them work of screening and other jobs on the wagon loading side at No. 17 Siding. He has said that they continued work upto August 1978. According to him they abruptly stopped work. Similar is the evidence of MW. 4 Superintendent-cum-Agent of Bhowra (South) colliery. He has also spoken about the nature of jobs of stackers and wagon-loaders and about their work load. His evidence is that the concerned kamins worked upto August, 1978 and thereafter did not appear for work. He denied that the management ever stopped them from work. The workmen have placed a letter on record given by them to the Personnel Manager which is dated 4-9-78. It means that soon after the stoppage of work this letter was filed. The kamins alleged that from 1-9-78 they were deprived of work without any previous notice and without any reason. This letter was filed from the custody of the management and so this is not a disputed document. No reply was sent to the concerned workmen on this petition and no order appears to have been passed on this petition. So although they were working as wagon loaders on a particular type of job, they were suddenly asked to stop. The management's witnesses have simply said that the concerned workmen stopped work on their own accord, but this does not appear to be so in view of the petition filed by them demanding work as they have been stopped work without any fault on their part. The management has nothing to say with regard to this.

7. The management is now agreeable to put them back as stackers and the concerned workmen are also agreeable to do so. But the position however is that the concerned workmen have shown that without any justification they were stopped from work with effect from 1-9-78 and the management has no explanation to offer except this that the concerned workmen themselves stopped work. This is denied by the petition filed by them on 4-9-78 asking for work. I, therefore, hold that the stoppage of work from 1-9-78 on the part of the concerned workmen was not on account of their sweet will. In fact even after the closure of the hard coke bhatta they worked on the wagon loading side but on a lighter job such as spreading of coal dust and all that. But from 1st September, 1978, they were abruptly asked not to continue with their work. Consequently, they had to sit idle. Since the management did not offer them alternative job of wagon loading with effect from 1st September, 1978, the question of justification of such offer does not arise.

8. In the result the action of the management of Bhowra (South) Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Bhuini, (2) Barti Kamin, (3) Jagti Bhuini, (4) Robani Majhian and (5) Sadhari Majhin stackers from work with effect from 1st September 1978 is not justified. Consequently, all the concerned workmen mentioned above are entitled to back wages and other emoluments from 1st September, 1978.

This is my award.

J. P. SINGH, Presiding Officer

[No. L-20012/25/79-D. IIIA.]

New Delhi, the 17th November, 1980

S.O. 3328—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of the Hindustan Commercial Bank Ltd., Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on the 6th November, 1980.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 50 of 1978

PARTIES :

Employers in relation to the Management of the Hindustan Commercial Bank (Ltd.), Calcutta.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

On behalf of Employers—Mr. M. S. Bala, Advocate.
On behalf of Workmen—Mr. D. L. Sengupta, Advocate with Mr. S. Bhattacharya, Advocate.

STATE : West Bengal.

INDUSTRY : Banking.

AWARD

This is a reference under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 sent to this Tribunal by the Central Government by its Order No. L-12012/16/78-D. IIA dated 8th/11th May, 1978 for adjudication of the dispute as mentioned below :—

"Whether the action of the management of Hindustan Commercial Bank Ltd., Calcutta in denying special allowance to Shri Rajmoni Tewari, Peon posted in the Clearing House, Calcutta, is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. In this case the management of Hindustan Commercial Bank Ltd., Calcutta, hereinafter referred to as the "Bank", has appeared and Bengal Bank Workers Organisation, hereinafter described as the "Union", has appeared to represent the workmen of the Bank.

3. The Union has filed a written statement supporting the claim of Rajmoni Tewari, the concerned workman of the Bank referred to in the Schedule to the Order of Reference and also a rejoinder to the written statement of the Bank. The Bank has filed a written statement repudiating and challenging the claim of Rajmoni Tewari and also a rejoinder to the written statement of the Union.

4. The Bank raised on 5th April, 1979 a preliminary issue for decision before the adjudication of the dispute on the merits of the claim of the concerned workman. The preliminary point relates to the nature of dispute and the jurisdiction of Tribunal to decide the claim involved in this case. The hearing on the preliminary issue started, after some adjournments, on 17th April, 1979 Union examined the concerned workman. On 27th June, 1979 the concerned workman, WW-1 was cross-examined only to the extent of the requirement for limited purpose of preliminary point which was framed in the following words, "Whether the union has locus standi to raise the dispute?" The parties were at liberty to adduce evidence on the point. Two witnesses were examined on behalf of the Union and the Bank examined one witness. Some documents have been exhibited on the side of the Union.

5. Regarding the preliminary issue the paragraph 8 of the written statement of the Union is relevant. In this paragraph the Union has stated that a group of employees of the Bank supported the cause of Rajmoni Tewari and the Union raised the dispute before the Assistant Labour Commissioner (C), Calcutta. The Bank's objection will appear in the paragraph 8 of the Rejoinder to the written statement of the Union. The Bank's case is that the Tribunal has no jurisdiction to hear the dispute as it was not raised by one of the two unions of the employees of the Bank viz., Hindustan Commercial Bank Employees Association of which Rajmoni Tewari was the

Asstt. Secretary and Hindustan Commercial Bank Karamchari Sangh. There was no scope for some group of persons for raising the dispute and the Union is debarred from representing the case of Rajmoni Tewari.

6. Mr. D. L. Sen Gupta, the learned advocate appeared on behalf of the Union and Mr. M. S. Bala, the learned advocate for the Bank.

7. In this case two witnesses have been examined by the Union while one has been examined on behalf of the Bank. Some documents have been exhibited on the side of the Union.

8. WW-1 is Rajmoni Tewari, the concerned workman himself. His evidence is that when the Bank did not give him allowance for his work at the Clearing House, he approached the Union in 1977. At the request of A. D. Singh, the President of the Union, he wrote a letter to the management of the Bank. As his case was not considered by the Bank, he wrote a fresh letter to the Conciliation Officer. According to the WW-1, Ext. W-2, a letter dated 27th September, 1977 written to the Secretary of the Union was signed by 14 persons and the Ext. W-8, a letter dated 26th August, 1977 addressed to the Agent of the Bank was signed by 16 persons. The witness says that 15 persons by this letter espoused his cause. From him we also get that he was the Assistant Secretary of the union of the employees of the Bank, named Hindustan Commercial Bank Employees' Association which still exists but he left that Employees' Association of his Bank as it did not take up his case. Of the 16 signatories of Ext. W-8 including himself, 11 were of subordinate staff and 5 of the clerical staff. Of course, WW-1 belongs to the subordinate staff. He resigned from the Employees' Association of the Bank on 25th March, 1977. There is another union of the Bank's employees, named Hindustan Commercial Bank Karamchari Sangh. Persons who signed Ext. W-2 in Hindi did not know English. On 27th September, 1977 Rajmoni filed the case before the Regional Labour Commissioner, Calcutta. The letter to the Union, Ext. W-2, was also submitted that very day. He requested the signatories of Ext. W-2 to sign the letter to help him and they signed. Some of the signatories were members of the Union. Some of the signatories of Ext. W-8, the letter to the Bank were employees of the Bank at Netaji Subhas Road. They were 11 in number including WW-1 and were members of the Union.

9. The other witness of the Union is WW-2 J. H. Palan. He received the letter Ext. W-2 from some employees of the Bank and out of them he knows four persons. He does not know the signatories. He has produced one Minutes Book of the Union marked Ext. W-3 and a resolution dated 29th February 1977, in particular has been marked Ext. W-3(a). One Membership Register of the Union is marked Ext. W-4. The witness produces some admission forms, marked collectively Ext. W-5 and a receipt book which 16 counterfoils are marked collectively Ext. W-6. The witness thinks, though not quite sure, that sometime in 1977 the Union for the first time enrolled some employees of the Bank as its members. All the 16 employees applied for membership on 25th March, 1977 and their subscriptions were accepted on 16th April, 1977 but since then there has been no addition of members from the Bank. Of the 15 signatories in Ext. W-2, one Sitaram Tewari, the father of Rajmoni died subsequently. WW-2 who is the Deputy General Secretary of the Union does not know if Rajmoni was the Assistant Secretary of any other union. He does not know if the five clerks whose application forms are produced during hearing marked Ext. W-5 filled up the forms personally or not. The witness says that with regard to other forms in Ext. W-5 he was not present when signatures were subscribed to the forms but he does not think that the members signed blank forms.

10. The Bank has examined one witness MW-1 Prafulla Chandra Jha doing the legal cases of the Bank. From his evidence we get that the Bank has four branches in Calcutta. There are 143 workmen employed in all the four branches. Some attendance registers of the employees for the relevant period when the reference was made, were tendered and marked Ext. M-1, collectively. At the Netaji Road Branch of the Bank to which the concerned workman belonged, there were 27 workmen of the subordinate staff in May, 1978 and 39 in the clerical staff at that time.

11. It has been first urged by Mr. Sengupta, the learned advocate that the Union having some appreciable number of employees of the Bank has a right to represent the Bank I shall, therefore, consider how far this contention can be acceptable.

12. Admittedly we are concerned with the Bank at Netaji Subhas Road, Calcutta, not with other branches. Rajmoni Tewari belongs to Netaji Subhas Road unit of the Bank and as such the dispute relates to this unit alone. From WW 1 Rajmoni we get that the employees of the Bank have their two unions, (1) Hindustan Commercial Bank Employees' Association of which he was the Asstt Secretary and (2) Hindustan Commercial Bank Karmachari Sangh that those two unions are still in existence and that he resigned his membership in Bank Employees' Association when his case was not espoused by that Association. The witness has stated that of the 14 signatories of Ext W-2 a letter dated 27-9-77 purported to request the General Secretary of the Union to take up the case of Rajmoni only 4 employees of the Bank at Netaji Subhas Road were members of the Union. He has further stated that only 10 of the 15 signatories to the letter Ext W-8 dated 26th August, 1977 were members of the Union and 6 were not. Ext W-8 has 15 signatories, not 16. Of the ten members of the Union the witness has said, six were working at Netaji Subhas Road. Ext W-8 is the letter written to the Bank to grant allowance to Rajmoni. Again according to WW 1 there were 10 members of the Union who belonged to the Bank at Netaji Subhas Road.

13. Ext W-4, is the membership Register of the Union. According to WW-2, the Deputy General Secretary of the Union, 16 employees of the Bank were members of the Union and most of them belonged to the Bank at Netaji Subhas Road. He does not, however, say who belonged to the Netaji Subhas Road Bank. At one place WW-1, says that of the 16 members of the Union six belonged to Burra Bazar Branch and the rest were working at Netaji Subhas Road and at another place his evidence is that of the members Pradip, Sheo Murat, Jagadish Narayan, Basdeo Singh, Nani Gopal and Hiralal of Ext W-8 were working at Netaji Subhas Road. WW-2, has referred to the admission forms of the members of the Union. They are Ext W-5, collectively. They are all dated 25th March, 1977. According to the admission forms out of 16 employees 9 belonged to the Bank at Netaji Subhas Road and of them again two J. N. Mishra and Nani Gopal belonged to clerical staff. WW-2 has marked the names of sixteen employees of the Bank in red pencil in Ext W-4, from serial nos 215 to 230. The name of Ram Bahal, SI No 226 does not appear in any of the admission forms, Ext W-5. These 16 names in Ext W-4, were entered in the Register consecutively and, no wonder, if on the same day.

14. WW-2, has stated that the first 16 counterfoils of the Receipt book will show that the 16 members for whom he produced membership forms, Ext W-5, paid subscription. The first sixteen counterfoils have been collectively marked Ext W-6. In these counterfoils in SI No 304 we find that there is mention of payment of admission fees and annual subscription in respect of J. N. Mehta and again in SI No 306 there is payment of annual subscription only by J. N. Mehta. Both the counterfoils are dated 16th April, 1977. This is abnormal and not explained. In Ext W-6 referred to by WW-2, there is no mention of payment of admission fee and a subscription made by Sambhunath Singh mentioned in SI No 215 in Ext W-4. Ext W-5 shows that Sambhu Singh applied to be a member of the Union on 25th March, 1977 and WW-2, says that the subscriptions of all the employees of the Bank including Sambhu Singh, 16 in number were accepted on 16th April 1977. No such payment of admission fee and subscription made by Sambhu Nath on 16th April, 1977 appears in Ext W-6. On the other hand in the counterfoil book there is mention of payment of admission fee and subscription by one Sambhunath Singh of Hindustan Commercial Bank on 23rd May, 1977 in counterfoil no 371 dated 23rd May, 1977. This has not been mentioned or proved by WW-2. It has not been marked an exhibit. It has not been mentioned during argument also. Even if it is assumed that inadvertently it was missed by WW-2 then there was no reason for appearance of the name of Sambhunath on the top of the list of the employees of the Bank in the Membership Register, Ext W-4 where the names of those members were entered in the book on their payment of admission fees and subscription on 16th April 1977 whereas Sambhunath paid them on 23rd May, 1977 long after then when before him several others became members on alleged payment. There is no explanation of this serious discrepancy. However, I take no notice of this counterfoil as it is not an exhibit and not relied on by the Union. I place no importance to it.

15. In this case there are some facts and circumstances to be considered along with the evidence on record. The evidence shows that the employees of the Bank have two unions. The concerned workman was the Assistant Secretary of one of such unions and he resigned his membership of the said Employees' Association as his case was not taken up by it. Clearly, therefore, the Employees Association or the Karmachari Sangh of the employees of the Bank did not take up the case of Rajmoni. WW-1, has admitted that he then approached the Union and the President of the Union asked him to write a letter in this regard. Accordingly a letter was written and a copy of the same was delivered to the management of the Bank. When his case was not considered, a letter was written to the Conciliation Officer. On 27th September, 1977 he filed a case before the Regional Labour Commissioner. None of the alleged members of the Union or employees of the Bank have been examined in this case to say that they are members of the Union that they signed the admission forms or that they, in fact, paid subscription to the Union. WW-1 has stated that he requested all the signatories of Ext W-2, to sign the letter to help him and they signed. Rajmoni being disappointed not to get support of the two unions of the employees of the Bank whose subscriptions were realised from their pay, approached the Union. The nature of the documentary evidence, namely, the admission forms, the entries in the membership register, the counterfoils of subscription book clearly shows that the documents are most unreliable. I am of the opinion that they are not genuine. I am not satisfied at all that the employees of the Bank ever became members of the Union. There is no resolution or indication in any proceedings of any meeting of the Union that either the members or the employees of the Bank wanted that the Union should espouse the cause of Rajmoni Tewari. The oral evidence of the WW-1, and WW-2, is thoroughly unreliable. Moreover in the written statement nowhere has it been stated by the Union that it had any employee of the Bank as its member or that it had the right to represent the union as it had sufficient employees of the Bank for representation.

16. In this case the evidence shows that in the Bank at Netaji Subhas Road, Calcutta, there were 39 persons in the clerical staff and the strength of the subordinate staff was 27. Rajmoni belonged to the subordinate staff. My finding is that the Union had or has no employee of the Bank as its member real or bonafide, not to speak about appreciable or reasonable number of employees from the Bank. In this view of the matter the Union cannot be said to have authority to represent the employees of the Bank.

17. Next Mr Sengupta submitted that the union had taken up the case of Rajmoni as appreciable number of employee of the Bank requested it by Ext W-2. WW-1 has said that the persons who signed in Hindi did not know English. Six of the fourteen signatories in Ext W-2 signed in Hindi. There is no evidence that they signed it knowing the contents. The witness has said that he asked the signatories to help him and they signed. His further evidence is that out of 14 signatories only 4 persons worked in the Bank at Netaji Subhas Road. Of them again three viz Nani Gopal, Jagdish N. Mehra and Pradip Bose are clerks according to Ext W-5. Therefore, of the category of sub-staff on which Mr Sengupta relies, there is only one out of 27 sub-staff of the Bank at Netaji Subhas Road who requested the General Secretary of the Union to take up the case of Rajmoni. Again, according to Ext W-5 P. K. Bose is an employee of Burra Bazar Branch. Therefore, only 3 employees of the Bank at Netaji Subhas Road belonging to clerical and subordinate staff were signatories in Ext W-2. The uncontradicted evidence of WW-1 is that at Netaji Subhas Road Branch there were 39 clerical staff and 27 subordinate staff in all 66 at the time of reference. 3 out of 66 workmen cannot by any imagination, be held to be sufficient, appreciable or reasonable to give authority to the Union to represent either 66 or even 27 subordinate staff of the Netaji Subhas Road branch. Moreover, none of the signatories have been examined by the Union to give evidence that they signed Ext W-2, or that they gave such authority to the union for espousing the cause of Rajmoni. No explanation has been given for non-examination of any of the signatories or members. In the circumstances of the case it is reasonable to presume that had they been examined in this case they would have deposed against the Union. In this case WW-2, stated in evidence that he heard that the management of the Bank threatened the employees. Many things have been stated by the witness Proper and competent

persons have not been examined. Such evidence is purely hear say and worth nothing. The statements are unreliable and unacceptable. What WW-1, has not stated, has been unhesitatingly stated by the overzealous WW-2, the Deputy General Secretary of the Union. The evidence of WW-1, and WW-2 is utterly unacceptable. I reject the same.

18. Ext. W-8 is an appeal made to the Agent of the Bank to allow dafti allowance. It is a sort of solicitation. None of the signatories have been examined to say that they signed it. Eight of the fifteen signatures are in Hindi. There is no evidence that the signatories were aware of the contents of the document. Moreover Ext. W-8 does not prove that the signatories espoused the cause of the concerned workman either for conciliation proceeding or for the present reference or that they gave authority to the union to espouse the cause of the workman.

19. Lastly, the Union has produced one resolution Book marked Ext. 3 containing a resolution of the Executive Committee meeting held on 29th September, 1977, a part of which has been marked Ext. W-3(a). Ext. W-3(a) reads as follows :

"The Deputy General Secretary produced a letter by a group of employees of Hindustan Commercial Bank wherein they have requested to take up the case of Rajmoni Tewari who worked as a Peon at Clearing House. The Management have rejected their claim and hence they like that the dispute should be taken up by this union. It was unanimously desolved that this Union shall sponsor the case of Sri Rajmoni Tewari who perform the duties of a Dafti while attending Clearing House duties."

It is to be noted that here it is mentioned that a group of employees of the Bank requested the Union to take up the case of Rajmoni. It has not been stated that some members wanted the union to take up the case. The decision was on the request of some employees. After Ext. W-3(a) it is stated that the General Secretary informed that there were a group of employees of the Bank on the role of the Union as members. In this connexion we may refer to the case of the Union in their written statement in paragraph 8. There it is stated, "that a group of employees supported the cause of Shri Tewari, and this union raised the dispute before the Asstt. Labour Commissioner (C), Calcutta." It is significant to note that in this pleading there is no indication whatsoever that any employee of the Bank was a member of the union or that any group of member-employees supported the cause of Tewari or that the Union was authorised to espouse the cause of Tewari or that on the basis of any resolution passed by the Union it took up the cause of Tewari. Mr. Sengupta suggested that the reference when made has a presumption that industrial dispute exists but even if such presumption is assumed, the evidence and circumstances appearing in this case have smashed that presumption into pieces. Considering the evidence in this case, I find that the union was not authorised by any group of employees of the bank, appreciable in number or otherwise to espouse the cause of the concerned workman. The union had no right or authority to represent the workmen of the Bank in this reference. The resolution Ext. W-3(a) referred to by the Union is not genuine. From the evidence, I have no doubt to hold that WW-1, in connivance with the President, General Secretary and some others of the union brought the resolution, the letters Exts. W-1, W-2, W-5 and W-6 and the relevant names of members in Ext. W-4, into existence only to show that the union had authority to sponsor the cause of Rajmoni as the Employees' Association and Karamchari Sangh had refused to take up the case. The evidence of WW-1 and WW-2, is unreliable and unacceptable.

20. The last line of attack of Mr. Sengupta for the union is that the Bank cannot challenge the representative character of the union as there is no such point taken in the pleading. In this connection my attention has been drawn to the paragraph 8 of the Bank's rejoinder which is quoted hereunder :

"8. The Hon'ble Tribunal is beyond their jurisdiction to hear this since the dispute was not validly raised by any Union of the bank and the Assistant Labour Commissioner was erred in taking the dispute for conciliation and the appropriate Government also erred in referring this dispute before this Hon'ble Tribunal. The Trade Unions which are existing in the Bank are 'Hindustan Commercial Bank Employees' Association' affiliated with Bengal Provincial Bank Employees' Association and a unit of 'All

India Bank Employees' Association"; of which the workman was a Asstt. Secretary at the material time and his subscription to the Union was being deducted from his salary upto October, 1977. The other Union Hindustan Commercial Bank Karamchari Sangh, affiliated with Bengal Bank Employees' Congress, and with "All India National Trade Union Congress"; hence there was no scope of raising the dispute by some Group of persons. Therefore, this Union is barred from representing his case before this Hon'ble Tribunal."

The Bank challenged the right of the Union to raise the dispute and made the statement in paragraph 8 of the rejoinder. What the Bank wanted to say in that statement is quite clear. It appears from the statement that the employees of the Bank had two unions for themselves as named, that they paid subscription to their unions as mentioned by deduction from their wages, that the union involved in this case was not a union of any employee of the Bank, as there are already two in existence as stated and that in such circumstances there was no occasion or scope for any group of persons or employees as mentioned in paragraph 8 of the union's written statement to raise any dispute save and except through the two unions of the employees referred to in paragraph 8 of the rejoinder. The Bank's challenge is that the union not being a union of the Bank's employees, that is to say, the Union having no employee of the Bank as member has no right or authority to represent the workmen of the Bank in this case. For this reason the Bank has stated, "Therefore this union is barred from representing his case before this Hon'ble Tribunal" and "This Hon'ble Tribunal is beyond their jurisdiction to hear this since the dispute was not validly raised by any union of the Bank". It appears that the written statement and the rejoinder were filed by the Agent of the Bank and at the stage when they were filed no lawyer appeared in this case. The language of the written statement and the rejoinder of the Bank shows that it was not drafted and settled by any lawyer or expert in legal matters. The pleadings are to be liberally and reasonably construed. Moreover, the Union understood what the Bank wanted to say, and that is why it led evidence as to how the Union got authority to represent the workmen. It is evident in this case that the Bank certainly disputed the right, authority and status of the Union as representative body of the workmen of the Bank. The Bank disputed that the Union had any employee of the Bank as its member.

21. On the other hand the Union in its written statement simply stated that a group of employees of the Bank supported the cause of Tewari and the union raised the dispute. It has not been stated that the employees of the Bank authorised the union to raise the dispute or that the union having employees of the Bank as its members had a right to represent the employees. I have discussed these points raised earlier by Mr. Sen Gupta and the contentions of the Union have been rejected. This last point raised by him as his main argument, the earlier ones being minor as he says, is also found unacceptable and the same is rejected.

22. In view of my finding above that the Union has no locus standi, right or authority to represent the workmen of the Bank either at the time of reference or at any time, the preliminary point raised by the Bank is decided in its favour and again the Union. This Tribunal has no jurisdiction to decide the dispute referred to it as it is not an industrial dispute but an individual dispute.

I pass the award accordingly.

R. BHATTACHARYA, Presiding Officer
[No. L-12012/16/78-D. II(A)]

The 28th October, 1980

New Delhi, the 18th November, 1980

S.O. 3329.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Indian Bank, Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on the 6th November, 1980.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 39 of 1978

PARTIES :

Employers in relation to the management of Indian Bank, Calcutta

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

On behalf of Employers—Mr. N. K. Raha, Advocate.

On behalf of Workmen.—Mr. D. L. Sen Gupta, Advocate.

STATE : West Bengal

INDUSTRY : Banking

AWARD,

To this Tribunal the instant reference under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has been sent by the Central Government by its Order (F. No. L-12012/81/77-D.II.A) dated the 5th April, 1978 for the adjudication of a dispute between the employers in relation to the management of Indian Bank, Calcutta and their workmen. The decision is required of the following question :

"Whether the action of the management of Indian Bank, P-8, Brabourne Road, Calcutta in withdrawing the special allowance duties from Shri Pradip Kumar Mitra their representative in the Clearing House, Calcutta with effect from 16-5-77 and depriving him of his Special Assistance allowance is legal and justified ? If not, to what relief is the workman entitled ?"

2. Indian Bank at P-8, Brabourne Road, Calcutta (hereinafter referred to as the Bank) appeared and filed written statement and a rejoinder to the written statement of the opponent. Bengal Bank Workers Organisation (hereinafter called the Union) appeared on behalf of the workmen of the Bank and filed written statement. It also filed a rejoinder to the written statement of the Bank.

3. In this case the Bank has raised one preliminary point for decision on the question of jurisdiction of the Tribunal to decide the dispute. In its written statement the Bank has stated that the dispute in question is not an industrial dispute and that it is an individual dispute. It has been further stated that the Union is neither a registered body nor a legal entity. On these grounds the Bank wants to say that this Tribunal has no jurisdiction to deal with the reference.

4. In reply to this averment, the Union in its rejoinder has denied the allegation. Its case, in short, is that 30 workmen out of 104 belonging to the Bank, by their letter dated 16-5-77, copy whereof is annexure 'C' to the rejoinder, requested the Union to take up the dispute concerning Pradip Kumar Mitra and accordingly the Union having the support of a substantial section of the workmen is entitled to represent the workmen of the Bank regarding the industrial dispute raised by the workmen. By an amendment of the rejoinder the Union has further stated that the concerned workman and 7 other workmen of the Bank were members of the union. On the basis of the letter of request dated 16-5-77 the union passed a resolution on 14-5-77 to take up the industrial dispute.

5. Mr. D. L. Sengupta, learned advocate appears on behalf of the Union and Mr N. K. Raha, learned Advocate for the Bank appears.

6. The General Secretary of the Union Shakti Shekhar Das has given evidence as WW-1. One document has been marked Ext. W-1.

7. First, Mr. Sengupta has contended that in the pleading the Bank's case is that the Tribunal has no jurisdiction on the ground that the union is not a registered body or a legal entity. His submission is that in the present case WW-1 stated that the union is registered and the registration number was 8091 but when there was no cross-examination on this point and there is no evidence to the contrary, the objection as to the jurisdiction of the Tribunal fails. Mr. Sengupta's argument is that in the absence in the pleading the Bank cannot say that the Union does not or cannot represent

the workman of the Bank or that it has no authority to represent the workman in the absence of sufficient or reasonable number of workmen of the Bank as its members or for want of due authority from an appreciable portion of workmen.

8. I have gone through the paragraph 1 of the written statement filed by the Bank. It has been first stated that the dispute is not an industrial dispute but an individual dispute. Next it has been stated that the union is neither a registered body nor a legal entity. On these grounds, according to the Bank, the Tribunal has no jurisdiction to decide the question at issue. The language is simple and the sense or the meaning it conveys is clear. It is evident, therefore, that the Bank wanted to say that on two grounds there was the lack of jurisdiction. First, the present dispute is not an "industrial dispute" according to the provision of Industrial Disputes Act for want of legal characteristics as required but an individual dispute not entertainable by the Tribunal. Secondly, the Union not being a registered body has no legal existence. These two grounds taken up by the Bank were clearly understood by the Union. In the rejoinder to the written statement of the Bank, the Union replied in paragraph 1 that it denied that it was an individual dispute or that it was not an industrial dispute. In order to meet this objection raised by the Bank and to show that it is an industrial dispute, it has been further stated by the Union in that paragraph that 30 workmen of the Bank espoused and sponsored the present dispute by a letter dated 16-5-77 to the Manager of the Bank. To show how the Union was authorised to take up the cause of the concerned workman it is also stated in the rejoinder by the Union that 30 workmen by a separate letter dated 16-5-77 to the Union requested it to take up the dispute. Later on by an amendment of the rejoinder, the Union has further added in paragraph 2 that including the concerned workman 7 employees of the Bank were members of the Union and that on the basis of the letter of request dated 16-5-77, the Union passed a resolution to take up the dispute. All these statements were made in the rejoinder in reply to the objection of the Bank that the present dispute is not an industrial dispute but an individual dispute. This shows that the union clearly understood what was pleaded by the Bank in paragraph 1 of the written statement. On the other hand the union did not think while filing the rejoinder, that the non-registration of the union was the ground taken up by the Bank to prove want of Tribunal's jurisdiction as no reply was given in the rejoinder on that point. In fact, knowing the nature of preliminary objection raised by the Bank regarding the jurisdiction of the Tribunal, Mr. Sengupta himself examined WW-1 for the union who gave evidence to say that some employees of the Bank were members of the Union, that 30 employees requested the union to take up the dispute and that a resolution was passed for the union to take up the case. These statements were all made to show that the instant dispute is an industrial dispute and not an individual dispute. I, therefore, reject the first line of argument as advanced and I hold that the Bank took two grounds of objection as to the question of jurisdiction of the Tribunal as already indicated. Bank is certainly entitled to take up the ground that the present dispute is not an industrial dispute under the Industrial Disputes Act, 1947 and for that purpose it can challenge the right and authority of the union to represent the workmen of the Bank and show the falsity of the statements made by the union in its written statement and the rejoinder.

9. The other point canvassed by the Sengupta on behalf of the Union during argument is that 30 workmen out of 104 working in the Bank requested the union by a letter Ext. W-1 to take up the present case and on the authority of the said letter the union passed a resolution for espousing the cause of the concerned workman. In these circumstances the union had authority to represent the workmen in the conciliation proceedings and before this Tribunal.

10. The letter of authority on which the union relies is Ext. W-1 dated 16-5-77. This letter is typed one and it requests the General Secretary of the Union to take up the case. It contains 30 signatures. Originally 33 names were there but three have been struck out leaving 30 names. Regarding this letter the evidence of the General Secretary, WW-1 is that the union received this letter from Pradip Kumar Mitra, the concerned workman who is not a signatory. The witness says, "This letter is alleged to have been signed by 30 employees of the Indian Bank of Brabourne Road. They of course did not sign in my presence." None of the signatories have been examined to say that they signed it or that they asked the General Secretary to take up the case. The concerned work-

man has not come forward to give evidence in favour of the union. WW-1 has stated that there is a resolution of the union showing that the union took up the cause of Pradip Kumar. That resolution has not been proved in this case and no reason has been assigned why it was not proved. In the circumstances presumption will certainly go against the union. There is reason for non-production of the resolution and the said reason will appear in the statements made in the rejoinder. There it has been stated that on the basis of the letter of request dated 16-5-77 which is Ext. W-1, a resolution was passed on 14-5-77 by the Union to take up the case of the concerned workman. This very statement falsifies the story of the union that a resolution was passed for taking up the present case after the receipt of the letter of authority signed by 30 employees because the letter of authority Ext. W-1 is dated 16-5-77 but the date of resolution is 14-5-77 two days earlier than the date when the letter of authority was written. No such resolution could be passed two days before the date of letter. The story of the passing of resolution for taking up the case after receipt of the letter of authority given by 30 employees has been disproved even by the story pleaded in the rejoinder. I have noticed the demeanour of Sakti Shekhar Das, the General Secretary of the Union who deposed as WW1. He does not appear to be a straight forward and truthful witness. I thoroughly disbelieve his evidence.

11. In the pleading the union has stated that it has 7 employees of the Bank as its members. On the very statement, 7 employees out of 104 or 105 can not be a reasonable, sufficient or appreciable number for which the union can claim that it is the representative body of the workmen of the Bank. During examination-in-chief he did not speak about any employee being a member of the union. While being cross-examined the witness said that some of the signatories in Ext. W-1 are members of the union but he cannot say who they are unless he sees the records of the union. No register of members or the counterfoil of subscription book has been filed. No member has been examined, I do not accept the story that there was any workman of the Bank who was a genuine or bonafide member of the union, not to speak of appreciable number of employees. As the story of membership is of no help to the union it was not relied upon during argument.

12. However, the fact remains that the story of authority to represent the workmen of the Bank given to the union by virtue of Ext. W-1 is unacceptable to me as I disbelieve it. Practically the contents of Ext. W-1 have not been proved and it contains hearsay evidence. The Ext. W-1 is a got up document and not a genuine one. The union has not been duly authorised by any workman, far from appreciable number of workmen to represent the workmen of the Bank. The Union had no representative character or locus standi or authority or right to take up the instant case and represent the workmen of the Bank either at the time of reference or at any time. The present dispute is purely an individual dispute and has not acquired the character of industrial dispute as defined in the Industrial Disputes Act, 1947 and as such this Tribunal has no jurisdiction to adjudicate upon the dispute.

13. Accordingly, the preliminary objection as to the jurisdiction of the Tribunal raised by the Bank succeeds and the decision goes in favour of the Bank and against the Union I thus give my award as decided above.

Dated, Calcutta.

The 27th October, 1980.

R. BHATTACHARYA, Presiding Officer

[No. L-12012/81/77-D.II(A)]

S. S. MEHTA, Desk Officer

नई दिल्ली 14 नवम्बर 1980

कां० 3330—सैमर्स वि ग्वाथियर रेयन मिल्क मैनुफैक्चरिंग (बी विंग) कम्पनी लिमिटेड (स्टैपिल फाइबर डिविजन, इंजीनियरिंग एण्ड इक्विपमेंट डिविजन एण्ड स्ट्रक्चरल डिपार्टमेंट) (जिसे हमें उसके पश्चात् उसका स्थापना कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे हमें हमके पश्चात्

उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक् अधिनियम या प्रीमियम का सदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की समूह बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप में सम्बंध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे हमें हमके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय है,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और हमें उपादक अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 जुलाई 1979 से 30 जून, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध के नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त मध्य प्रदेश को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे;

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रश्नों का प्रत्येक मास की समाप्ति से 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन निर्दिष्ट करें।

3. समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत वेदाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रश्नों का सदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा;

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित समूह बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए तब उस संशोधन की एक प्रति तथा कर्मचारी की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले से सदस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. समूह बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदत्त रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मचारी की दशा में देय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता ता, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिती का प्रतिकार के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का सदाय करेगा।

8. समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, मध्य प्रदेश के पृथक् अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से मूल नियमों के हित पर प्रतिकूल

प्रभाव पहुँचने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना समुचन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का सुनिश्चित अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन सही रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द कर दी जायेगी।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का सदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययक्त हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द कर दी जायेगी।

11. यदि नियोजक, प्रीमियम के सदाय आदि में कोई व्यतिक्रम करता है तो, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशनित या विधिकारियों के, जो वह छूट न दी जान की दशा में उक्त स्कीम के अन्तर्गत हों, बीमा फायदों के सदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उस स्थापन के सध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके उत्तरदायित्व निर्देशनित/विधिकारियों का बीमा कृत रकम का सदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के मान दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

व्याख्यात्मक स्थापन

इस मामले में पूर्वापक्षी प्रभाव में छूट देनी आवश्यक है कि छूट के लिए प्राप्त आवेदन पत्र की कार्यवाही पर समय लगा तथापि यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापक्षी प्रभाव में छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं. एस. 35014 (73)/80-पी.एफ. II]

ए. पूनन, उप-सचिव

New Delhi, the 14th November, 1980

S.O. 3330.—Whereas Messrs The Gwalior Rayon Silk Manufacturing (Weaving) Company Limited (Staple Fibre Division Engineering and Development Division, Establishment) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Scheduled annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st July, 1979 and upto 30th June, 1981, the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh, and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S. 35014(73)/80-PF. II]

A. POONEN, Dy. Secy.

